▸▸ वर्ष : 34 ▸▸ अंक : 210 ▸▸ मुंबई, मंगलवार, 7 अक्टूबर 2025 ▸▸ RNI: MAHHIN/49994/91 ▸▸ मूल्य : 3 रुपए ▸▸ epaper.dobajedopahar.com ▸▸ संपादक : अरुण लाल ▸▸ संरक्षक : एन. के. पुरोहित

DBD
दो बजे दोपहर

पहला चरण

18 जिले - 121 सीटें

जिले: मधेपुरा, सहरसा, दरभंगा, मुजफ्फरपुर, गोपालगंज, सिवान, सारण, वैशाली, समस्तीपुर, बेगूसराय, खगड़िया, मुंगेर, लखीसराय, शेखपुरा, नालंदा, पटना, भोजपुर, बक्सर

अक्टूबर	अक्टूबर	नवंबर
17	20	6
नामांकन की आखिरी तारीख	नामांकन वापसी की आखिरी तारीख	विधानसभा चुनाव के लिए मतदान

दूसरा चरण

20 जिले - 122सीटें

जिले: पश्चिमी चंपारण, पूर्वी चंपारण, शिवहर, सीतामढ़ी, मधुबनी, सुपौल, अररिया, किशनगंज, पूर्णिया, कटिहार, भागलपुर, बांका, कैमूर, रोहतास, अरवल, जहानाबाद, औरंगाबाद, गया, नवादा, जमुई

अक्टूबर	अक्टूबर	नवंबर
20	23	11
नामांकन की आखिरी तारीख	नामांकन वापसी की आखिरी तारीख	विधानसभा चुनाव के लिए मतदान

छठ बाद चुनावी संग्राम

एजेंसी । पटना

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 की तारीखों का ऐलान हो चुका है। राज्य में 40 साल बाद ऐसा होने जा रहा है जब मतदान दो चरणों में संपन्न होगा। इससे पहले 1985 के चुनाव में भी दो फेज में वोटिंग हुई थी। इस बार 6 और 11 नवंबर को मतदान होगा। सबसे खास बात यह है कि यह वोटिंग महापर्व छठ के 8 दिन बाद हो रही है। चुनाव के नतीजे 14 नवंबर को घोषित किए जाएंगे। पूरी चुनावी प्रक्रिया 40 दिनों तक चलेगी। पहले चरण में 121 सीटों पर मतदान होगा, जबकि दूसरे चरण में राज्य के बॉर्डर एरिया की सभी 122 सीटों को शामिल किया गया है।

- बिहार में 6 और 11 नवंबर को
- विधानसभा चुनाव 14 नवंबर को परिणाम

बिहार विधानसभा चुनाव के लिए तैयारियां

- कुल पोलिंग स्टेशन की संख्या – 90, 712
- एक पोलिंग स्टेशन पर वोटर्स का एवरेज – 818
- शहरों में पोलिंग स्टेशन की संख्या – 13,911
- गांवों में पोलिंग स्टेशन की संख्या – 76, 801
- युवाओं द्वारा प्रबंधित पोलिंग स्टेशन की संख्या– 38
- महिलाओं द्वारा प्रबंधित पोलिंग स्टेशन की संख्या – 1,044
- मॉडल बूथों की संख्या– 1350

चुनावी आंकड़ा

- राज्य में कुल 243 सीटें
- सामान्य सीट-203
- एसटी सीट-02
- एससी सीट-38

विधानसभा की मौजूदा स्थिति : बहुमत का आंकड़ा 122

बिहार विधानसभा में कुल 243 सीटें हैं और सरकार बनाने के लिए 122 सीटों की दरकार होती है। वर्तमान में राज्य में जेडीयू और बीजेपी के गठबंधन वाली एनडीए सरकार है। फिलहाल विधानसभा में बीजेपी के पास 80, आरजेडी के पास 77, जेडी(यू) के पास 45 और कांग्रेस के पास 19 विधायक हैं। आरजेडी के तेजस्वी यादव नेता प्रतिपक्ष हैं।

7.42 करोड़ वोटर, पहली बार मतदान करेंगे 14 लाख

इस विधानसभा चुनाव में कुल 7.42 करोड़ मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे, जिनमें 3.92 करोड़ पुरुष, 3.50 करोड़ महिलाएं और 1,725 ट्रांसजेंडर मतदाता शामिल हैं। राज्य में 14 लाख नए मतदाता पहली बार अपने मताधिकार का उपयोग करेंगे, जबकि 85 वर्ष से अधिक उम्र के 4.04 लाख और 100 वर्ष पूरे कर चुके 14 हजार मतदाता भी वोट डालेंगे। इसके अलावा, 7.2 लाख दिव्यांग मतदाता और 1.63 लाख सेवारत मतदाता हैं। सबसे अधिक मतदाता 20 से 29 वर्ष की आयु वर्ग में हैं, जिनकी संख्या 1.63 करोड़ है।

40 साल बाद बिहार में दो-चरणीय 'चुनावी संग्राम'

1985 में जब दो चरणों में चुनाव हुए थे, तब कांग्रेस ने 196 सीटें जीतकर पूर्ण बहुमत की सरकार बनाई थी। उस वक्त लोक दल मुख्य विपक्षी पार्टी बनी थी और भाजपा को 16 सीटें मिली थीं। दिलचस्प बात यह है कि उस चुनाव के बाद एक ही कार्यकाल में बिहार में चार मुख्यमंत्री (बिंदेश्वरी दुबे, भागवत झा आजाद, सत्येंद्र नारायण सिन्हा, और जगन्नाथ मिश्र) बदले थे।

आठ विधानसभा सीटों पर भी होंगे उपचुनाव

भारत निर्वाचन आयोग ने जम्मू-कश्मीर, राजस्थान, झारखंड, तेलंगाना, पंजाब, मिजोरम और ओडिशा की कुल 8 विधानसभा सीटों पर उपचुनाव की तारीखों का एलान किया है। इन उपचुनावों की अधिसूचना 13 अक्टूबर 2025 को जारी की जाएगी। नामांकन की अंतिम तिथि जम्मू-कश्मीर और ओडिशा के लिए 20 अक्टूबर, जबकि अन्य राज्यों के लिए 21 अक्टूबर तय की गई है। नामांकन पत्रों की जांच 22 अक्टूबर (राजस्थान में 23 अक्टूबर) को होगी, और उम्मीदवारी वापस लेने की अंतिम तारीख 24 अक्टूबर (राजस्थान में 27 अक्टूबर) है। मतदान 11 नवंबर 2025 (मंगलवार) को होगा और मतगणना 14 नवंबर 2025 (शुक्रवार) को की जाएगी।

खबर संक्षेप

महाराष्ट्र के मंत्री बावनकुले ने मारा छापा, मिला छिपा हुआ कैश

मुंबई। महाराष्ट्र के राजस्व मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले ने सोमवार को नागपुर स्थित उप-पंजीयक कार्यालय का औचक निरीक्षण किया। अधिकारियों द्वारा नागरिकों से कथित तौर पर रिश्वत मांगने की कई शिकायतें मिली थीं। पूरी तरह से डिजिटल पंजीकरण प्रणाली के बावजूद, रिपोर्टों से पता चला है कि कुछ अधिकारी अभी भी भ्रष्ट आचरण में लिप्त हैं और पैसे की उगाही कर रहे हैं। रिपोर्ट के मुताबिक निरीक्षण के दौरान, मंत्री बावनकुले को कथित तौर पर एक अधिकारी की मेज की दराज में नकदी छिपी हुई मिली, जिससे चल रही गड़बड़ियों को लेकर चिंताएँ बढ़ गई हैं। घटना की विस्तृत जाँच शुरू करने के लिए पुलिस अधिकारियों को बुलाया गया है। जनता को संबोधित करते हुए, मंत्री बावनकुले ने नागरिकों से रिश्वतखोरी की किसी भी घटना की सूचना देने का आग्रह किया। उन्होंने कहा, हम भ्रष्टाचार को जड़ से खत्म करने और सभी सरकारी प्रक्रियाओं में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। मैं जनता से आग्रह करता हूँ कि वे बिना किसी हिचकिचाहट के सीधे अधिकारियों को इस तरह के कदाचार की सूचना दें।

शिक्षकों की नियुक्ति में 50% आरक्षण लागू करने की अनुमति

मुंबई। सुप्रीम कोर्ट ने महाराष्ट्र में स्कूली शिक्षकों की नियुक्ति में 50% आरक्षण लागू करने की अनुमति दी है। मुख्य न्यायाधीश का कहना है कि संविधान एक स्थिर दस्तावेज़ नहीं, बल्कि एक जैविक दस्तावेज़ है। क्या आप चाहते हैं कि स्कूल बिना शिक्षकों के चलें? हम फिलहाल नियुक्ति प्रक्रिया जारी रहने देंगे। याचिकाकर्ताओं के वकील ने कोर्ट में अपना पक्ष रखते हुए कहा कि हम 835 उम्मीदवार हैं। अनुसूचित क्षेत्रों में अनुसूचित जनजातियों को आरक्षण का लाभ मिलना चाहिए। हमारा चयन 2023 में हुआ था, लेकिन हमें नियुक्ति पत्र जारी नहीं किए गए हैं। इसके बाद मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि यह समस्या पूरे राज्य में व्याप्त है। पालघर महाराष्ट्र का एकमात्र प्रभावित राज्य नहीं है।

नांदेड़ से गोंदिया तक आदिवासियों की हुंकार

नांदेड़। आरक्षण की राजनीति भारत के सामाजिक ताने-बाने को हमेशा से प्रभावित करती रही है, लेकिन जब बात मूल आदिवासी समुदाय के अधिकारों की आती है, तो यह बहस और तीखी हो जाती है। महाराष्ट्र में हाल ही में धनगर और बनजारा समुदायों की अनुसूचित जनजाति (ST) श्रेणी में आरक्षण की मांग ने मूल आदिवासियों में आक्रोश पैदा कर दिया है। मूल आदिवासी समुदाय का कहना है कि यह उनकी थाली से हिस्सा छीनने जैसा है। इसी विरोध में नांदेड़ और गोंदिया में विशाल मार्च निकाले गए, जहां हजारों आदिवासियों ने अपनी आवाज बुलंद की। ये मार्च न केवल आरक्षण की मांग को लेकर है।

सुप्रीम कोर्ट में जूता कांड

एजेंसी । नई दिल्ली

सोमवार को सुप्रीम कोर्ट में उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब एक वकील ने चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया (CJI) बीआर गवई पर हमला करने की कोशिश की। यह घटना उस वक्त हुई जब सीजेआई की बेंच एक मामले की सुनवाई कर रही थी। आरोपी वकील ने जूता फेंका, जो बेंच तक नहीं पहुंच सका। सुरक्षाकर्मियों ने तुरंत उसे पकड़ लिया। बाहर निकलते हुए वकील ने नारा लगाया— "सनातन का अपमान नहीं सहेगा हिंदुस्तान।" घटना के बाद CJI गवई ने शांत भाव से वकीलों से कहा कि वे अपनी दलीलें जारी रखें और कहा कि "मुझे इन बातों से फर्क नहीं पड़ता।"

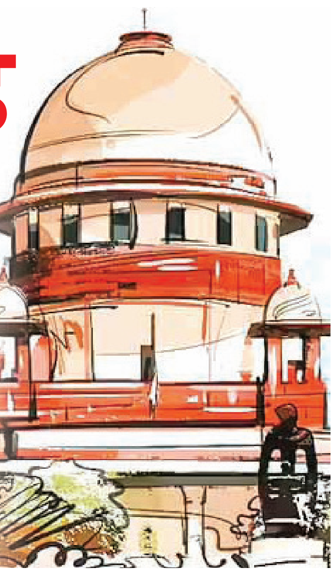

- ▸▸ सीजेआई पर कोर्ट में जूता फेंकने की कोशिश
- ▸▸ आरोपी वकील बोला– सनातन का अपमान नहीं सहेंगे
- ▸▸ हमले से हर भारतीय नाराज : पीएम मोदी

प्रधानमंत्री मोदी ने की घटना की निंदा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस घटना को शर्मनाक बताते हुए CJI गवई से बात की और अपनी संवेदना व्यक्त की। उन्होंने 'X' (पूर्व ट्विटर) पर लिखा– "CJI पर हुए हमले से हर भारतीय गुस्से में है। हमारे समाज में ऐसे निंदनीय कृत्यों के लिए कोई जगह नहीं है।" पीएम मोदी ने कहा कि ऐसी स्थिति में गवई जी ने जो धैर्य दिखाया, वह सराहनीय है। इससे यह साबित होता है कि वे न्याय और संविधान के सिद्धांतों के प्रति पूरी तरह समर्पित हैं।

आरोपी वकील राकेश किशोर कुमार का लाइसेंस रद्द

इस घटना के बाद सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन (SCBA) ने आरोपी वकील राकेश किशोर कुमार का लाइसेंस रद्द कर दिया। आरोपी का बार काउंसिल रजिस्ट्रेशन वर्ष 2011 का है। बार काउंसिल ऑफ इंडिया (BCI) ने भी उसे तत्काल निलंबित करते हुए कहा कि यह वकीलों के आचरण नियमों का उल्लंघन है। बीसीआई चेयरमैन मनन कुमार मिश्रा ने आदेश जारी करते हुए बताया कि आरोपी अब किसी भी अदालत में प्रैक्टिस नहीं कर सकेगा और 15 दिनों में उसे शो कॉज नोटिस भी जारी किया जाएगा।

संविधान पर सीधा आघात: सोनिया गांधी

कांग्रेस की वरिष्ठ नेता सोनिया गांधी ने इस हमले को संविधान और कानून के शासन पर सीधा आघात बताया। उन्होंने कहा– "भारत के माननीय चीफ जस्टिस पर सुप्रीम कोर्ट के भीतर हुआ हमला केवल एक व्यक्ति पर नहीं, बल्कि हमारे लोकतंत्र की आत्मा पर हमला है।" सोनिया गांधी ने कहा कि गवई जी ने इस कठिन स्थिति में संयम और गरिमा का परिचय दिया है और पूरे राष्ट्र को उनके साथ खड़ा होना चाहिए।

मराठा आरक्षण मामला

अध्यादेश के खिलाफ 7 से शुरू होगी सुनवाई

एजेंसी । मुंबई

बॉम्बे हाई कोर्ट में 7 अक्टूबर से मराठों को ओबीसी श्रेणी में आरक्षण देने वाले अध्यादेश (जीआर) के समर्थन और विरोध में दायर याचिकाओं पर सुनवाई शुरू होगी। अदालत ने याचिकाकर्ताओं को अपनी याचिकाओं का संशोधित संस्करण प्रस्तुत करने का निर्देश दिया। राज्य सरकार ने 2 सितंबर को मराठा समुदाय को कुनबी प्रमाणपत्र जारी करने के लिए अध्यादेश जारी किया था। इस अध्यादेश को हाई कोर्ट में विभिन्न याचिकाओं के माध्यम से चुनौती दी गई है।

सुनवाई में शामिल याचिकाएं

मुख्य न्यायाधीश चंद्रशेखर और न्यायमूर्ति गौतम अंखड की पीठ के समक्ष कुनबी सेवा संस्था, महाराष्ट्र माली समाज महासंघ, अहीर सुवर्णकार समाज संस्था, सदानंद मांडलिक और महाराष्ट्र नाभिक महासंघ सहित कई याचिकाओं पर सुनवाई हुई। पीठ ने सरकार के जीआर के खिलाफ दायर याचिकाओं में तकनीकी त्रुटियों का उल्लेख किया और याचिकाकर्ताओं को संशोधित संस्करण दाखिल करने के लिए समय दिया।

विरोध का पक्ष

महाराष्ट्र नाभिक महासंघ के वकील ने कहा कि राज्य सरकार जीआर के जरिए मराठा समाज को ओबीसी आरक्षण में शामिल करने की कोशिश कर रही है, जो कानून का उल्लंघन और ओबीसी समाज के साथ अन्याय है। पीठ ने स्पष्ट किया कि कोई भी अतिरिक्त हस्तक्षेप या संशोधन याचिका तुरंत दाखिल की जानी चाहिए, क्योंकि सुनवाई शुरू होने के बाद नई याचिकाओं पर विचार नहीं होगा।

मेयर, नगर पालिका अध्यक्षों और नगर अध्यक्षों के पदों पर आरक्षण घोषित

मुंबई। बिहार विधानसभा चुनावों की तारीखों के ऐलान के साथ महाराष्ट्र में भी बड़ी चुनावी हलचल सामने आई है। राज्य सरकार ने राज्य की महानगरपालिकाओं के मेयर, 247 नगर पालिका अध्यक्षों और 147 नगर अध्यक्षों के पदों पर आरक्षण घोषित कर दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने महाराष्ट्र सरकार को मुंबई बीएमसी समेत पूरे राज्य में स्थानीय निकाय चुनाव 31 जनवरी, 2026 तक कराने को कहा है। राज्य में मुंबई और तमाम दूसरे स्थानीय निकाय के चुनाव 2017 में हुए थे। ऐसे में राज्य में आठ साल के बाद लोकक बॉडी चुनाव होंगे। इसमें सत्तारूढ़ महायुति और महाविकास आघाड़ी के बीच एक बार फिर से घमासान देखने को मिल सकता है। राज्य में आगामी स्थानीय निकाय चुनावों से पहले एक बड़ा राजनीतिक घटनाक्रम सामने आया है।

महाराष्ट्र में हरित ऊर्जा को नई दिशा

- ▸▸ अब ग्रीन स्टील उद्योगों के लिए बनेगी विशेष नीति : मुख्यमंत्री फडणवीस

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

महाराष्ट्र सरकार राज्य में हरित ऊर्जा (ग्रीन एनर्जी) क्षेत्र को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाने के लिए तेजी से कदम बढ़ा रही है। इसी क्रम में अब राज्य में 'ग्रीन स्टील' यानी हरित इस्पात उद्योग को बढ़ावा देने के लिए नई नीति तैयार की जा रही है। इस दिशा में काम करने के लिए एक विशेष कमेटी के गठन की घोषणा की गई है।

ग्रीन स्टील नीति पर बनेगी समिति

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की अध्यक्षता में उद्योग विभाग की मंत्रिमंडल उपसमिति की बैठक आयोजित हुई, जिसमें उपमुख्यमंत्री अजित पवार, उद्योग मंत्री उदय सामंत और वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे। मुख्यमंत्री फडणवीस ने बताया कि महाराष्ट्र, सौर पैनल निर्माण के क्षेत्र में देश का अग्रणी राज्य बन चुका है और अब ग्रीन स्टील सेक्टर की संभावनाओं को ध्यान में रखते हुए सरकार एक नीति तैयार कर रही है।

थ्रस्ट सेक्टर प्रोजेक्ट्स को मिलेगा प्रोत्साहन

नई ग्रीन स्टील नीति पर काम करने के लिए गठित समिति थ्रस्ट सेक्टर के तहत आने वाले प्रोजेक्ट्स को भी शामिल करेगी। हरित इस्पात उद्योगों को विशेष प्रोत्साहन दिया जाएगा, जिससे राज्य में पर्यावरण हितैषी औद्योगिक ढांचा तैयार किया जा सके। यह पहल राज्य की ग्रीन इकोसिस्टम को और मजबूती देगी। बैठक में कई महत्वपूर्ण औद्योगिक निर्णय भी लिए गए। इनमें कृषि और खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र के बड़े उद्योगों को सामूहिक प्रोत्साहन योजना के तहत आर्थिक सहायता देने का फैसला शामिल है।

नाशिक में बनेगी फिल्म सिटी

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने कहा कि राज्य सरकार नाशिक में फिल्म सिटी बनाने के लिए पूरी तरह सकारात्मक है। इसके लिए गठित विशेषज्ञ सलाहकार समिति की रिपोर्ट आने के बाद उसकी व्यवहार्यता की जांच कर तत्काल प्रस्ताव पेश किया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत को वैश्विक मनोरंजन केंद्र बनाने की परिकल्पना की है, और महाराष्ट्र को इस दिशा में अग्रणी बनना चाहिए।

व्यवहार्यता जांचकर तत्काल रिपोर्ट पेश करने के निर्देश

मनोरंजन क्षेत्र को मिलेगा नया आयाम

अजित पवार ने कहा कि नाशिक की फिल्म सिटी परियोजना राज्य के मनोरंजन क्षेत्र के लिए निर्णायक साबित होगी। सोमवार को राज्य अतिथिगृह सह्याद्री में उनकी अध्यक्षता में नाशिक फिल्म सिटी को लेकर बैठक हुई, जिसमें मंत्री छगन भुजबल, सांस्कृतिक कार्यमंत्री आशीष शेलार (ऑनलाइन) समेत कई वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि इस परियोजना से स्थानीय कलाकारों, तकनीशियनों, परिवहन और सेवा क्षेत्र में बड़े पैमाने पर रोजगार सृजित होंगे।

दादासाहेब फालके की जन्मभूमि के रूप में सांस्कृतिक महत्व

अजित पवार ने कहा कि नाशिक भारतीय फिल्म जगत के जनक दादासाहेब फालके की जन्मभूमि है। ऐसे में यहां फिल्म सिटी का निर्माण केवल सांस्कृतिक दृष्टि से ही नहीं, बल्कि आर्थिक, पर्यटन और क्षेत्रीय विकास के नजरिए से भी अत्यंत महत्वपूर्ण होगा। उन्होंने बताया कि कुंभ मेले के लिए बनी आधारभूत सुविधाएं फिल्म सिटी के लिए उपयोगी साबित होंगी।

बीएमसी चुनाव के लिए महायुति में नहीं होगा टकराव

- ▸▸ शिंदे गुट ने तैयार की रणनीति
- ▸▸ अभी तक शिंदे गुट में शामिल हुए करीब 95 पूर्व नगरसेवक

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) चुनाव को लेकर राज्य की सत्ता में शामिल महायुति के दल—भाजपा, शिवसेना (शिंदे) और राकांपा (अजित पवार)—ने रणनीतिक स्तर पर तैयारियां शुरू कर दी हैं। सूत्रों के अनुसार, तीनों दलों के बीच सीट बंटवारे को लेकर टकराव न हो, इसके लिए प्रारंभिक बातचीत चल रही है। गठबंधन का लक्ष्य है कि मुंबई में विपक्ष, विशेष रूप से शिवसेना (उद्धव) और कांग्रेस, को सीधी टक्कर दी जाए। शिंदे गुट के एक वरिष्ठ नेता ने बताया कि पार्टी प्रमुख एकनाथ शिंदे ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि बीएमसी चुनाव में लोकसभा या विधानसभा की तरह आखिरी वक्त तक सीट बंटवारे को लंबा नहीं खींचा जाएगा। उन्होंने कहा कि गठबंधन सहयोगियों के साथ सौहार्दपूर्ण माहौल में निर्णय लिए जाएंगे ताकि एकजुट होकर मुकाबले में उतरा जा सके।

पूर्व नगरसेवकों का बढ़ रहा समर्थन

शिंदे गुट में लगातार पूर्व नगरसेवकों का जुड़ाव जारी है। अब तक लगभग 95 पूर्व नगरसेवक पार्टी में शामिल हो चुके हैं, जिनमें से 55 नगरसेवक 2017-2022 के कार्यकाल के हैं। बाकी पूर्व नगरसेवक 2007 और 2012 के चुनाव में जीते हुए हैं। इनमें अधिकतर शिवसेना (उद्धव) से जुड़े रहे हैं, जबकि कुछ कांग्रेस और राकांपा (शरद पवार) से आए हैं।

2017 में ऐसे बना था उद्धव का महापौर

साल 2017 के बीएमसी चुनाव में शिवसेना (अविभाजित) ने 84 और भाजपा ने 82 सीटें जीती थीं। कांग्रेस को 31, राकांपा को 9, मनसे को 7 और सपा को 6 सीटें मिली थीं। तब महापौर पद पर सहमति न बनने के कारण उद्धव ठाकरे ने मनसे और निर्दलीय नगरसेवकों के सहयोग से महापौर पद हासिल कर लिया था।

न्यूज़ ब्रीफ

50 साल पुराने अपहरण मामले में आरोपी को अदालत ने किया बरी

ठाणे। महाराष्ट्र के ठाणे जिले के विट्ठलवाड़ी पुलिस थाने में दर्ज एक पुराने अपहरण के मामले में लगभग पांच दशक बाद एक व्यक्ति को अदालत ने बरी कर दिया है। यह मुकदमा उसकी अनुपस्थिति में चला था क्योंकि आरोपी लंबे समय तक फरार रहा और उसे भगोड़ा घोषित कर दिया गया था। वीरपाल जसवंत वाल्मीकि के खिलाफ 9 मार्च 1977 को भारतीय दंड संहिता की धारा 363 (अपहरण) और 366 (महिला को जबरन शादी के लिए मजबूर करना या उसकी मर्यादा भंग करना) के तहत मामला दर्ज किया गया था। हालांकि, चार्जशीट लगभग 25 साल बाद 28 मार्च 2001 को दाखिल की गई। मामला वर्षों तक लंबित रहने के बाद 7 अगस्त 2025 को औपचारिक आरोप तय किए गए। आरोप था कि वाल्मीकि ने उल्हासनगर के कैंप नंबर 3 की झोपड़पट्टी से 16 वर्षीय लड़की का जबरन शादी के इरादे से अपहरण किया था। अदालत ने 26 सितंबर को आरोपी को बरी करने का आदेश दिया, जिसकी प्रति हाल ही में उपलब्ध हुई है।

अटकी योजनाएं महाराष्ट्र सरकार पर वित्तीय दबाव का संकेत : सुले

पुणे। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) सांसद सुप्रिया सुले ने सोमवार को दावा किया कि महाराष्ट्र में विभिन्न योजनाओं को बंद किए जाने की खबरें राज्य की कमजोर वित्तीय स्थिति का संकेतक हैं। सुले ने पुणे में संवाददाताओं से बातचीत करते हुए कहा कि वह पिछले डेढ़ साल से राज्य की ?खराब? वित्तीय स्थिति को रेखांकित कर रही हैं।

भिवंडी के गोदाम में लगी भीषण आग

भिवंडी। भिवंडी में एक गोदाम में भीषण आग लगने के बाद दमकल विभाग की कई गाड़ियों को मौके पर भेजा गया। घटनास्थल के वीडियो में आग की भयावह लपटों को देखा जा सकता है। आग बुझाने पहुंची टीम में शामिल दमकलकर्मी वजीर पटेल ने बताया कि रविवार रात करीब 9.45 बजे उन्हें फोन पर आग लगने की सूचना मिली। टीम के साथ घटनास्थल पर पहुंचने पर हमने देखा कि पूरा गोदाम आग की लपटो में घिरा हुआ है। आग की गंभीरता को देखते हुए कल्याण और उल्हासनगर से भी दमकल की गाड़ियों को बुलाया गया। उन्होंने कहा कि कड़ी मशक्कत के बाद आस-पास के गोदामों को बचा लिया गया। गोदाम में कुछ केमिकल और कपड़े रखे हुए थे। किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। फिलहाल, आग लगने का कारणों का पता नहीं चला है।

महाराष्ट्र सरकार से गन्ना मिलों पर लेवी लगाने पर पुनर्विचार करें : शरद पवार

मुंबई। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (सपा) प्रमुख शरद पवार ने महाराष्ट्र सरकार पर बारिश से प्रभावित किसानों की मदद करने के बजाय गन्ना किसानों से मुख्यमंत्री राहत कोष (सीएमआरएफ) में योगदान करवाने का आरोप लगाया और सरकार से गन्ना मिलों पर लेवी लगाने पर पुनर्विचार करने अपील की। यह आलोचना सीएमआरएफ के माध्यम से प्रभावित किसानों को राहत प्रदान करने के लिए मिलों में गन्ने पर लेवी लगाने के सरकार के कदम के बाद की गई। पवार ने कहा, मुझे आश्चर्य है कि महाराष्ट्र सरकार ने बाढ़ से प्रभावित मराठवाड़ा के किसानों को वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए गन्ना किसानों से अतिरिक्त लेवी वसूलने का फैसला किया है।

भारतरत्न स्व. इंदिरा गांधी भवन है मीरा भाईंदर मनपा मुख्यालय का नाम

नाम में क्या रखा है...

- मीरा भाईंदर मनपा मुख्यालय पर नाम फलक गायब
- लेटरहेड से भी लापता 'भारतरत्न' शब्द

विनय दूबे । भाईंदर

भाईंदर (प.) स्थित मीरा भाईंदर महानगरपालिका (एमबीएमसी) मुख्यालय इमारत का नाम भारतरत्न स्व. इंदिरा गांधी भवन है। लेकिन इमारत पर से नाम का फलक गायब है और मनपा के लेटरहेड पर भी 'भारतरत्न' शब्द का उल्लेख नहीं किया जाता। यह स्थिति वाकई चिंताजनक मानी जा रही है।

नियमों के अनुसार नाम फलक आवश्यक

ज्ञात हो कि मनपा की इमारतों के नामकरण और फलक लगाने के लिए संबंधित विभाग द्वारा कुछ नियम और शर्तें निर्धारित की जाती हैं। महापुरुषों के आदर्शों और सिद्धांतों के प्रसार तथा जनता को प्रेरित करने के उद्देश्य से सरकारी इमारतों पर उनका नाम फलक लगाना अनिवार्य होता है। यह उनके प्रति सम्मान व्यक्त करने का एक आदर्श तरीका है। इसके विपरीत, इंदिरा गांधी के नाम को केवल दस्तावेजों तक सीमित रखना नियमों का उल्लंघन है।

नाम फलक लगाने की प्रक्रिया

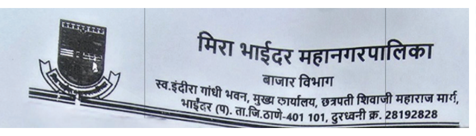

सरकारी नियमों के तहत किसी सरकारी इमारत पर नाम फलक लगाने के लिए एक प्रस्ताव तैयार किया जाता है, जिसे मनपा की समिति या बोर्ड द्वारा अनुमोदित किया जाता है। अनुमोदन के बाद फलक का डिज़ाइन तैयार किया जाता है और उसे इमारत के प्रवेश द्वार या उपयुक्त स्थान पर स्थापित किया जाता है।

कांग्रेस ने जताया रोष

मीरा भाईंदर शहर कांग्रेस जिलाध्यक्ष प्रमोद सामंत ने रोष व्यक्त करते हुए कहा कि मनपा के आला अधिकारियों की लापरवाही का परिणाम जनता भुगत रही है। यदि भारतरत्न स्व. इंदिरा गांधी का नाम मुख्यालय की इमारत पर नहीं लगाया गया, तो कांग्रेस पार्टी मनपा प्रशासन के खिलाफ आंदोलन करेगी।

पूर्व नगरसेवक ने बताई गंभीर लापरवाही

पूर्व नगरसेवक रोहित सुवर्णा ने कहा कि मुख्यालय भवन पर नाम फलक न लगाना बड़ी लापरवाही है। मनपा अधिकारियों की लगातार अनदेखी के कारण एमबीएमसी प्रशासन की छवि धूमिल हो रही है। संबंधित विभाग के अधिकारी इस लापरवाही के लिए जिम्मेदार हैं।

प्रशासन से संपर्क का प्रयास

इस विषय में जब सार्वजनिक निर्माण विभाग के कार्यकारी अभियंता नितिन मुकणे से संपर्क करने की कोशिश की गई, तो उनसे संपर्क नहीं हो सका।

खोनी ग्राम पंचायत में करोड़ों के गबन का मामला उजागर

- ग्राम विकास अधिकारी आर.जे. म्हस्के सेवा से बर्खास्त, दर्ज होगा आपराधिक मामला

शारिफ अंसारी । भिवंडी

भिवंडी तालुका के खोनी ग्राम पंचायत में एक करोड़ रुपये से अधिक की धनराशि के दुरुपयोग का मामला सामने आया है। इस गंभीर वित्तीय गबन में शामिल तत्कालीन ग्राम विकास अधिकारी आर. जे. म्हस्के को सेवा से बर्खास्त कर दिया गया है।

ठाणे जिला परिषद ने दिए कार्रवाई के आदेश

ठाणे जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी रोहन घुगे ने म्हस्के के खिलाफ आपराधिक कार्रवाई शुरू करने और गबन की गई राशि की वसूली के आदेश दिए हैं। यह कदम पंचायत निधियों के पारदर्शी उपयोग को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से उठाया गया है।

ग्राम पंचायत सदस्य ने दर्ज कराई थी शिकायत

इस पूरे मामले की शिकायत ग्राम पंचायत सदस्य शाहनवाज़ इम्तियाज़ कुरैशी ने ठाणे जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी से की थी। शिकायत के बाद जिला परिषद ने मामले की विस्तृत जांच के आदेश दिए थे।

जाँच में सहयोग नहीं किया म्हस्के ने

जाँच के दौरान म्हस्के बार-बार अनुपस्थित रहे और जांच अधिकारियों से सहयोग नहीं किया। इससे यह साबित हुआ कि उन्होंने जानबूझकर गैर-जिम्मेदाराना और अनुशासनहीन व्यवहार किया।

ऑडिट रिपोर्ट में आरोप सिद्ध

कल्याण पंचायत समिति के समूह विकास अधिकारियों, ठाणे विधिक लेखा कार्यालय और कोंकण विभाग के सहायक आयुक्त (जांच) द्वारा की गई ऑडिट रिपोर्ट में म्हस्के पर लगे सभी आरोप सही पाए गए। रिपोर्ट के अनुसार, 14वें वित्त आयोग निधि से 16,78,445 और ग्राम निधि से 10,55,302 सहित कुल 1,40,39,738 का गबन किया गया।

राशि वसूली और जब्ती की प्रक्रिया शुरू

मुख्य कार्यकारी अधिकारी रोहन घुगे ने भिवंडी पंचायत समिति के समूह विकास अधिकारी गोविंद खामकर को राशि वसूली और जब्ती प्रक्रिया लागू करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही म्हस्के के खिलाफ आपराधिक कार्रवाई शुरू करने के आदेश भी जारी किए गए हैं, ताकि ग्रामीण विकास निधियों के उपयोग में पारदर्शिता और जवाबदेही बनी रहे।

2016 से 2017 के बीच अनियमितताओं का आरोप

जांच में पाया गया कि जनवरी 2016 से जुलाई 2017 के बीच म्हस्के ने ग्राम निधि और 14वें वित्त आयोग की राशि का गबन किया। उन्होंने निविदा प्रक्रिया में अनियमितताएँ कीं, फर्जी चेक जारी किए, अपनी मर्जी से ठेकेदारों को काम दिए और ठेकेदारों के नाम पर चेक जारी किए बिना ही नकदी निकाली।

सिडको सुरक्षा गार्डों की सतर्कता से बची मासूम की जान

- ट्रेन में छूट गई दो वर्षीय बच्ची

डीबीडी संवाददाता । नवी मुंबई

एक छोटी सी लापरवाही ने जहाँ एक दंपति की दो वर्षीय बच्ची को खतरे में डाल दिया, वहीं सिडको के सतर्क सुरक्षा गार्डों की तत्परता से वह बच्ची सुरक्षित अपने माता-पिता से मिल पाई।

सानपाडा स्टेशन पर अफरातफरी में हुई गलती

घटना पिछले गुरुवार की है। मुंबई से पनवेल की ओर जा रही एक स्थानीय ट्रेन में एक दंपति अपनी दो साल की बेटी के साथ यात्रा कर रहा था। उन्हें सानपाडा स्टेशन पर उतरना था, लेकिन अफरातफरी में माँ एक तरफ से और पिता दूसरी तरफ से प्लेटफॉर्म पर उतर गए – पर बच्ची ट्रेन में ही रह गई।

माता-पिता को हुई गलती का एहसास

जैसे ही ट्रेन नेरुल की ओर बढ़ी, माता-पिता को अपनी गलती का अहसास हुआ। उन्होंने तुरंत मदद के लिए शोर मचाया और स्टेशन पर मौजूद कर्मचारियों को सूचना दी।

सिडको गार्ड ने दिखाई त्वरित समझदारी

सानपाडा स्टेशन पर ड्यूटी पर मौजूद सिडको सुरक्षा गार्ड सचिन घरत ने स्थिति को भांपते हुए तुरंत कार्रवाई की। उन्होंने नेरुल स्टेशन के सुरक्षा गार्डों से संपर्क साधकर पूरी जानकारी साझा की।

नेरुल स्टेशन पर बच्ची को सुरक्षित बचाया गया

नेरुल स्टेशन पर ड्यूटी पर तैनात सुरक्षा गार्ड अनिल जाधव और महिला सुरक्षा गार्ड पी. एम. देशमुख ने सतर्कता दिखाते हुए प्लेटफॉर्म क्रमांक 3 पर पहुँची ट्रेन से उस बच्ची को सुरक्षित अपनी देखरेख में ले लिया। थोड़ी देर बाद बच्ची को उसके घबराए हुए माता-पिता को सौंप दिया गया। यह दृश्य देखकर आसपास मौजूद लोग भावुक हो उठे।सिडको सुरक्षा गार्डों की त्वरित कार्रवाई और मानवीय संवेदनशीलता के कारण एक बड़ी दुर्घटना टल गई। सिडको के मुख्य सतर्कता अधिकारी ने इस उत्कृष्ट कार्य के लिए सुरक्षा गार्डों का अभिनंदन किया और उन्हें प्रशंसा पत्र प्रदान किया।

अगले सप्ताह शुरू होगा कल्याण-बदलापुर रोड का काम

- दीवाली से पहले सड़कें होंगी दुरुस्त

डीबीडी संवाददाता । उल्हासनगर

उल्हासनगर शहर की विभिन्न विकास संबंधित समस्याओं को लेकर विधायक कुमार आयलानी ने सोमवार को अपने जनसंपर्क कार्यालय में बैठक आयोजित की। इस बैठक में नगरसेवक, राज्य सार्वजनिक निर्माण विभाग (PWD) और उल्हासनगर महानगरपालिका (UMC) के अधिकारी मौजूद रहे। बैठक में शहर के अधूरे पड़े सड़कों और बुनियादी ढांचे के कामों की समीक्षा की गई।

वॉटर लीकेज और रोड रिपेयर के लिए संयुक्त टीम बनेगी

विधायक आयलानी ने वॉटर सप्लाई और पीडब्ल्यूडी विभागों को संयुक्त रूप से शहर का दौरा कर पहले लीकेज बंद करने और उसके बाद सड़क निर्माण करने के निर्देश दिए। साथ ही, श्मशान भूमि की सड़क और अन्य प्रमुख मार्गों को प्राथमिकता पर सुधारने को कहा गया। बैठक में प्रशांत पाटिल, मनोहर खेमचंदानी, डॉ. एस.बी. सिंह, प्रेम झा, मीना सोंडे, संजय सिंह (चाचा), हेमा पिंजानी, पिंटू भटीजा समेत अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

कल्याण-बदलापुर रोड कार्य अगले सप्ताह से शुरू होगा

राज्य सार्वजनिक निर्माण विभाग के अधिकारी प्रशांत मानकर ने बैठक में बताया कि कल्याण-बदलापुर रोड का काम अगले सप्ताह उल्हासनगर क्षेत्र में शुरू किया जाएगा। इस आश्वासन के साथ विभाग ने यह भी कहा कि काम की गति बनाए रखने के लिए जरूरी संसाधन उपलब्ध कराए जाएंगे।

नगरसेवकों ने सिटी इंजीनियर पर साधा निशाना

बैठक के दौरान सिटी इंजीनियर नीलेश शिरसाटे को काम में देरी और बार-बार केवल आश्वासन देने को लेकर विधायक आयलानी और पूर्व नगरसेवकों ने कड़ी फटकार लगाई। विधायक ने कहा कि "केबिन से बाहर निकलकर शहर की वास्तविक स्थिति देखें।" उन्होंने निर्देश दिया कि जिन ठेकेदारों ने सड़क मरम्मत का काम ठीक से नहीं किया, उनकी पेमेंट रोक दी जाए जब तक वे गड्ढे दोबारा न भरें।

शौचालय और सड़कों की मरम्मत पर सख्त निर्देश

विधायक ने स्लम बस्तियों में बने शौचालयों की मरम्मत और दरवाजों की स्थिति पर भी सवाल उठाया। अधिकारियों को आदेश दिया गया कि अगली बैठक में मरम्मत कार्य की लोकेशन और फोटो सहित पूरी रिपोर्ट पेश की जाए। उन्होंने कहा कि दिवाली से पहले शहर की सभी प्रमुख सड़कें सुचारू और व्यवस्थित हो जानी चाहिए।

ठाणे में तीन दिन तक 10 प्रतिशत पानी की कटौती लागू

- मुंबई मनपा के बिजलीघर में रखरखाव कार्य के चलते निर्णय

डीबीडी संवाददाता । ठाणे

पंजरापुर के पिसे स्थित मुंबई मनपा के बिजलीघर में बिजली मीटरों के अद्यतन (अपडेट) का कार्य जारी है। इसी कारण मुंबई मनपा ने पानी की आपूर्ति में अस्थायी रूप से 10 प्रतिशत कटौती करने का निर्णय लिया है। इस कटौती का प्रभाव ठाणे शहर के उन क्षेत्रों पर पड़ेगा, जहाँ पानी की आपूर्ति मुंबई मनपा के स्रोतों से होती है। यह पानी कटौती मंगलवार, 7 अक्टूबर से गुरुवार, 9 अक्टूबर, 2025 तक लागू रहेगी।

इन क्षेत्रों में होगी जलापूर्ति प्रभावित

नौपाड़ा, पाचपखाड़ी, हजुरी, लुईसवाड़ी, रघुनाथ नगर, नामदेव वाडी, साईनाथ नगर, रामचंद्र नगर (1), किसान नगर (1 और 2), शिवाजी नगर, पड़वल नगर, जनता स्लम, शिवशक्ति नगर, करवालो नगर, अंबिका नगर, ज्ञानेश्वर नगर, जय भवानी नगर, काजूवाड़ी, जीजामाता नगर, बालकुम पाड़ा नंबर 1, लक्ष्मी नगर, अंबेडकर नगर, मनपाड़ा (नलपाड़ा), कोपरी धोबीघाट, गावदेवी (लुईसवाड़ी) जलकुंभ, टेकडी बंगला जलकुंभ, भटवाड़ी, इंदिरानगर, आनंद नगर, गांधी नगर और कोपरी कन्हैया क्षेत्र में 10 प्रतिशत पानी की कटौती लागू की जाएगी।

मुंबई मनपा से 85 एमएलडी पानी की आपूर्ति

ठाणे मनपा क्षेत्र को विभिन्न स्रोतों से पानी प्राप्त होता है, जिनमें से 85 एमएलडी पानी मुंबई मनपा के माध्यम से ठाणे को आपूर्ति किया जाता है। इसी जलस्रोत से प्रभावित क्षेत्रों में यह कटौती लागू की जाएगी।

ठाणे रिश्वत मामला

डीएमसी पटोले, दो अन्य को न्यायिक हिरासत में भेजा गया

डीबीडी संवाददाता । ठाणे

महाराष्ट्र में रिश्वतखोरी के एक मामले में गिरफ्तार ठाणे नगर निगम के उप नगर आयुक्त शंकर पटोले, डेटा ऑपरेटर ओमकार गायकर और सुशांत सुर्वे को सोमवार को अदालत ने न्यायिक हिरासत में भेज दिया। तीनों की पुलिस हिरासत समाप्त होने के बाद उन्हें अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश एस. एस. शिंदे की अदालत में पेश किया गया।

भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो ने नहीं मांगी पुलिस हिरासत

मामले की जांच कर रहे भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने तीनों आरोपियों की पुलिस हिरासत बढ़ाने की मांग नहीं की। अदालत के एक अधिकारी ने बताया कि अब उनकी जमानत याचिका पर सुनवाई 8 अक्टूबर को होगी। पटोले और गायकर को 1 अक्टूबर को नगर निगम मुख्यालय में एसीबी द्वारा छापेमारी के दौरान गिरफ्तार किया गया था। पटोले उस समय ठाणे नगर निगम के अतिक्रमण नियंत्रण और निष्कासन विभाग के प्रमुख थे। रियल एस्टेट डेवलपर अभिजीत कदम ने मुंबई एसीबी से शिकायत की थी कि उप नगर आयुक्त पटोले ने उनके परिसर से अतिक्रमण हटाने के लिए कथित तौर पर 50 लाख रुपए की रिश्वत की मांग की थी। शिकायतकर्ता ने बताया कि उसने 4 जुलाई को सुशांत सुर्वे के माध्यम से अधिकारी को 10 लाख रुपए की रिश्वत दी थी। बाद में सुर्वे ने 3 अक्टूबर को आत्मसमर्पण कर दिया, जिसके बाद उसे गिरफ्तार कर लिया गया। इस पूरे मामले की जांच एसीबी द्वारा जारी है।

टिकट माफियाओं पर पश्चिम रेलवे का बड़ा एक्शन

- 52 लाख के ब्लैक टिकट बरामद

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

मुंबई पश्चिम रेलवे ने टिकट दलालों पर फिर से शिकंजा कसते हुए अवैध टिकट बिक्री और ब्लैक मार्केटिंग के कई मामलों का खुलासा किया है। वित्तीय वर्ष 2024-2025 में रेलवे विजिलेंस टीम ने 10 दलालों को गिरफ्तार किया, जबकि चालू वर्ष 2025 (सितंबर तक) में 3 और दलाल पकड़े गए हैं। रेलवे के इस सख्त रुख से टिकट ब्लैक मार्केट में हड़कंप मच गया है।

लाखों के टिकट बरामद, घटा रैकेट का असर

जांच में सामने आया कि 2024-2025 में गिरफ्तार दलालों के पास से 156 लाइव टिकट बरामद किए गए, जिनकी कीमत 4,76,560 रुपए थी। वहीं, वर्ष 2025 में अब तक 152 टिकट जब्त हुए हैं, जिनकी कीमत 2,81,340 रुपए रही। ये आंकड़े बताते हैं कि दलाल अब भी सक्रिय हैं, लेकिन उनके नेटवर्क की ताकत में कमी आई है।

दो आईआरसीटीसी एजेंट निकले शामिल

गिरफ्तार 10 दलालों में से दो ऐसे लोग थे जो आधिकारिक आईआरसीटीसी ई-टिकटिंग एजेंट के रूप में काम कर रहे थे। जांच में पता चला कि ये दोनों अपने अधिकारों का दुरुपयोग कर टिकटों की ब्लैक मार्केटिंग कर रहे थे। इसके अलावा, एक दलाल के पास से 20,99,710 रुपए नकद बरामद किए गए। पुराने रिकॉर्ड के अनुसार, अब तक कुल 1,318 टिकटों की हेराफेरी सामने आई है, जिनकी कीमत 44,96,608 रुपए रही। रेलवे विजिलेंस ने बताया कि यह कार्रवाई तकनीकी निगरानी और गुप्त सूचना के आधार पर की गई। विभाग अब साइबर ट्रैकिंग और फर्जी आईडी पहचान प्रणाली को और मजबूत बना रहा है ताकि भविष्य में ऐसे रैकेट्स पर पूरी तरह रोक लगाई जा सके।

जवेरी बाजार के कायापलट में मदद करेगी सरकार

- मुख्यमंत्री फडणवीस ने दिया भरोसा
- जवेरी बाजार में पहली बार जेम्स एंड ज्वेलरी फेस्टिवल का शुभारंभ

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

जवेरी बाजार वेलफेयर द्वारा आयोजित पहले जेम्स एंड ज्वेलरी फेस्टिवल का उद्घाटन मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने किया। उन्होंने कहा कि देश की अर्थव्यवस्था में जवेरी बाजार की अहम भूमिका रही है और यह ऐतिहासिक बाजार भारत की पारंपरिक कारीगरी का प्रतीक है। फडणवीस ने कहा कि बाजार के सौंदर्यीकरण और पुनर्विकास के लिए सरकार हर संभव सहायता प्रदान करेगी।

रत्न और आभूषण उद्योग की रीढ़ है जवेरी बाजार

मुख्यमंत्री ने कहा कि जवेरी बाजार भारतीय रत्न और आभूषण उद्योग की रीढ़ है, जिसकी कारीगरी को पूरी दुनिया पहचानती है। समय की चुनौतियों के बावजूद इस बाजार ने अपनी पहचान और गौरव को बनाए रखा है। उन्होंने कहा कि यह फेस्टिवल स्थानीय व्यापारियों को वैश्विक स्तर पर जुड़ने और नए व्यापारिक अवसरों को तलाशने का मंच प्रदान करेगा।

आधुनिक तकनीक से होगा व्यापार का विस्तार

इस अवसर पर जवेरी बाजार वेलफेयर एसोसिएशन और इंडिया गोल्ड मेटैवर्स के बीच एक समझौता ज्ञापन (MoU) पर हस्ताक्षर किए गए। मुख्यमंत्री ने बताया कि इस समझौते के तहत आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) और ब्लॉकचेन जैसी आधुनिक तकनीकों का उपयोग करके व्यापार को और अधिक पारदर्शी और कुशल बनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन के तहत कठिन परिस्थितियों में भी नए अवसर खोजने की भावना से यह उद्योग लगातार आगे बढ़ रहा है।

परंपरा और आधुनिकता का संगम बना उत्सव

मुख्यमंत्री फडणवीस ने प्रदर्शनी को अनूठा बताते हुए कहा कि इसमें पारंपरिक सांस्कृतिक विरासत और आधुनिक सजावट का बेहतरीन मिश्रण देखने को मिला। प्रदर्शनी के प्रवेश द्वारों को लोकमान्य तिलक, सावित्रीबाई फुले, राम मंदिर और विभिन्न देवी-देवताओं के नामों से सजाया गया है। समारोह में रत्न और आभूषण क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने वाले उद्यमियों को भी मुख्यमंत्री ने सम्मानित किया।

प्रधानमंत्री के मुंबई दौरे से पहले उद्धव का पत्र

ठाकरे ने प्रधानमंत्री से की मराठवाड़ा के किसानों के लिए मुआवजे की मांग

मुंबई। पूर्व मुख्यमंत्री और शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर मराठवाड़ा के बाढ़ प्रभावित किसानों के लिए राहत पैकेज की मांग की है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री 8 और 9 अक्टूबर को मुंबई आ रहे हैं, और इस दौरान उन्हें किसानों की पीड़ा को समझते हुए तात्कालिक राहत की घोषणा करनी चाहिए। ठाकरे ने पत्र में आग्रह किया है कि बाढ़ प्रभावित किसानों को प्रति हेक्टेयर 50,000 रुपए का मुआवजा दिया जाए और किसानों का संपूर्ण कर्ज माफ किया जाए। उन्होंने लिखा कि राज्य सरकार ने 2,500 करोड़ रुपए के राहत पैकेज की घोषणा की है, लेकिन यह रकम बेहद अपर्याप्त है और किसानों की वास्तविक स्थिति को देखते हुए मदद का विस्तार जरूरी है। उद्धव ठाकरे ने कहा कि मराठवाड़ा के हालात बेहद खराब हैं। क्षेत्र की फसलें, घर, पशुधन और जमीन बर्बाद हो गई हैं।

मातोश्री में 'राज-उद्धव' मिलन

मुंबई में दिखेगी ठाकरे शक्ति : संजय राउत

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

शिवसेना यूबीटी प्रमुख उद्धव ठाकरे और उनके चचेरे भाई और मनसे प्रमुख राज ठाकरे की रविवार को मुलाकात हुई। दोनों नेताओं की इस मुलाकात को लेकर सोमवार को शिवसेना यूबीटी नेता संजय राउत ने कहा कि उनकी बातचीत राजनीतिक थी और निकाय चुनावों से पहले दोनों दलों के बीच गठबंधन दिल और दिमाग से होगा।

'दिल और दिमाग से होगा गठबंधन'

मीडिया से बात करते हुए, संजय राउत ने कहा कि ठाकरे भाइयों के बीच व्यक्तिगत और राजनीतिक संबंध मजबूत हो गए हैं, और भले ही कोई उन्हें तोड़ने की बहुत कोशिश करे, लेकिन अब बातचीत बहुत आगे बढ़ गई है। उन्होंने सत्तारूढ़ भाजपा पर तंज कसते हुए कहा कि 'यह गठबंधन 'दिल' और 'दिमाग' से बनेगा। यह कोई राजनीतिक गठबंधन नहीं है। यह तन-मन-धन से बना गठबंधन है। मुंबई का मेयर असली भगवा रंग वाला एक मराठी होगा। वह दिल्ली के आगे झुकने वाला व्यक्ति नहीं होगा।' रविवार को राज ठाकरे, शिवसेना यूबीटी के नेता संजय राउत के पोते के नामकरण समारोह में शामिल हुए। इसके बाद राज ठाकरे उद्धव ठाकरे के आवास मातोश्री गए, जहां राज ठाकरे और उद्धव ठाकरे की मुलाकात हुई। 5 जुलाई के बाद से दोनों नेताओं की यह पांचवीं मुलाकात रही।

क्या एमवीए का हिस्सा बनेगी मनसे?

यह पूछे जाने पर कि क्या महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) महा विकास अघाड़ी (एमवीए) गठबंधन का हिस्सा बनेगी? इस पर राउत ने कहा कि इस सवाल का जवाब केवल राज ठाकरे ही दे सकते हैं। उन्होंने कहा, 'एमवीए का गठन तीन प्रमुख दलों से मिलकर हुआ था। मनसे एक स्वतंत्र पार्टी है। शिवसेना (यूबीटी) और मनसे (नगरीय निकाय चुनावों के लिए) के बीच चर्चा है। उन्होंने बताया कि एमवीए का गठन राज्य विधानसभा के लिए किया गया था और पार्टी नगरीय निकाय चुनावों के लिए एक नया फॉर्मूला लेकर आएगी।

नहीं हुई राजनीतिक चर्चा : मनसे

संजय राउत जहां दावा कर रहे हैं कि उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे के बीच हुई मुलाकात में राजनीतिक चर्चा हुई, वहीं मनसे के एक नेता ने कहा कि दोनों नेताओं के बीच रविवार को हुई मुलाकात के दौरान कोई राजनीतिक चर्चा नहीं हुई। दोनों दलों के बीच गठबंधन की आधिकारिक घोषणा के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि राज्य में 27 नगर निकाय हैं और हर सीट और पैनल पर विस्तृत चर्चा जरूरी है। उन्होंने कहा कि हर नगर निकाय की राजनीतिक स्थिति अलग होती है और स्थानीय स्तर पर नेताओं के बीच चर्चा हो रही है। महाराष्ट्र में विभिन्न नगर निकायों के चुनाव इस साल के अंत तक होने की संभावना है।

समीर वानखेडे शराब लाइसेंस मामला

आबकारी विभाग को नोटिस

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

बॉम्बे हाई कोर्ट ने सोमवार को भारतीय राजस्व सेवा (आईआरएस) अधिकारी समीर वानखेडे की उस याचिका पर राज्य के आबकारी विभाग को नोटिस जारी किया है, जिसमें उन्होंने अपने खिलाफ दर्ज एफआईआर को रद्द करने की मांग की है। यह एफआईआर शराब लाइसेंस के मामले से जुड़ी हुई है। अदालत ने आबकारी विभाग को दो सप्ताह के भीतर जवाब दाखिल करने और शराब लाइसेंस रद्द किए जाने की प्रति पेश करने का निर्देश दिया है।

आरोप है कि नवी मुंबई स्थित एक होटल के लिए शराब का लाइसेंस वानखेडे की मां के नाम पर जारी किया गया था। बाद में, कथित तौर पर नाबालिग रहते हुए समीर वानखेडे का नाम भी पार्टनर के रूप में शामिल किया गया था। वर्ष 2022 में यह लाइसेंस रद्द कर दिया गया, जिसके बाद उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई थी।

वानखेडे के वकील ने बताया एफआईआर बेबुनियाद

वानखेडे की ओर से पेश वरिष्ठ वकील आबाद पोंडा ने अदालत में दलील दी कि एफआईआर पूरी तरह से झूठी और राजनीतिक उद्देश्य से प्रेरित है। उन्होंने कहा कि जब वानखेडे नाबालिग थे, तभी उनका नाम पार्टनर के रूप में जोड़ा गया था। इस घटना में उनका कोई सक्रिय रोल नहीं था, इसलिए उनके खिलाफ दर्ज एफआईआर का कोई कानूनी आधार नहीं बनता।

राजनीतिक साजिश से जुड़ा बताया जा रहा मामला

यह मामला समीर वानखेडे की नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) में तैनाती के दौरान हुई घटनाओं से भी जुड़ा बताया जा रहा है। वानखेडे ने अपने कार्यकाल में एनसीपी (अजीत पवार गुट) के नेता और राज्य के पूर्व मंत्री नवाब मलिक के दामाद को गिरफ्तार किया था। इसके बाद मलिक ने वानखेडे के खिलाफ लगातार अभियान चलाया था, जिससे यह मामला राजनीतिक रंग ले चुका है।

कोल्ड्रिफ सिरप को लेकर महाराष्ट्र में नहीं है खतरा

महाराष्ट्र में नहीं हुई इसकी सप्लाई: एफडीए आयुक्त

मुंबई। महाराष्ट्र अन्न व औषधि प्रशासन (एफडीए) ने स्पष्ट किया है कि राज्य में कोल्ड्रिफ सिरप की कोई सप्लाई नहीं हुई है। इसलिए, लोगों को इस दवा को लेकर चिंता करने की आवश्यकता नहीं है। एफडीए आयुक्त राजेश नार्वेकर ने सोमवार को बताया कि राज्य में इस सिरप का कोई भी बैच जब्त नहीं किया गया है। यह स्पष्टीकरण उस समय आया है जब मध्य प्रदेश और राजस्थान में बच्चों की मौत का संबंध इसी कफ सिरप से जोड़ा गया था। एहतियात के तौर पर एफडीए ने कोल्ड्रिफ सिरप की बैच संख्या SR-13 पर प्रतिबंध लगाया है।

जहरीला रसायन पाया गया

ड्रग कंट्रोलर डी.आर. गहाणे ने बताया कि मध्य प्रदेश की लैब रिपोर्ट में इस बैच में डाई एथिलीन ग्लाइकॉल (DEG) की अधिक मात्रा पाई गई है। यह रसायन अत्यंत जहरीला होता है और आमतौर पर एंटीफ्रीज व ब्रेक फ्लूइड में इस्तेमाल किया जाता है। इसके सेवन से किडनी फेल्योर और मौत तक हो सकती है।

'डॉक्टर की पर्ची के बिना न दें दवा'

रिटेल एंड डिस्पेंसिंग केमिस्ट एसोसिएशन के अध्यक्ष प्रसाद दानवे ने कहा कि सभी मेडिकल स्टोरों को निर्देश दिया गया है कि डॉक्टर की पर्ची के बिना कोई भी दवा न बेची जाए। केवल ओवर-द-काउंटर (OTC) दवाएं ही उपलब्ध कराई जा सकती हैं।

ऑनलाइन बिक्री पर निगरानी की मांग

दानवे ने यह भी कहा कि राज्य सरकार को ऑनलाइन दवाओं की बिक्री पर सख्त निगरानी रखनी चाहिए ताकि किसी प्रतिबंधित या संदिग्ध दवा की सप्लाई उपभोक्ताओं तक न पहुंचे।

बीएमसी चुनाव से पहले महायुति का 'जेन जेड' दांव

- महायुति की सत्ता में आने के बाद मुंबई मनपा प्रशासन में जेन जेड को इंटर्नशिप
- मुंबई भाजपा अध्यक्ष अमित साटम ने की घोषणा

मुंबई। मुंबई मनपा चुनाव के बाद महायुति की सत्ता में आने पर प्रशासन में युवाओं को इंटर्नशिप के अवसर देने की योजना बनाई गई है। मुंबई भाजपा अध्यक्ष अमित साटम ने बताया कि इस पहल का उद्देश्य युवाओं को सार्वजनिक नीति और प्रशासन की समझ देना है ताकि वे भविष्य में जिम्मेदार नागरिक बन सकें।

हर वार्ड में दो-दो युवाओं की नियुक्ति

मुंबई मनपा के 24 प्रशासनिक वार्डों में प्रत्येक दो-दो युवाओं को इंटर्नशिप का अवसर दिया जाएगा। इसके अलावा, मुंबई मनपा मुख्यालय में भी दो युवा इंटर्न के रूप में कार्य करेंगे। कुल मिलाकर 50 युवाओं को इस कार्यक्रम के तहत मौका मिलेगा। यह सभी युवा शहरी नियोजन, नीति निर्माण और प्रशासनिक सुधार की दिशा में काम करेंगे।

युवा देंगे मनपा सुधार के सुझाव

इंटर्नशिप के दौरान युवाओं को मनपा प्रशासन की व्यवस्था को नजदीक से देखने, अध्ययन करने और सुधार के सुझाव देने का अवसर मिलेगा। साथ ही, वे मुंबई मनपा प्रशासन को मजबूत करने के लिए एक अनुसंधान पत्र (रिसर्च पेपर) भी तैयार करेंगे। इस पहल से प्रशासन में युवाओं की भागीदारी और पारदर्शिता बढ़ने की उम्मीद है।

आईआईटी और वीजेटीआई के विशेषज्ञ बनाएंगे अध्ययन समूह

साटम ने बताया कि इस परियोजना के लिए आईआईटी और वीजेटीआई के विशेषज्ञों का एक अध्ययन समूह बनाया जाएगा, जो मुंबई मनपा के पूर्व आयुक्तों और वरिष्ठ अभियंताओं के मार्गदर्शन में काम करेगा। यह समूह विशेष रूप से बारिश, बाढ़ नियंत्रण, कचरा प्रबंधन और शहरी पर्यावरण से जुड़े मुद्दों पर प्रभावी योजनाएं तैयार करेगा।

दो ड्रग्स सप्लायर गिरफ्तार एमडी ड्रग्स बरामद

मुंबई। मुंबई पुलिस ने ट्राम्बे इलाके में छापेमारी करते हुए दो ड्रग्स सप्लायर को गिरफ्तार किया है। दोनों के पास से एमडी ड्रग्स बरामद हुआ। आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने दोनों को कोर्ट में पेश किया, जहां से उन्हें पुलिस हिरासत में भेज दिया गया। यह कार्रवाई मादक पदार्थों की सप्लाई पर रोक लगाने के अभियान का हिस्सा बताई जा रही है।

गुप्त सूचना पर बिछाया गया जाल

ट्राम्बे पुलिस को सूचना मिली थी कि इलाके में दो व्यक्ति एमडी ड्रग्स की सप्लाई करने वाले हैं। सूचना के आधार पर पुलिस ने जाल बिछाया और दो संदिग्धों को पकड़ा। तलाशी के दौरान उनके पास से एमडी ड्रग्स मिला। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान मोहम्मद फैज अली खान और जाहिद जहांगीर अली शेख के रूप में हुई है। दोनों ट्राम्बे के चिता कैंप इलाके के रहने वाले हैं।

रोहित पवार के खिलाफ कोर्ट पहुंचे कोकाटे

- रमी खेलते वीडियो जारी किया था

मुंबई। महाराष्ट्र की राजनीति में एक बार फिर माणिकराव कोकाटे और रोहित पवार आमने-सामने आ गए हैं। राकांपा (अजित पवार गुट) के नेता एवं खेल मंत्री माणिकराव कोकाटे ने सोमवार को नाशिक की अदालत में अपना बयान दर्ज कराया। यह बयान उन्होंने रोहित पवार के खिलाफ दर्ज किए गए मानहानि केस के सिलसिले में दिया।

सोशल मीडिया पर वायरल हुआ वीडियो बना विवाद का कारण

दरअसल, बीते विधानमंडल सत्र के दौरान रोहित पवार ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो साझा किया था, जिसमें माणिकराव कोकाटे विधान परिषद के अंदर रमी खेलते नजर आ रहे थे। इस वीडियो के सामने आने के बाद राजनीतिक हलकों में जोरदार हंगामा मच गया था। इस मामले में कोकाटे ने पहले रोहित पवार को मानहानि का नोटिस भेजा था, लेकिन कोई जवाब न मिलने पर उन्होंने अदालत का रुख किया।

मध्य रेल

पी पी आई ओ बैठक कक्ष का नवीनीकरण/पुनर्स्थापन

'पी पी आई ओ बैठक कक्ष का नवीनीकरण/पुनर्स्थापन, जिसका कुल क्षेत्रफल लगभग 250 वर्ग मीटर होगा'. उप मुख्य विद्युत अभियंता (ईएमयु) दूसरी मंजिल नवीन प्रशासकीय भवन, सवारी कारखाना, मध्य रेल्वे, माटुंगा, मुबंई – 19, 'पी पीआई ओ बैठक कक्ष का नवीनीकरण/पुनर्स्थापन, जिसका कुल क्षेत्रफल लगभग 250 वर्ग मीटर होगा', कार्य के लिए इ–निविदा आमंत्रित करते है। **अनुमानित लागत:** रू. 48,09,842.84/–, **ईएमडी:** रू. 96,200/–, **निविदा प्रपत्र शुल्क:** शुन्य, **समापन अवधी:** 06 माह, **निविदा जमा करने की समाप्ति दिनांक एवं समय:** 31.10.2025, 15:00 बजे। निविदा केवल इ – टेण्डरिंग फॉरमॅट मे वेवसाइट **www.ireps.gov.in**.के माध्यम से स्वीकार किए जाएंगे निविदा पुस्तिका वेबसाइट पर उपलब्ध हैं। **निविदा संख्या–ईएमयू/डब्ल्यू के एस/पी पी आई ओ/रिहैब–रेनोवेट/08/07–25.** 518

असुरक्षित तथा अनाधिकृत रूप से रेल लाइन के पास कार्य करना दंडनीय अपराध है

बृहन्मुंबई महानगरपालिका

सं. उप्र.प्र.अभि./यांवंवि/2064/पू.उप., दिनांक 06.10.2025

ई-निविदा सूचना

ई-निविदा संख्या	2025_एमसीजीएम_1221847_1
विषय	टी विभाग स्थित डीडीयू औषधालय में इन्वर्टर की आपूर्ति, स्थापना, परीक्षण और कमीशनिंग।
निविदा बिक्री	निविदा प्रारंभ तिथि 07.10.2025 समय प्रातः 11:00 बजे निविदा समाप्ति तिथि 14.10.2025 समयः सायं 4:00 बजे
वेबसाइट	www.mahatenders.gov.in
क) संपर्क अधिकारी का नाम	सुश्री स्मिता ए. तोडानकर
ख) मोबाइल नंबर	8291715782
ग) ईमेल पता	aees03.me@mcgm.gov.in

हस्ता/-
श्री रूपाली संकेत कदम)
कार्य अभि. (यांवंवि) पू.उप. 1

पीआरओ/1811/विज्ञा./2025-26

समय पर उपचार, बचाएं प्राण।

दादर में बेस्ट बस और टेम्पो ट्रैवलर की टक्कर

एक की मौत, चार घायल

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

दादर पश्चिम स्थित वीर कोतवाल उद्यान के पास बीती रात एक भीषण सड़क हादसे में बेस्ट बस और टेम्पो ट्रैवलर की टक्कर हो गई। इस दुर्घटना में एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि चार अन्य लोग घायल हुए हैं। हादसे के बाद सभी घायलों को सायन अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना की जांच शिवाजी पार्क पुलिस स्टेशन की टीम कर रही है।

बस को हुआ नुकसान, जांच जारी

टक्कर के कारण बेस्ट बस का अगला दाहिना टायर फट गया और विंडस्क्रीन पूरी तरह चकनाचूर हो गई। बस को आरटीओ निरीक्षण के लिए वडाला डिपो ले जाया गया है। पुलिस हादसे के सटीक कारणों की जांच कर रही है, जिसमें चालक की लापरवाही और वाहन की तकनीकी खराबी दोनों पहलुओं पर ध्यान दिया जा रहा है।

नियंत्रण खोने से हुआ हादसा

पुलिस के अनुसार, दादर टीटी से शिवाजी पार्क की ओर जा रहा एक 20-सीटर टेम्पो ट्रैवलर अचानक नियंत्रण खो बैठा और सामने से आ रही बेस्ट बस के दाहिने हिस्से से टकरा गया। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बस बाईं ओर फिसल गई और बस स्टॉप पर खड़े पैदल यात्रियों को अपनी चपेट में ले लिया। इस दुर्घटना में पांच लोग गंभीर रूप से घायल हुए। उन्हें तुरंत सायन अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने शहाबुद्दीन (37) को मृत घोषित कर दिया। वहीं, राहुल अशोक पडाले (30), रोहित अशोक पडाले (33), अक्षय अशोक पडाले (25) और विद्या राहुल मोटे (28) का इलाज जारी है।

झोपडपट्टी पुनर्वसन प्राधिकरण, बृहन्मुंबई

जा.क्र. SRA/CO/OW/४०२६६/सन २०२५
सहकार कक्ष, झो.पु.प्रा., मुंबई, दिनांक : ०३ .१०.२०२५

-: ऑनलाईन सोडत पध्दतीने सदनिका वाटपाची सुचना :-

उपरोक्त नमुदप्रमाणे संतोष नगर एसआरए सहकारी गृहनिर्माण संस्था मर्या., सीटीएस नं. २४२ / ए (पार्ट), २४४, २४६, २४६/१ ते १० आणि २४३ ऑफ व्हिलेज ओशिवरा, न्यु लिंक रोड, जोगेश्वरी (प), मुंबई-४००१०२ या संस्थेच्या पुनर्वसन योजनेतील इमारतीमधील एकुण १५ पुनर्वसन निवासी सदनिकांचे वितरण करणेकामी विकासक मे. युनिटी ग्रुप बिल्डर्स ॲन्ड डेव्हलपर्स यांचेकडून या कार्यालयात दि. २०.०५.२०२५ रोजीच्या पत्रान्वये सदनिका वाटपाचा प्रस्ताव प्राप्त झालेला आहे. सदर प्रस्तावामध्ये पुनर्वसन योजनेच्या इमारतीमधील एकुण १५ निवासी सदनिकांचे वाटप करणेकामी प्राधिकृत अधिकारी नियुक्तीची विनंती केलेली आहे. नुसार मा. सहाय्यक निबंधक, सहकारी संस्था (पुर्व व पश्चिम उपनगरे), मुंबई यांचेकडिल दिनांक ०३.१०.२०२५ रोजीचे पत्रान्वये माझी प्राधिकृत अधिकारी म्हणुन नियुक्ती करण्यात आलेली आहे.

त्यानुसार संस्थेच्या पुनर्वसन इमारतीमधील एकुण १५ निवासी सदनिकांचे सोडत पध्दतीने वितरण सोमवार, दिनांक १३.१०.२०२५ रोजी सकाळी ११.३० वाजता, स्थळः प्राधिकरणाच्या कार्यालयात ऑनलाईन पध्दतीने झूम ॲप (Zoom App) वर संगणीकृत प्रणालीव्दारे आयोजित केलेली आहे. सदर नोटिशीसोबत एकुण १५ निवासी पात्र झोपडीधारकांची यादी प्रसिध्द करण्यात येत आहे.

सदर प्रसिध्द केलेल्या यादीमध्ये काही आक्षेप / हरकत असल्यास या सुचनेच्या तारखेपासुन दिनांक ०९.१०.२०२५ पर्यंत कार्यालयीन वेळेत (सार्वजनिक सुट्टया वगळून) सहकार कक्ष, झोपडपट्टी पुनर्वसन प्राधिकरण, अनंत काणेकर मार्ग, बांद्रा (पुर्व), मुंबई-५१ यांचे कार्यालयाकडे उपस्थित राहुन पुराव्यासह अर्ज दाखल करावा.

-: सभेचा विषय :-

झोपडपट्टी पुनर्वसन प्राधिकरणाचे परिपत्रक क्र. १६२, दि. २३.१०.२०१५ नुसार ऑनलाईन झूम ॲप (Zoom App) वर सोडत पध्दतीने पात्र झोपडीधारकांना पुनर्वसन इमारतीमधील एकुण १५ निवासी सदनिकांचे वाटप करणे.

Meeting ID: 873 1629 2667
Passcode: 123456
ठिकाण : मुंबई
दिनांक : ०३.१०.२०२५

सही/-
(महेश नलावडे)
प्राधिकृत अधिकारी तथा
सहकारी अधिकारी, (श्रेणी-२), झोपुप्रा, मुंबई.

टिप : सोडतीवेळी पात्र (पती/पत्नी) झोपडीधारकांनीच ऑनलाईन लॉटरीमध्ये विहीत वेळेत व तारखेस सहभागी व्हावेत.

बृहन्मुंबई महानगरपालिका

स्वास्थ्य विभाग

के. बी. भाभा अस्पताल, आर. के. पाटकर मार्ग, बांद्रा (पश्चिम), मुंबई-400050
सं. एचओ/8632/केबीबी दिनांक 06.10.2025

ई-निविदा सूचना

बृहन्मुंबई महानगरपालिका (एमसीजीएम) के आयुक्त इस क्षेत्र में कार्यरत पात्र गैर सरकारी संगठनों से बोलियाँ/ई-निविदा आमंत्रित करते हैं। ई-निविदा विवरण निम्नानुसार हैं।

क्रमांक	मानदंड	विवरण
1.	ई-निविदा / बोली संख्या	2025_MCGM_1224953
2.	विभाग	परिधीय अस्पताल।
3.	ई-निविदा का विषय	के.बी. भाभा अस्पताल, बांद्रा (पश्चिम) के विभिन्न वार्डों/विभागों में उपयोग के लिए एंटी-माइक्रोबियल स्पाइरोसाइडल पर्दे उपलब्ध कराना और लगाना।
4.	संपर्क विवरण	चिकित्सा अधीक्षक दूरभाष: 022 26422775 एक्सटेंशन 4505 ईमेल: bhabha.bandra@yahoo.com
5.	वेबसाइट	www.mahaetender.gov.in

ई-निविदा महाएटेंडर पोर्टल से डाउनलोड की जा सकती है या हमें 022 26422775 एक्सटेंशन 4506 पर कॉल किया जा सकता है।

दिनांकः 06.10.2025
स्थानः मुंबई

हस्ता/-
उप चिकित्सा अधीक्षक
के.बी. भाभा अस्पताल, बांद्रा (पश्चिम)

पीआरओ/1819/विज्ञा./2025-26

समय पर उपचार, बचाएं प्राण।

संपादकीय

दहेज का अभिशाप

बेटियों की साक्षरता में निरंतर वृद्धि और कामकाजी क्षेत्र में उनकी बढ़ती भागीदारी के बावजूद यदि दहेज उत्पीड़न की घटनाओं में इजाफा हो रहा है, तो यह समाज के लिए निस्संदेह शर्मनाक स्थिति है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) की ताज़ा रिपोर्ट चौंकाने वाली है वर्ष 2023 के दौरान देश में दहेज उत्पीड़न के मामलों में 14 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई और दहेज के कारण 6,100 महिलाओं की मौत हुई। यह आंकड़ा न केवल भयावह है, बल्कि यह सोचने पर भी मजबूर करता है कि 21वीं सदी में भी हम सोलहवीं सदी की मानसिकता से क्यों नहीं उबर पा रहे हैं। लड़कियों के प्रति भेदभाव, भ्रूण हत्या और विवाह में आर्थिक लेन-देन की प्रवृत्ति इन सबके मूल में दहेज जैसी कुप्रथा गहराई से जमी हुई है। आज जब शिक्षा महंगी हो गई है और अभिभावक बेटियों की पढ़ाई पर भारी निवेश कर रहे हैं, तब भी यदि विवाह के समय उन्हें दहेज देना पड़े, तो यह समाज के लिए अत्यंत शर्मनाक है। यह सच है कि कभी-कभी पारिवारिक विवादों को दहेज प्रकरण का रूप दे दिया जाता है, जिससे कानून के दुरुपयोग की आशंका भी बढ़ती है, परंतु इससे यह सच्चाई नहीं बदलती कि दहेज उत्पीड़न आज भी हमारे समाज की कटु हकीकत है। एनसीआरबी के अनुसार, देश में हर दिन दहेज के कारण महिलाओं की मौतें दर्ज हो रही हैं। यह स्थिति बताती है कि बेटियों की शिक्षा और सशक्तीकरण के तमाम प्रयासों के बावजूद "दहेज का अभिशाप" समाज के सिर पर साया बनकर मंडरा रहा है। यह हमारी सामूहिक असफलता है कि आधुनिकता की दौड़ में भी हम पुरानी कुरीतियों से मुक्त नहीं हो पाए हैं। समाज में सोच और दृष्टिकोण बदलने की अत्यंत आवश्यकता है। एक समय नारा दिया गया था "दुल्हन ही दहेज है", अब उस नारे को सच्चाई में बदलने का समय आ गया है। दहेज प्रथा के पीछे पितृसत्तात्मक सोच भी एक प्रमुख कारण है, जो स्त्रियों को बराबरी का दर्जा देने से हिचकती है। सख्त कानून और अभियानों के बावजूद इस प्रथा का न मिट पाना हमारे समाज की जड़ मानसिकता का प्रमाण है। विडंबना यह है कि दहेज उत्पीड़न के अधिकतर मामले हिंदीभाषी राज्यों उत्तर प्रदेश और बिहार में सबसे ज्यादा दर्ज किए जा रहे हैं। ये आंकड़े बताते हैं कि शिक्षा और जागरूकता केवल कागज़ों तक सीमित रह गई है। उपभोक्तावादी सोच और दिखावे की संस्कृति ने भी इस प्रवृत्ति को बढ़ावा दिया है। समाज को आत्मचिंतन की आवश्यकता है। जब तक आधी आबादी को सम्मानजनक स्थान नहीं मिलेगा, तब तक राष्ट्र का विकास अधूरा रहेगा। दहेज प्रथा के विरुद्ध कानूनों के साथ-साथ सामाजिक नैतिकता और पारिवारिक संस्कारों में सुधार जरूरी है। सबसे बड़ी आवश्यकता है कि बेटियों को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाया जाए, ताकि वे किसी पर निर्भर हुए बिना गरिमा और आत्मसम्मान के साथ जीवन व्यतीत कर सकें। यही सच्चे अर्थों में "दहेज-मुक्त भारत" की दिशा में पहला कदम होगा।

श्राद्ध में ठहरा समाज, सत्ता में चलता व्यापार

प्रियंका सौरभ
रिसर्च स्कॉलर इन पोलिटिकल साइंस, कवयित्री, स्वतंत्र पत्रकार एवं स्तंभकार, उब्बा भवन, आर्यनगर, हिसार (हरियाणा)

सूतक जनता के लिए, छुट्टी नेताओं के लिए धर्म का डंडा आम पर, मंच पर नेताओं का हल्ला

श्राद्ध पक्ष समाज को रोक देता है—शादी मत करो, गृहप्रवेश मत करो, नया व्यापार मत शुरू करो। लेकिन सत्ता की गाड़ी बिना ब्रेक के दौड़ती रहती है। नेता मंच सजाते हैं, मालाएँ पहनते हैं, उद्घाटन करते हैं, रैलियाँ करते हैं। धर्म का बोझ आमजन पर डाल दिया गया है, जबकि ताक़तवर लोग उसे अपनी सुविधा के हिसाब से तोड़-मरोड़ लेते हैं। श्राद्ध का असली अर्थ था स्मरण और विनम्रता, पर राजनीति ने इसे दिखावे और स्वार्थ का तमाशा बना दिया। असली सवाल यही है—धर्म किसके लिए है? आमजन की आस्था के लिए या सत्ता की सुविधा के लिए? धर्म क्या है? यह सवाल जितना सरल लगता है, उतना ही पेचीदा है। पंडित बताएगा—धर्म वही है जो शास्त्रों में लिखा है। संत कहेगा—धर्म वही है जो मन को शुद्ध करे। नेता कहेगा—धर्म वही है जो वोट दिला दे। और आम आदमी कहेगा—धर्म वही है जो हमें रोकता है, डराता है और कभी-कभी चपत भी लगाता है। श्राद्ध पक्ष में यही धर्म सबसे ज़्यादा सक्रिय हो जाता है। पितरों का समय है, यानी वह अवधि जब पुरखे धरती पर आते हैं और हमसे अपेक्षा करते हैं कि हम उन्हें याद करें, तर्पण करें और दान-पुण्य करें। इस दौरान शादी-ब्याह, गृहप्रवेश, नया व्यापार या कोई नया शुभ काम करने की मनाही है। समाज मानता है कि यह 'अशुभ काल' है। यानी पूरा समाज 'रोक मोड' में चला जाता है।

लेकिन राजनीति का समाज कभी रुकता नहीं। वहाँ श्राद्ध पक्ष में भी रैलियाँ होती हैं, फूल-मालाओं का आदान-प्रदान होता है, उद्घाटन होते हैं, माइक गरजते हैं और नेता जनता के सिर पर आशीर्वाद बरसाते हैं। कोई कहे—श्राद्ध में तो सब ठहर जाता है, तो राजनीति ठहाके मारकर कहती है—हमारे लिए हर दिन शुभ है, क्योंकि सत्ता ही सबसे बड़ा धर्म है।

धर्म का असली मर्म है—सत्य, करुणा, न्याय और कर्तव्य। लेकिन आज यह रस्मों के बोझ तले दबकर रह गया है। राजनीति ने धर्म को अपनी चाकरी में लगा लिया है। धर्म कहता है—श्राद्ध में दिखावा मत करो, स्मरण करो। राजनीति कहती है—श्राद्ध में भी माइक बजाओ, मंच सजाओ, वोट जुटाओ। आम आदमी अपने पिता-दादा की आत्मा को तर्पण करने के लिए पानी में काले तिल डालता है। और नेता जनता की आत्मा को तर्पण करने के लिए मंच से झूठे वादे उछालता है। फर्क बस इतना है कि एक में चुप्पी है, दूसरे में शोर।

सूतक का नियम भी दिलचस्प है। किसी के घर मृत्यु हो जाए तो तेरह दिन तक 'अशुद्धि' मानी जाती है। इस दौरान परिवार सामाजिक आयोजनों से दूर रहता है। यही नियम आम आदमी पर लोहे की तरह लागू है। लेकिन जब सत्ता की गाड़ी दौड़ती है, तो सूतक के सारे नियम ब्रेक की तरह फेल हो जाते हैं। नेता सूतक में भी शपथ ले लेता है, चुनाव लड़ लेता है, मंच पर मालाएँ पहन लेता है। क्यों? क्योंकि जनता का सूतक कभी ख़त्म नहीं होता और नेताओं का सूतक कभी शुरू ही नहीं होता।

धर्म और परंपरा के नाम पर ग़रीब आदमी को रोका जाता है। बेटा, श्राद्ध पक्ष में शादी मत करना। गृहप्रवेश रोक लो, वरना अशुभ होगा। नया व्यापार मत खोलो, पितृ नाराज़ होंगे। पर उसी समय नेता उद्घाटन कर रहा होता है—चुनावी कार्यालय का, जनसभा पंडाल का, सड़क या पुल का। क्या पितर सिर्फ़ आम आदमी के घर ही आते हैं? क्या उन्हें राजनेताओं के मंच पर आने से डर लगता है? या फिर पितरों ने भी मान लिया है कि वहाँ जाने से कोई फ़ायदा नहीं, क्योंकि नेताओं का मन पहले से ही 'पापमोचन' मोड में है।

श्राद्ध का असली भाव था—पूर्वजों का स्मरण, मृत्यु का बोध और जीवन की नश्वरता को समझना। लेकिन इसे डर और दिखावे की परंपरा में बदल दिया गया। ब्राह्मण बुलाओ, दान करो, खाना खिलाओ, तभी पितर तृप्त होंगे। यानी धर्म एक सेवा से अधिक 'लेन-देन' बन गया। नेताओं ने इसे और आगे बढ़ाया—धर्म को सौदेबाज़ी बना दिया। एक वोट दो, बदले में धर्म रक्षा का ठेका हम लेंगे।

अगर सच कहा जाए तो असली श्राद्ध तो राजनीति कर रही है—सच का, नैतिकता का और जनसेवा का। जनता उम्मीद की माला पहनाती है, नेता उसे झूठ की माला लौटा देता है। जनता पसीने से पितरों को याद करती है, नेता पसीने से भी वोट की गिनती करता है। जनता श्राद्ध में शांति चाहती है, नेता श्राद्ध में भी शोर मचाता है। यह कैसी विडंबना है कि समाज अपने पुरखों के लिए श्राद्ध करता है, और नेता जनता के वर्तमान का ही श्राद्ध कर देता है। धर्म का बोझ हमेशा कमज़ोर कंधों पर क्यों डाला जाता है? ग़रीब को कहा जाता है कि अगर उसने श्राद्ध पक्ष में विवाह किया तो पितर नाराज़ हो जाएँगे। मध्यम वर्ग को कहा जाता है कि गृहप्रवेश टालो, वरना जीवनभर अशांति रहेगी। लेकिन अमीर और शक्तिशाली आराम से होटल का उद्घाटन करते हैं, क्रिकेट लीग शुरू करते हैं, और नेता वोटों का महोत्सव मनाते हैं। धर्म किसके लिए है? समाज को नियंत्रित करने के लिए या सत्ता को वैधता देने के लिए?

पितर अगर सच में धरती पर आते होंगे तो उन्हें सबसे ज़्यादा हंसी अपने वंशज नेताओं पर आती होगी। सोचिए, वे देख रहे होंगे कि उनके घर की संतान जनता से कह रही है—श्राद्ध में मत नाचो-गाओ,₹ और खुद मंच पर डीजे की धुन पर कूद रही है। शायद पितर भी सोचते होंगे—हमारे श्राद्ध की चिंता छोड़ो, पहले इस राजनीति के पाखंड का श्राद्ध करो। धर्म की असली ताक़त आत्मा को झकझोरने में थी, पर इसे रस्मों का कैदी बना दिया गया। श्राद्ध हमें मृत्यु का बोध कराता था, पर राजनीति ने इसे भी अवसर बना लिया। आज आम आदमी पितरों के लिए जल तर्पण करता है, और नेता जनता के भरोसे का तर्पण करता है। फर्क बस इतना है कि पहले वाला श्रद्धा से करता है, दूसरा सत्ता से। धर्म अगर सच में जीना है तो इसे पाखंड और दिखावे से मुक्त करना होगा। वरना हर साल पितृ पक्ष में तो पूर्वज आएँगे ही, लेकिन सत्ता पक्ष रोज़ ही हमारे वर्तमान का श्राद्ध करता रहेगा।

जीवन मंत्र

मनुष्य ही सब कुछ नहीं; प्रकृति का अपना स्वरूप भी है

प्रकृति न केवल जीवन का आधार है, बल्कि यह हमें जीवन के गहरे सबक भी सिखाती है; नदी की बहती धारा समय की निरंतरता का महत्व सिखाती है, वृक्षों की लंबी उम्र और स्थिरता धैर्य और अनुशासन का पाठ पढ़ाती है, पक्षियों और जानवरों की स्वतंत्रता सहजता और स्वतंत्र जीवन का महत्व समझाती है।

मनुष्य अक्सर यह मान बैठता है कि वह इस संसार का केंद्र है और सभी चीज़ें केवल उसकी सुविधा और उपयोग के लिए ही बनी हैं। यही सोच आधुनिक जीवन में तकनीकी प्रगति, शहरों के विस्तार और औद्योगिक गतिविधियों के माध्यम से और भी मजबूत हो गई है। हम नदियों को अपने खेतों और उद्योगों के लिए नियंत्रित करते हैं, जंगलों को काटकर आवास और व्यवसाय के लिए स्थान बनाते हैं, और हवा और जल का दोहन केवल अपनी आवश्यकताओं के अनुसार करते हैं। इस दृष्टिकोण में यह भूल जाते हैं कि प्रकृति का अपना अस्तित्व, नियम और महत्व है, जो मनुष्य से स्वतंत्र है। पेड़ अपने प्राकृतिक तरीके से बढ़ते हैं, नदियाँ अपने मार्ग में बहती हैं, पर्वत अपनी जगह अडिग रहते हैं, और जीव-जंतु अपनी दुनिया में स्वतंत्र जीवन व्यतीत करते हैं। यह सब मनुष्य की इच्छा और नियंत्रण से परे होता है, और यही दर्शाता है कि मानव जीवन अकेला नहीं है और उसका अधिकार प्रकृति पर असीमित नहीं है। जब मनुष्य केवल अपने हित में प्रकृति का दोहन करता है, तो इसका प्रत्यक्ष परिणाम संतुलन का बिगड़ना होता है। जलवायु

परिवर्तन, जंगलों की कटाई, जैव विविधता का नुकसान, प्रदूषण और प्राकृतिक आपदाएँ सभी इसी असंतुलन के द्योतक हैं। यदि हम प्रकृति को उसके वास्तविक स्वरूप और महत्व के साथ देखें, तो समझ सकते हैं कि यह केवल संसाधन नहीं, बल्कि जीवन का आधार है और इसके साथ सामंजस्य स्थापित करना ही मानव का वास्तविक कर्तव्य है। प्रकृति न केवल जीवन का आधार है, बल्कि यह हमें जीवन के गहरे सबक भी सिखाती है; नदी की बहती धारा समय की निरंतरता का महत्व सिखाती है, वृक्षों की लंबी उम्र और स्थिरता धैर्य और अनुशासन का पाठ पढ़ाती है, पक्षियों और जानवरों की स्वतंत्रता सहजता और स्वतंत्र जीवन का महत्व समझाती है। जब हम प्रकृति के साथ सामंजस्य में रहते हैं, इसे सम्मान देते हैं और केवल संसाधन के रूप में नहीं बल्कि जीवनदायिनी मानते हैं, तो हमारा मानसिक, सामाजिक और आत्मिक विकास होता है। यही कारण है कि यह कहा गया है कि "मनुष्य ही सब कुछ नहीं; प्रकृति का अपना स्वरूप भी है।" यह विचार हमें चेतावनी देता है कि मनुष्य को अपनी आवश्यकता और लालच के बजाय प्रकृति के प्रति जिम्मेदारी और संवेदनशीलता अपनानी होगी, तभी हम न केवल अपने जीवन को सुरक्षित रख सकते हैं, बल्कि पृथ्वी पर सभी प्राणियों के लिए स्थायी और संतुलित वातावरण भी सुनिश्चित कर सकते हैं।

शख्सियत | बलि राम भगत

सांसद, मंत्री और राष्ट्रसेवी

बलि राम भगत (7 अक्टूबर 1922 - 2 जनवरी 2011) एक भारतीय राजनीतिज्ञ और भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के सदस्य थे। उन्होंने 1952 से 1957 तक पटना-सह-शाहाबाद और 1957 से 1977 तक शाहाबाद (आरा) लोकसभा का प्रतिनिधित्व किया। भगत लोकसभा के छठे अध्यक्ष और भारत के 13वें विदेश मंत्री भी रहे।

बलि राम भगत का जन्म 7 अक्टूबर 1922 को बिहार के पटना में एक सम्पन्न यादव परिवार में हुआ। उनका परिवार मूल रूप से समस्तीपुर जिले के दशहरा गाँव का रहने वाला था। प्रारंभिक शिक्षा के बाद उन्होंने पटना कॉलेज से स्नातक की डिग्री प्राप्त की और पटना विश्वविद्यालय से अर्थशास्त्र में स्नातकोत्तर की उपाधि हासिल की। छात्र जीवन में ही भगत भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन से जुड़े। 1939 में वे भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस में शामिल हुए और भारत छोड़ो आंदोलन में सक्रिय भागीदारी निभाई। उनके इस प्रयास ने युवा भगत में राष्ट्रभक्ति और जनसेवा की भावना को और मजबूत किया।

स्वतंत्रता के बाद, बलि राम भगत ने राजनीतिक जीवन की दिशा ली। उन्होंने 1952 में पहली लोकसभा में पटना-सह-शाहाबाद से सांसद के रूप में अपने क्षेत्र का प्रतिनिधित्व किया। इसके बाद 1957 से 1977 तक वे शाहाबाद (आरा) से चार लगातार कार्यकाल के लिए सांसद चुने गए। इस दौरान वे जनता के बीच अपनी ईमानदारी और सेवा के लिए लोकप्रिय हुए। 1977 के आम चुनाव में उन्होंने चंद्रदेव प्रसाद वर्मा से अपनी सीट खो दी, जब कांग्रेस ने पहली बार केंद्र की सत्ता गंवाई। इसके बावजूद उन्होंने हार मानने के बजाय 1980 में सीतामढ़ी और 1984 में आरा से सांसद के रूप में पुनः जीत हासिल कर अपनी राजनीतिक सक्रियता जारी रखी।

1963 से 1967 के बीच भगत ने योजना और वित्त राज्य मंत्री के रूप में कार्य किया, जहाँ उन्होंने देश की आर्थिक नीतियों और विकास योजनाओं को संभाला। 1967 में थोड़े समय के लिए वे रक्षा मंत्रालय में मंत्री रहे, उसके बाद विदेश राज्य मंत्री बने। 1969 में उन्हें कैबिनेट में शामिल कर विदेश व्यापार और आपूर्ति मंत्री बनाया गया। इसके अलावा उन्होंने आठ महीने तक इस्पात और भारी इंजीनियरिंग मंत्रालय का कार्यभार संभाला। उनके कार्यकाल में उद्योग और व्यापार के क्षेत्र में कई महत्वपूर्ण सुधार और नीतियाँ लागू की गईं, जिसने देश की आर्थिक प्रगति में योगदान दिया।

1976 से 1977 तक भगत ने लोकसभा के अध्यक्ष के रूप में कार्य किया, जो इंदिरा गांधी के पहले कार्यकाल के अंतिम अशांत वर्षों में एक चुनौतीपूर्ण समय था। संसद की कार्यवाही को सुचारू और निष्पक्ष बनाए रखना उनके लिए एक महत्वपूर्ण जिम्मेदारी थी, जिसे उन्होंने बड़ी सफलता के साथ निभाया। इसके बाद 1985 से 1986 तक वे राजीव गांधी के नेतृत्व में भारत के विदेश मंत्री रहे, जहाँ उन्होंने भारत के कूटनीतिक संबंधों को मजबूत किया और अंतरराष्ट्रीय मंच पर देश की प्रतिष्ठा बढ़ाई।

राजनीतिक जीवन के बाद, भगत ने राज्यपाल के रूप में भी अपनी सेवा जारी रखी। 1993 में कुछ समय के लिए वे हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल रहे और उसी वर्ष से 1998 तक राजस्थान के राज्यपाल के रूप में कार्य किया। उनके प्रशासन में न्याय और पारदर्शिता पर विशेष ध्यान दिया गया। 2 जनवरी 2011 को नई दिल्ली में बलि राम भगत का निधन हुआ। उन्हें एक समर्पित राष्ट्रसेवी, कुशल राजनीतिज्ञ और जनसेवा के प्रति निष्ठावान व्यक्ति के रूप में हमेशा याद किया जाएगा।

जीवन ऊर्जा

अरुण भादुड़ी : जन्म - 4 अक्टूबर 1931 | जन्म

संगीत आत्मा को ईश्वर से जोड़ने का माध्यम है

अरुण भादुड़ी (7 अक्टूबर 1943 - 17 दिसंबर 2018) भारतीय शास्त्रीय संगीत के गायक थे। भादुड़ी ने सबसे पहले ए. दाउद खान और सगीरुद्दीन खान से तालीम ली। बाद में वे आईटीसी संगीत अनुसंधान अकादमी में एक विद्वान के रूप में शामिल हुए और रामपुर-सहसवान घराने के इश्तियाक हुसैन खान और ज्ञान प्रकाश घोष से प्रशिक्षण प्राप्त किया। प्रारंभिक जीवन में उनके संगीत साथी तबला वादक नित्य गोपाल साहा, गायक अमलेंदु लाहिड़ी, संगीतकार रामप्रसाद मैत्रा आदि थे। भादुड़ी को 2014 में बंग विभूषण सम्मान मिला।

इसमें यह भाव निहित है कि संगीत मात्र मनोरंजन नहीं, बल्कि आत्मिक साधना का माध्यम है। जब कोई कलाकार संगीत में डूब जाता है, तो वह बाहरी संसार से परे एक ऐसी अनुभूति तक पहुँचता है जहाँ शब्द, विचार और भेद मिट जाते हैं। उस क्षण संगीत साधक और उसका ईश्वर, दोनों एक ही भाव में विलीन हो जाते हैं। यही कारण है कि भारतीय परंपरा में संगीत को 'नाद-ब्रह्म' कहा गया है अर्थात् नाद ही ब्रह्म है, जो सृष्टि के आरंभ से विद्यमान है। संगीत की साधना मनुष्य को भीतर से शुद्ध करती है। जब कोई राग, सुर या ताल आत्मा से निकलता है, तो वह मन के विकारों को दूर कर देता है। यह साधना केवल अभ्यास

नहीं, बल्कि आत्मसंयम, धैर्य और भक्ति का रूप है। एक सच्चा संगीतकार अपने सुरों के माध्यम से केवल ध्वनि नहीं, बल्कि भाव, संवेदना और अनुभूति व्यक्त करता है। यही अनुभूति धीरे-धीरे ईश्वर की अनुभूति में परिवर्तित हो जाती है। इसीलिए कहा गया है कि संगीत वह सेतु है जो मनुष्य को ईश्वर से जोड़ता है। संगीत के माध्यम से मनुष्य अपने भीतर की बेचैनी, दुख और अशांति को शांति में बदल सकता है। जब कोई व्यक्ति राग का अभ्यास करता है, तो वह केवल स्वर नहीं सीखता — वह अपने भीतर के अंधकार को मिटाने का प्रयास करता है। संगीत की लहरियाँ हृदय को इस प्रकार स्पर्श करती हैं कि व्यक्ति क्षणभर के लिए सांसारिक बंधनों से मुक्त हो जाता है। यह मुक्ति ही भक्ति का वास्तविक रूप है। संगीत साधना में यही मुक्ति, यही शांति और यही ईश्वर का साक्षात्कार निहित है।

हर युग में संगीतकारों ने यह अनुभव किया है कि जब सुर सच्चे भाव से निकले हों, तो वे स्वयं में एक पूजा बन जाते हैं।

सर्वसिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ बिजाना शाजापुर मध्य प्रदेश

सुदामा और कृष्णः सच्ची मित्रता का प्रतीक

यह कथा श्रीकृष्ण और सुदामा की सच्ची मित्रता का सबसे सुंदर उदाहरण है। सुदामा एक निर्धन ब्राह्मण थे, जिनके कपड़े फटे हुए थे, पैर में जूते नहीं थे और शरीर दुर्बल हो चुका था। वे अपने मित्र कृष्ण से मिलने द्वारका पहुँचे। कृष्ण, जो उस समय द्वारका के राजा थे, जब उन्हें अपने मित्र सुदामा के आगमन का समाचार मिला, तो वे भावनाओं से भर उठे। वे नंगे पाँव दौड़कर द्वार पर पहुँचे और अपने बचपन के मित्र को गले लगा लिया। उन्होंने सुदामा को अपने महल में सम्मानपूर्वक बैठाया, उनके पाँव धोए, और उनकी दशा देखकर स्वयं रो पड़े। यह देखकर रुक्मिणी और अन्य रानियाँ आश्चर्यचकित रह गईं कि जो भगवान श्रीकृष्ण कभी किसी राजा या सम्राट के आने पर भी प्रभावित नहीं होते, वे अपने गरीब ब्राह्मण मित्र के सामने इतने विनम्र और भावुक क्यों हो गए।

पंडित कैलाशचंद्र शर्मा
वैदिक सनातन संस्कृति के प्रचारक व सर्व सिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ के संस्थापक।
मो। नं। 9425980556

रुक्मिणी ने कृष्ण से जिज्ञासावश पूछा कि ऐसा क्या विशेष संबंध है, जिसने आपको इतना भावुक कर दिया। तब श्रीकृष्ण मुस्कुराते हुए बोले, "रुक्मिणी, सुदामा केवल मेरा मित्र नहीं, वह त्याग और प्रेम का प्रतिरूप है।" उन्होंने बताया कि बचपन में गुरुकुल में एक बार गुरु माता ने उन्हें कुछ चने खाने के लिए दिए थे, जिन्हें सुदामा ने बाँटे बिना स्वयं खा लिए थे। रुक्मिणी यह सुनकर चकित हुईं, परंतु कृष्ण ने कहा — "सुदामा ने वे चने इसलिए अकेले खाए क्योंकि उन्हें पता था कि वे चोरी के थे और एक ब्राह्मणी ने उन्हें श्राप दिया था कि जो भी उन्हें खाएगा, वह जीवनभर गरीब रहेगा। सुदामा ने

वह श्राप स्वयं पर ले लिया ताकि मैं दरिद्र न बन जाऊँ। उसने अपने मित्र के सुख के लिए अपनी समृद्धि का त्याग किया।"

कृष्ण ने आगे कहा कि सुदामा जैसे मित्र दुर्लभ होते हैं, जो अपने मित्र के सुख के लिए स्वयं कष्ट झेलते हैं। उन्होंने कहा — "सुदामा होना सरल नहीं है। दरिद्रता में भी जो व्यक्ति संतोष बनाए रखे, वही सच्चा धनवान है।" यह बात केवल सुदामा पर ही नहीं, बल्कि उन सभी पर लागू होती है जो जीवन में कठिनाइयों के बावजूद दूसरों की भलाई की सोच रखते हैं। सुदामा की गरीबी उनके आत्मबल को कभी कम नहीं कर सकी, क्योंकि उनके पास प्रेम, श्रद्धा और संतोष का असीम खजाना था। कृष्ण की आँखों में सुदामा के प्रति प्रेम और सम्मान झलक रहा था। उन्होंने महसूस किया कि सुदामा ने केवल उनका नहीं, बल्कि पूरी सृष्टि का भला करने के लिए अपने जीवन में दरिद्रता स्वीकार की थी। वे बोले — "जो व्यक्ति दूसरों की भलाई के लिए अपने सुख का त्याग करता है, वही सच्चा मित्र और सच्चा भक्त है।" रुक्मिणी सहित सभी रानियाँ यह सुनकर भावुक हो उठीं। उधर बाहर खड़े सुदामा के नेत्रों से आँसू बह रहे थे — वे आँसू प्रेम, कृतज्ञता और संतोष के प्रतीक थे।

यह कथा हमें सिखाती है कि सच्ची मित्रता में न धन का महत्व है, न पद का, बल्कि भावनाओं का महत्व है। सुदामा और कृष्ण की मित्रता दिखाती है कि सच्चा मित्र वही है जो आपके सुख-दुख में साथ खड़ा रहे, बिना किसी स्वार्थ के। यह कहानी केवल धार्मिक दृष्टि से ही नहीं, बल्कि मानवीय दृष्टिकोण से भी अमूल्य है। यह बताती है कि जब हृदय में सच्चाई और प्रेम हो, तो दरिद्रता भी गौरव बन जाती है, और ईश्वर स्वयं ऐसे व्यक्ति के चरणों में झुक जाते हैं।

अपने विचार

चुनाव प्रक्रिया से पहले बिहार में एसआईआर हुआ। इसके तहत फेक वोटर्स को हटाया गया। इसी तरह से महाराष्ट्र में भी वोटर लिस्ट की सफाई होनी चाहिए। यहां पर बड़ी संख्या में नकली वोटर्स और घुसपैठिए शामिल हैं।

-**संजय निरुपम**, नेता, शिवसेना(यूबीटी)

छगन भुजबल के जाल में मत फंसो। अगर आप उनका समर्थन करके मराठा समुदाय का विरोध करते हैं, तो यह आपके राजनीतिक पतन और आपके करियर को खत्म कर देगा।

-**मनोज जरांगे पाटिल**, नेता, मराठा आरक्षण

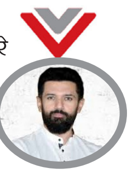

हमारे ग्रहों में ही कुछ ऐसा है कि हमारे सारे चाचा नाराज हो जाते हैं। हम अपने में सुधार करेंगे कि हमारे चाचा नाराज न हों।

-**चिराग पासवान**, मुखिया,लोजपा (रामविलास पासवान)

बिहार चुनाव में ऐक्टिव मोड में आ चुके हैं। भाजपा इसलिए जीतती है कि तेजस्वी का वोटर मोदी की गोद में बैठकर चाय पी रहा है। ये अपने वोटर को समझा नहीं पाते और ओवैसी पर आरोप लगाते हैं। यदि आप इसी तरह गुरूर में रहेंगे तो बिहार को नुकसान होगा।

-**असदुद्दीन ओवैसी**, अध्यक्ष,**AIMIM**

अपने विचार
डीबीडी कार्यालय
ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के.के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई- 400001
indiagroundreport@gmail.com
भेज सकते हैं।

यह अखबार "माध्यम कार्पोरेट सर्विसेज लि. " के लिए प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक अरुण लाल द्वारा ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के. के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई- 400001 से प्रकाशित एवं सोमानी प्रिंटिग प्रेस, गाला नं. 4, एन.के.इंडस्ट्रियल इस्टेट, इनसाइड प्रवासी इंडिस्ट्रियल इस्टेट गेट नं. 2, गोरेगांव पू., मुंबई-63 से मुद्रित. फोन नं. 022-66555719 ईमेल : **indiagroundreport@gmail.com** **कार्यकारी संपादक :** अमित बृज (पी.आर.बी. अधिनियम के अंतर्गत खबरों के चयन के लिए ज्मिदार).

ब्रीफ न्यूज़

12 अक्टूबर को पल्स पोलियो टीकाकरण अभियान

ठाणे। सरकारी दिशा-निर्देशों के अनुसार, ठाणे महानगरपालिका के जन स्वास्थ्य विभाग द्वारा 12 अक्टूबर 2025 को उप-राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान आयोजित किया जाएगा। इस अभियान के तहत 0 से 5 वर्ष की आयु के सभी बच्चों को पोलियो की खुराक दी जाएगी। साथ ही नियमित एएफपी सर्वेक्षण और जनजागरूकता कार्यक्रम भी चलाए जाएंगे। राज्य में वर्ष 1995 से यह अभियान हर साल चलाया जा रहा है। ठाणे मनपा के सभी स्वास्थ्य केंद्रों में पोलियो टीके निःशुल्क उपलब्ध कराए गए हैं। मनपा प्रशासन ने अभिभावकों से अपील की है कि वे अपने 0 से 5 वर्ष तक के सभी बच्चों को पोलियो की खुराक अवश्य दिलवाएँ ताकि उन्हें इस बीमारी से पूर्ण सुरक्षा मिल सके।

आत्मनिर्भर भारत संकल्प अभियान कार्यशाला उत्साहपूर्वक संपन्न

वसई। सिंधुदुर्ग जिला भारतीय जनता पार्टी कार्यालय, वसंत स्मृति, ओरोस में आत्मनिर्भर भारत संकल्प अभियान कार्यशाला बड़े उत्साह और भारी उपस्थिति के साथ सफलतापूर्वक आयोजित की गई। कार्यशाला का उद्देश्य हर घर में स्वदेशी विचारधारा को स्थापित करना, स्थानीय उद्यमियों और उद्योगों को प्रोत्साहित करना तथा युवाओं को आत्मनिर्भरता की दिशा में प्रेरित करना रहा। महाराष्ट्र क्षेत्र के सह-संयोजक ने अपने संबोधन में कहा कि "आत्मनिर्भर भारत केवल एक विचार नहीं, बल्कि भारत के आत्मविश्वास की प्रतीक भावना है।" इस अवसर पर ठाणे कोंकण संभाग संयोजक अभिजीत पेडणेकर, भाजपा जिला अध्यक्ष प्रभाकर सावंत, जिला संयोजक प्रमोद रावराणे, जिला सह-संयोजक संध्या तेरसे, युवा मोर्चा प्रदेश उपाध्यक्ष लखमाराजे भोसले, महिला मोर्चा पदाधिकारी प्रज्ञा धवन, श्वेता कोरगांवकर, जिला महामंत्री महेश सारंग, संदीप साटम, शारदा कांबले और युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष संदीप मेस्त्री सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यशाला में आत्मनिर्भर भारत अभियान से संबंधित विभिन्न विषयों पर चर्चा करते हुए स्थानीय उद्यमियों, महिला स्वयं सहायता समूहों और युवाओं के मार्गदर्शन के माध्यम से "हर घर स्वदेशी, घर घर स्वदेशी" के संदेश को सशक्त बनाया गया।

चलाया गया स्वस्थ महिलाएँ, सशक्त परिवार अभियान

वसई। महिलाओं का स्वास्थ्य और सशक्तिकरण किसी भी विकसित राष्ट्र की आधारशिला होता है। इसी उद्देश्य को साकार करने के लिए स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा 17 सितंबर से 2 अक्टूबर 2025 तक राष्ट्रीय स्तर पर "स्वस्थ महिलाएँ, सशक्त परिवार" अभियान चलाया गया। वसई-विरार नगर निगम ने भी इस अभियान में सक्रिय भागीदारी निभाई। नगर निगम क्षेत्र के 7 अस्पतालों, 2 मातृ एवं शिशु देखभाल केंद्रों, 21 शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों, 34 आयुष्मान आरोग्य मंदिरों और 15 हिंदू हृदय सम्राट बालासाहेब ठाकरे अपना औषधालयों में प्रतिदिन स्वास्थ्य शिविर आयोजित किए गए। मुख्य चिकित्सा स्वास्थ्य अधिकारी और आरसीएच अधिकारी के मार्गदर्शन में चलाए गए इस अभियान का उद्देश्य महिलाओं और बच्चों के स्वास्थ्य की जाँच, विशेषज्ञ परामर्श और जनजागरूकता फैलाना था। इस दौरान विभिन्न स्वास्थ्य सेवाएँ, जाँच शिविर और जागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से नारी स्वास्थ्य को सशक्त बनाने का संकल्प दोहराया गया।

सोलापुर मंडल में चला स्वच्छता अभियान

सोलापुर, कलबुरगि, वाडी, कुर्डुवाडी, लातूर, पंढरपुर और अन्य स्टेशनों पर स्वच्छता अभियान

डीबीडी संवाददाता | सोलापुर

स्वच्छता पखवाड़ा 2025 के दौरान मध्य रेल के सोलापुर मंडल ने 3 और 4 अक्टूबर को ₹स्वच्छ स्टेशन₹ थीम के अंतर्गत बड़े पैमाने पर सफाई और जागरूकता अभियान चलाया। इस पहल का उद्देश्य स्टेशनों की साफ-सफाई बनाए रखना और यात्रियों में स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाना था।

प्रमुख स्टेशनों पर चला गहन सफाई अभियान

3 अक्टूबर को सोलापुर, कलबुरगी, वाडी, कुर्डुवाडी, लातूर और पंढरपुर सहित कई प्रमुख स्टेशनों पर सफाई अभियान चलाया गया। प्लेटफॉर्म, शौचालय, जल निकासी व्यवस्था और उपकरणों की जांच के साथ-साथ सफाई कर्मचारियों को आवश्यक सुरक्षा उपकरण भी उपलब्ध कराए गए। गीले और सूखे कचरे को अलग-अलग करने के लिए ड्यूल बिन लगाए गए।

पर्यावरण संरक्षण और स्थायित्व पर जोर

पर्यावरण जागरूकता के लिए घोषणाएँ की गईं, जिनमें एकल-उपयोग प्लास्टिक के प्रयोग को हतोत्साहित किया गया। विद्युत विभाग ने विभिन्न स्टेशनों पर लगे रूफटॉप सोलर पैनलों का निरीक्षण कर उनकी कार्यक्षमता सुनिश्चित की। सोलापुर मंडल ने इन प्रयासों के माध्यम से स्वच्छ, हरित और यात्री-अनुकूल स्टेशन बनाए रखने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

अन्य स्टेशनों पर स्वच्छता और निरीक्षण कार्य

4 अक्टूबर को अरग, केम, सांगोला, ताज सुल्तानपुर और अन्य छोटे स्टेशनों पर सफाई कार्य हुआ। प्लेटफॉर्म, कार्यालयों, पटरियों और आसपास के क्षेत्रों की गहन सफाई की गई। साथ ही सी एंड डब्ल्यू विभाग ने वाटर हाइड्रेंट पाइपों की जाँच और रखरखाव सुनिश्चित किया। यात्रियों से सफाई बनाए रखने की अपील भी की गई।

भुसावल मंडल को सितम्बर में 130.83 करोड़ का राजस्व प्राप्त

राजस्व में 11% की वृद्धि

डीबीडी संवाददाता | भुसावल

भुसावल मंडल ने वित्तीय वर्ष 2025-26 के सितम्बर माह में उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। इस दौरान मंडल ने विभिन्न स्रोतों से कुल 130.83 करोड़ का राजस्व अर्जित किया, जो पिछले वर्ष सितम्बर 2024 की तुलना में 11% अधिक है। यह उपलब्धि मंडल के अधिकारियों और कर्मचारियों की मेहनत एवं टीम भावना का परिणाम है।

विभिन्न स्रोतों से आय का विवरण

सितम्बर 2025 में यात्री राजस्व 74.41 करोड़, अन्य कोचिंग राजस्व 6.11 करोड़, मालभाड़ा राजस्व 48.42 करोड़ (जो निर्धारित लक्ष्य से 17% अधिक) और विविध आय 1.89 करोड़ रही। टिकट जांच अभियानों के दौरान 64,340 बिना टिकट यात्रियों से 4.86 करोड़ का जुर्माना वसूला गया।

यात्रियों की सुविधाओं के लिए नए कदम

शेगांव, मनमाड और खंडवा स्टेशनों पर 5 वर्ष की अवधि के लिए आपातकालीन चिकित्सा कक्ष स्थापित करने हेतु अनुबंध प्रदान किया गया। वहीं मनमाड स्टेशन पर वरिष्ठ नागरिकों और दिव्यांग यात्रियों के लिए बैटरी ऑपरेटेड कार सेवा शुरू की गई। साथ ही पारस, अकोला और नागझिरी स्टेशनों पर दिव्यांगजनों के लिए कम ऊंचाई वाले पेयजल बूथ भी लगाए गए। रेलवे प्रशासन यात्रियों से वैध टिकट के उपयोग और UTS मोबाइल ऐप से टिकट बुकिंग को प्रोत्साहित करने की अपील करता है।

सितम्बर माह की प्रमुख उपलब्धियाँ

भुसावल मंडल ने पहली बार खेरवाड़ी स्टेशन से एनएमजी ऑटोमोबाइल रेक की लदान कर एक ऐतिहासिक उपलब्धि दर्ज की। इसके अलावा, इस माह में 15 प्याज रेक की लोडिंग से 5.94 करोड़ का राजस्व प्राप्त हुआ, जो पिछले वर्ष की तुलना में 100% अधिक है। मंडल के सभी टिकट चेकिंग लॉबी में बायोमेट्रिक डिवाइस लगाई गईं और ई-प्रमाण प्रणाली में स्टाफ का मानचित्रण पूरा हुआ।

वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी स्टेशन पर अपग्रेडेशन

पश्चिम रेलवे की कुछ ट्रेनें प्रभावित

मुंबई। उत्तर मध्य रेलवे के झांसी मंडल के वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी स्टेशन पर 25 नवंबर, 2025 से 8 जनवरी, 2026 तक चल रहे अपग्रेडेशन कार्य के मद्देनजर पश्चिम रेलवे की कुछ ट्रेनें प्रभावित होंगी। पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी विनीत अभिषेक द्वारा ने इसकी जानकारी दी।

निरस्त होने वाली ट्रेनें

रेलवे प्रशासन ने आगामी यात्रा अवधि के दौरान कुछ ट्रेनों को अस्थायी रूप से निरस्त करने का निर्णय लिया है। 30 नवंबर, 2025 से 4 जनवरी, 2026 तक बांद्रा टर्मिनस-बढ़नी स्पेशल (09043) और 1 दिसंबर, 2025 से 5 जनवरी, 2026 तक बढ़नी-बांद्रा टर्मिनस स्पेशल (09044) ट्रेनें निरस्त रहेंगी। इसके अलावा, 30 नवंबर, 2025 से 4 जनवरी, 2026 तक उधना-रक्सौल स्पेशल (05560) तथा 29 नवंबर, 2025 से 3 जनवरी, 2026 तक रक्सौल-उधना स्पेशल (05559) की सेवाएं भी बंद रहेंगी। यात्रियों को सलाह दी गई है कि वे अपनी यात्रा की योजना बनाते समय इन परिवर्तनों का ध्यान रखें।

परिवर्तित मार्ग से चलने वाली ट्रेनें

कई ट्रेनों का संचालन निर्धारित अवधि के दौरान परिवर्तित मार्गों से किया जाएगा। मुंबई सेंट्रल-कटिहार स्पेशल (09189) और कटिहार-मुंबई सेंट्रल स्पेशल (09190) को प्रयागराज छिवकी, मानिकपुर, कटनी मुरवारा, बीना मार्ग से चलाया जाएगा। इसी प्रकार, उधना-सूबेदारगंज स्पेशल (04156) और सूबेदारगंज-उधना स्पेशल (04155) क्रमशः इटारसी, सतना, मानिकपुर, प्रयागराज मार्ग से संचालित होंगी। अहमदाबाद-दरभंगा स्पेशल (09465) व दरभंगा-अहमदाबाद स्पेशल (09466) अब गुना, ग्वालियर, इटावा, कानपुर सेंट्रल मार्ग से गुजरेंगी। इसके अलावा, बरेली-इंदौर एक्सप्रेस (14320) को भी ग्वालियर-गुना-बीना के रास्ते से चलाया जाएगा।

स्वच्छता पखवाड़ा 2025

स्वच्छ स्टेशन और स्वच्छ रेलगाड़ी पर फोकस

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

पश्चिम रेलवे 1 से 15 अक्टूबर, 2025 तक अपने सभी स्टेशनों, कार्यालयों, कारखानों और ट्रेनों में स्वच्छता, सफाई और पर्यावरण जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए स्वच्छता पखवाड़ा 2025 मना रही है। अभियान के तीसरे, चौथे और पाँचवें दिन विशेष रूप से स्वच्छ स्टेशन और स्वच्छ रेलगाड़ी थीम पर ध्यान केंद्रित किया गया।

80 से अधिक स्टेशनों पर चला व्यापक सफाई अभियान

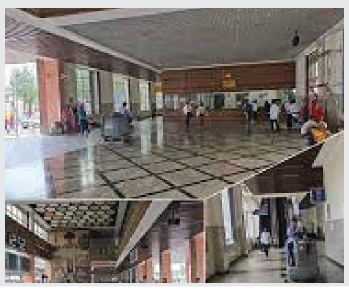

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी विनीत अभिषेक के अनुसार, इस अभियान के तहत 80 से अधिक प्रमुख स्टेशनों पर प्लेटफॉर्म, परिसंचरण क्षेत्र और यात्री सुविधाओं की गहन सफाई की गई। 31 स्टेशनों पर सफाई मशीनों, औजारों और सुरक्षा उपकरणों की स्थिति की जाँच की गई, जबकि 123 स्टेशनों पर कूड़ेदानों और उनके रखरखाव की समीक्षा की गई। 37 स्टेशनों पर नालियों, शौचालयों, पैदल पुलों और प्रतीक्षालयों की विशेष सफाई की गई।

प्लास्टिक मुक्त अभियान और जागरूकता पहल

4 अक्टूबर को आयोजित अभियान के दौरान प्लास्टिक के उपयोग को हतोत्साहित करने के लिए जागरूकता अभियान चलाया गया। पर्यावरण-अनुकूल निपटान को बढ़ावा देने के लिए कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (CSR) निधि से आठ प्लास्टिक बोतल क्रशिंग मशीनें (PBCM) लगाई गईं। सौर ऊर्जा उपकरणों की जाँच की गई और बायोडिग्रेडेबल तथा नॉन-बायोडिग्रेडेबल कचरे के लिए अलग-अलग डस्टबिन लगाए गए।

स्टेशनों की स्वच्छता और दुर्गंध नियंत्रण पर ध्यान

स्टेशनों पर नालियों और शौचालयों की सफाई कर दुर्गंध रोकने के उपाय किए गए। हाइड्रेंट पाइपों और जल स्रोतों की भी जाँच की गई ताकि स्वच्छता अभियानों को तकनीकी रूप से बेहतर बनाया जा सके।

स्वच्छ रेलगाड़ी अभियान में गहन सफाई

5 अक्टूबर को स्वच्छ रेलगाड़ी दिवस मनाया गया। ट्रेन वाशिंग लाइनों पर गहन सफाई अभियान चलाए गए, जिनमें शौचालयों, गैंगवे और वेस्टिब्यूल क्षेत्रों पर विशेष ध्यान दिया गया। 27 ट्रेनों की पूरी तरह सफाई की गई और लगभग 20 महत्वपूर्ण ट्रेनों का निरीक्षण अधिकारियों द्वारा किया गया। अभियान के दौरान यात्रियों को बायो-टॉयलेट्स के सही उपयोग, फ्लशिंग सिस्टम के रखरखाव और ट्रेनों व स्टेशनों पर कचरा न फैलाने के बारे में जागरूक किया गया। पोस्टर, घोषणाएँ और प्रत्यक्ष संवाद के माध्यम से संदेश फैलाया गया।

महात्मा गांधी जयंती पर मनाया गया स्वच्छता दिवस

युवाओं ने फ्लैश मॉब से दिया स्वच्छता का संदेश

डीबीडी संवाददाता | ठाणे

महात्मा गांधी जयंती के अवसर पर 2 अक्टूबर को ठाणे मनपा की ओर से 'स्वच्छता दिवस' मनाया गया। इसके साथ ही, 1 से 8 अक्टूबर तक मनाए जा रहे वन्यजीव सप्ताह के उपलक्ष्य में शहरभर में अनेक जनजागरूकता गतिविधियाँ आयोजित की गईं। 'आओ मिलकर स्वच्छ एवं जीवंत पर्यावरण के लिए पहल करें' इस नारे के तहत युवाओं ने कोरम मॉल और लेकशोर मॉल में एक आकर्षक फ्लैश मॉब प्रस्तुत किया। इस कार्यक्रम के माध्यम से नागरिकों को स्वच्छता के महत्व के प्रति प्रेरित किया गया।

धार्मिक स्थलों पर चला स्वच्छता अभियान

शहर के विभिन्न धार्मिक स्थलों पर सफाई अभियान आयोजित किया गया, जिसमें स्कूली छात्रों ने भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। छात्रों ने नागरिकों को संदेश दिया कि कचरा सड़कों या सार्वजनिक स्थानों पर नहीं फेंकना चाहिए।

पर्यावरण-अनुकूल रंगोली से दिया हरित संदेश

अभियान के दौरान फूलों की पंखुड़ियों, लकड़ी के टुकड़ों और जैविक रंगों से सुंदर रंगोली बनाई गई। इसका उद्देश्य नागरिकों को रासायनिक रंगों से दूर रहते हुए पर्यावरण-अनुकूल रंगोली बनाने के लिए प्रेरित करना था। इन कार्यक्रमों के माध्यम से लोगों को प्लास्टिक का उपयोग कम करने और स्वच्छ, हरित त्योहार मनाने का संदेश दिया गया। इन सभी पहलों के माध्यम से स्वच्छता, पर्यावरण और वन्यजीव संरक्षण का सकारात्मक संदेश फैलाया गया। नागरिकों ने भी इस पहल को खूब सराहा। इस अवसर पर उपायुक्त मनीष जोशी, स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. रानी शिंदे सहित मनपा के कई अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे।

हरियाली के दूत डॉ. प्रशांत सिंनकर 'निसर्ग रत्न' पुरस्कार से सम्मानित

डीबीडी संवाददाता | ठाणे

पर्यावरण पत्रकारिता, जल संरक्षण और सामाजिक जागरूकता के क्षेत्र में पाँच दशकों से अधिक समय से सक्रिय डॉ. प्रशांत रेखा रवींद्र सिनकर को निसर्ग रत्न पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। डॉ. सिनकर ने समाज में हरित विचारों के प्रसार और पर्यावरण के प्रति संवेदनशीलता बढ़ाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

माहिम में आयोजित हुआ सम्मान समारोह

यह प्रतिष्ठित पुरस्कार मुंबई के माहिम स्थित तेंदुलकर सभागार में सारस्वत हितवर्धक मंडल के 101वें वार्षिकोत्सव समारोह के अवसर पर प्रदान किया गया। इस समारोह में सोफिया कॉलेज की प्राचार्य डॉ. अनघा तेंदुलकर पाटिल, बोर्ड अध्यक्ष सिद्धार्थ सिंकर, डॉ. उल्हास तेंदुलकर, देवीदास सिंकर, दीपक मुले और राहुल साखलकर सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। पिछले 25 वर्षों में डॉ. प्रशांत सिनकर ने अपने लेखों और रिपोर्टों के माध्यम से पर्यावरणीय मुद्दों को प्रमुखता से उठाया है। उन्होंने जल संरक्षण के स्थानीय प्रयोगों को प्रोत्साहन दिया, जैव विविधता के महत्व पर बल दिया और नागरिकों को पर्यावरण-अनुकूल जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया। पुरस्कार ग्रहण करते हुए डॉ. सिनकर ने कहा, यह सम्मान केवल मेरा नहीं, बल्कि उन सभी नागरिकों का है जो प्रकृति की रक्षा के लिए आवाज़ उठाते हैं। प्रकृति बचेगी तभी हमारा भविष्य सुरक्षित रहेगा। यह पुरस्कार आने वाली पीढ़ियों को हरित जीवनशैली अपनाने का संदेश देता है।

12 राशिफल में देखें अपना दिन

मेष बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। लंबी यात्रा हो सकती है। लाभ होगा। नए अनुबंध हो सकते हैं। रोजगार में वृद्धि होगी। रुके कार्य पूर्ण होंगे। प्रसन्नता रहेगी। नौकरी में उच्चाधिकारी की प्रसन्नता प्राप्त होगी। प्रशंसा मिलेगी। घर-बाहर पूछ-परख रहेगी।

वृष व्ययवृद्धि से तनाव रहेगा। किसी व्यक्ति के उकसावे में न आएं। विवाद से बचें। पारिवारिक चिंता बनी रहेगी। काम में मन नहीं लगेगा। व्यापार ठीक चलेगा। आय होगी। विवेक का प्रयोग करें। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। मित्रों का सहयोग प्राप्त होगा।

मिथुन आर्थिक उन्नति के प्रयास सफल रहेंगे। कोई बड़ा कार्य कर पाएंगे। व्यवसाय मनोनुकूल लाभ देगा। कार्य पूर्ण होंगे। प्रसन्नता रहेगी। प्रतिष्ठा बढ़ेगी। भाग्य का साथ मिलेगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। जोखिम न लें। भाइयों का सहयोग मिलेगा।

कर्क तीर्थदर्शन हो सकता है। सत्संग का लाभ मिलेगा। राजकीय सहयोग से कार्य पूर्ण व लाभदायक रहेंगे। कारोबार मनोनुकूल रहेगा। शेयर मार्केट में जोखिम न लें। नौकरी में चैन रहेगा। घर-बाहर प्रसन्नता बनी रहेगी। दुष्टजन हानि पहुंचा सकते हैं। ध्यान रखें।

सिंह रोजगार में वृद्धि होगी। व्यावसायिक यात्रा लाभदायक रहेगी। बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे। नवीन वस्त्राभूषण की प्राप्ति होगी। कोई बड़ा कार्य हो जाने से प्रसन्नता रहेगी। निवेश लाभदायक रहेगा। भाग्योन्नति के प्रयास सफल रहेंगे। विवाद से बचें।

कन्या अच्छी खबर मिलेगी। प्रसन्नता रहेगी। कार्यों में गति आएगी। विवेक का प्रयोग करें। लाभ में वृद्धि होगी। मित्रों के सहयोग से किसी बड़ी समस्या का हल मिलेगा। व्यापार ठीक चलेगा। घर-बाहर सुख-शांति रहेगी। पुराने संगी-साथी व रिश्तेदारों से मुलाकात होगी।

तुला राजकीय सहयोग प्राप्त होगा। वैवाहिक प्रस्ताव प्राप्त हो सकता है। कारोबार से लाभ होगा। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। कोई बड़ा कार्य करने की योजना बन सकती है। कार्यसिद्धि होगी। सुख के साधनों पर व्यय होगा। प्रसन्नता रहेगी। प्रमाद न करें।

वृश्चिक वाहन, मशीनरी व अग्नि आदि के प्रयोग से हानि की आशंका है, सावधानी रखें। दूसरों के झगड़ों में हस्तक्षेप न करें। आवश्यक वस्तु समय पर नहीं मिलने से क्षोभ होगा। फालतू की बातों पर ध्यान न दें। व्यापार ठीक चलेगा।

धनु मेहनत सफल रहेगी। बिगड़े काम बनेंगे। कार्यसिद्धि से प्रसन्नता रहेगी। आय में वृद्धि होगी। सामाजिक कार्य करने के अवसर मिलेंगे। घर-बाहर पूछ-परख रहेगी। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। पार्टनरों का सहयोग मिलेगा।

मकर लेन-देन में सावधानी रखें। किसी भी अपरिचित व्यक्ति पर अंधविश्वास न करें। शोक संदेश मिल सकता है। विवाद को बढ़ावा न दें। किसी के उकसाने में न आएं। व्यस्तता रहेगी। थकान व कमजोरी रहेगी। काम में मन नहीं लगेगा। आय में निश्चितता रहेगी।

कुंभ संपत्ति के बड़े सौदे बड़ा लाभ दे सकते हैं। प्रॉपर्टी ब्रोकर्स के लिए सुनहरा मौका साबित हो सकता है। भाग्योन्नति के प्रयास सफल रहेंगे। रोजगार में वृद्धि के योग हैं। स्वास्थ्य कमजोर रहेगा। आय में वृद्धि होगी। व्यस्तता रहेगी। मित्रों की सहायता कर पाएंगे।

मीन मेहनत का फल पूरा नहीं मिलेगा। स्वास्थ्य खराब हो सकता है। बौद्धिक कार्य सफल रहेंगे। किसी प्रबुद्ध व्यक्ति का मार्गदर्शन मिल सकता है। यात्रा मनोरंजक रहेगी। पारिवारिक मांगलिक कार्य हो सकता है। नौकरी में अधिकार बढ़ सकते हैं। उन्नति के मार्ग प्रशस्त हो सकते हैं।

चंद्र दोष और चंद्र अरिष्ट शांति का रहस्य : मन, भावना और ब्रह्मांडीय ऊर्जा का दिव्य संतुलन

वैदिक ज्योतिष में चंद्रमा को मन, भावना और संवेदना का देवता कहा गया है। "मनसो देवता चंद्रः" यह वाक्य स्वयं यह उद्घोषित करता है कि चंद्र न केवल शरीर में स्थित जल और रक्त का कारक है, बल्कि हमारे मन, विचार, स्मृति और कल्पना का भी आधार है। जिस प्रकार सागर में ज्वार-भाटा चंद्र की कलाओं के अनुसार उठता और गिरता है, उसी प्रकार मानव के भीतर की भावनाएं भी चंद्रमा की गति और उसकी दशा के अनुसार परिवर्तित होती रहती हैं। जब चंद्रमा शुभ स्थिति में होता है तो व्यक्ति के भीतर शांति, दया, सौम्यता और करुणा की तरंगें जागृत रहती हैं। परंतु जब यह ग्रह राहु, केतु या शनि जैसे क्रूर ग्रहों से प्रभावित हो जाता है, तब यह मन में भ्रम, उद्वेग, बेचैनी और अशांति पैदा करता है। यही स्थिति "चंद्र दोष" या

"चंद्र अरिष्ट" कहलाती है।

चंद्र दोष केवल एक ज्योतिषीय स्थिति नहीं, बल्कि यह उस मानसिक असंतुलन का सूचक है जो तब उत्पन्न होता है जब व्यक्ति अपने भावनात्मक और आध्यात्मिक मार्ग से भटक जाता है। जब चंद्र राहु के साथ युति करता है या राहु की दृष्टि पड़ती है, तब मन धुंधला पड़ जाता है। यह वह स्थिति है जिसे प्राचीन ऋषियों ने "चंद्र ग्रहण" कहा है। ऐसी अवस्था में व्यक्ति की कल्पनाशक्ति भ्रम में बदल जाती है, और निर्णयों में चूक, मानसिक अस्थिरता तथा संबंधों में तनाव उत्पन्न होता है। इसी प्रकार जब चंद्र केतु के साथ होता है, तब व्यक्ति का मन स्थूल जगत से दूर होकर किसी अदृश्य रहस्यमय लोक की ओर खिंचने लगता है। यह योग व्यक्ति को रहस्यमय, तांत्रिक या अध्यात्म में गहराई तक ले जा सकता है, किंतु सामान्य जीवन में यह असंतुलन भी पैदा करता है।

चंद्रमा यदि नीच राशि वृश्चिक में स्थित हो या पापग्रहों जैसे शनि, राहु, मंगल आदि से पीड़ित हो, तब व्यक्ति का मन निरंतर द्वंद्व में रहता है। ऐसे व्यक्ति के जीवन में अक्सर अस्थिरता, आत्म-संशय और भावनात्मक उतार-चढ़ाव बने रहते हैं। राहु और केतु के बीच स्थित चंद्रमा जब किसी ओर से सहारा नहीं पाता, तब वह पिंजरे में बंद पक्षी की तरह तड़पता है — यही अवस्था "कालसर्प योग" का भी एक हिस्सा बन जाती है। अमावस्या के दिन जब सूर्य और चंद्र एक साथ होते हैं, तब यह मन और आत्मा के बीच का द्वंद्व चरम पर होता है। इस योग में व्यक्ति अपने ही भीतर से संघर्ष करता है।

(क्रमशः)

प्रियंका जैन
9769994439

न्यूज़ ब्रीफ

फर्जी आईआरएस अधिकारी गिरफ्तार

कानपुर: कानपुर के चकेरी थाना क्षेत्र में एक शख्स ने फर्जी आईआरएस अफसर बनकर शराब का ठेका दिलाने के नाम पर 6 लाख रुपए की ठगी की थी. पीड़ित ने जब काम न होने पर आरोपी से अपनी रकम वापस मांगी, तो उसने रुपए वापस करने से इनकार कर दिया. पीड़ित ने इस मामले को लेकर चकेरी थाने में मामला दर्ज कराया. एसीपी चकरी अभिषेक पांडे ने बताया कि 6 लाख रुपए की ठगी के आरोप में सोमवार को आरोपी दिव्यांश श्रीवास्तव को गिरफ्तार कर लिया गया. उसके पास से फर्जी आईडी कार्ड, हूटर लगी गाड़ी और कई दस्तावेज बरामद किए गये हैं. वहीं पुलिस इस पूरे मामले की गहनता से जांच पड़ताल में भी जुट गई है.

12 मकानों और 1 मदरसे पर चलेगा बुलडोजर

संभल: जिले के चंदौसी तहसील इलाके के नरौली कस्बे में अवैध निर्माणों को लेकर प्रशासन ने बड़ा कदम उठाया है. तहसील प्रशासन ने सोमवार को एक झटके में 12 मकानों और एक मदरसे को नोटिस जारी करने के साथ लाल निशान भी लगा दिए गए हैं. 15 दिन में घरों को खाली करने का नोटिस जारी किया गया है. नोटिस मिलने के बाद कस्बे में हड़कंप मच गया है. इसके पहले सदर तहसील इलाके के हातिम सराय में 80 मकानों को प्रशासन ने नोटिस दिया था. चंदौसी के तहसीलदार रवि सोनकर ने बताया कि शिकायतों के आधार पर धारा 67 के तहत कार्यवाही पहले से चल रही थी. उन्होंने बताया कि 24 जनवरी 2025 को बेदखली का आदेश दिया जा चुका है. इसी के तहत नोटिस जारी किए गए हैं. संबंधित पक्षों से जवाब मांगा गया है और पत्रावली में दिए गए उनके दस्तावेजों के आधार पर जांच जारी है. जिन घरों को नोटिस दिया गया है उन पर निशान लगाए गए हैं. वही दूसरी ओर, पीड़ित परिवारों का कहना है कि उन्हें बिना ठोस सबूत के उनके घरों को 'अवैध' ठहरा दिया गया. जबकि तहसील में अपना जवाब दाखिल कर दिया है. जमीन के पुराने कागज बुजुर्गों के पास थे, जो अब गुम हो गए हैं. हमें सिर्फ़ 15 दिन का समय दिया गया है.

सारंडा जंगल में आईईडी ब्लास्ट, जंगली हाथी गंभीर रूप से घायल

चाईबासा: पश्चिमी सिंहभूम में मनोहरपुर प्रखंड के सारंडा जंगल में नक्सलियों द्वारा लगाए गए आईईडी विस्फोट की चपेट में आने से एक जंगली हाथी बुरी तरह घायल हो गया. ये विस्फोट इतना जबरदस्त था कि हाथी के आगे के दाहिने पैर की उंगलियां उड़ गईं और घाव से मांस के लोथड़े लटक रहे हैं. घटना के बाद इलाके में वन विभाग और पुलिस दोनों सतर्क हो गए हैं. इस घटना की सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम और पशु चिकित्सक मौके पर पहुंचे. घने जंगल और खराब रास्तों के कारण हाथी तक पहुंचने में उन्हें करीब चार घंटे लग गए. डॉक्टरों ने मौके पर ही हाथी का प्राथमिक इलाज शुरू किया. केले में दवा मिलाकर उसे खिलाया गया, जिसे हाथी ने ग्रहण कर लिया. वन विभाग की टीम लगातार उसकी हालत पर नजर रखे हुए है.

7.4 करोड़ लोग चुनेंगे नई सरकार

पांच साल में महिलाओं के मुकाबले तीन गुना बढ़े पुरुष मतदाता

एजेंसी | पटना

बिहार में चुनावों की तारीखों का एलान हो चुका है। यहां दो चरणों में 6 और 11 नवंबर को चुनाव होंगे और 14 नवंबर को नतीजे घोषित किए जाएंगे। इस बार के बिहार विधानसभा चुनाव के लिए 7 करोड़ 41 लाख मतदाता वोट डालने के लिए पंजीकृत हैं। यह आंकड़े आयोग द्वारा विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के बाद जारी किए गए थे। एसआईआर के बाद राज्य में मतदाताओं की संख्या में करीब 41 लाख की कमी आई है। वहीं, 2020 के विधानसभा चुनाव के मुकाबले इस बार पांच लाख से ज्यादा नए मतदाता वोट डालेंगे।

एसआईआर के बाद कितनी बदली मतदाता सूची?

आगमी विधानसभा चुनाव को देखते हुए बिहार में चुनाव आयोग के द्वारा विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर करवाया गया। इसमें नए सिरे से बिहार में मतदाताओं की गणना की गई। यह प्रक्रिया जून से शुरू हुई थी जिसकी अंतिम सूची 30 सितंबर को आयोग की वेबसाइट पर जारी कर दी गई। 30 सितंबर 2025 को आई इस सूची के अनुसार बिहार में कुल 7,41,92,357 मतदाता पंजीकृत है। 2020 में यह आकड़ा 7,36,47,660 था। यानी, 2020 के मुकाबले इस बार चुनाव में 5,44,697 मतदाताओं का इजाफा हुआ है। हालांकि, एसआईआर के बाद राज्य में पंजीकृत मतदाताओं की संख्या में 47,77,487 कमी आई है।

दिव्यांगों और बुजुर्गों के लिए खास सुविधा

दिव्यांगों और बुजुर्गों के लिए मतदान केंद्रों पर चुनाव आयोग के द्वारा खास व्यवस्था की जाएगी। इनके लिए भूतल पर मतदान केंद्र, उचित ढाल वाला रैंप, व्हीलचेयर और वालंटियर उपलब्ध कराए जाएंगे। साथ ही अगर इनमें से कोई घर से ही अपना मतदान करना चाहता है तो उसकी भी सुविधा होगी। इसके लिए 12 डी फॉर्म भरना होगा।

इस बार महिला-पुरुष वोटर पंजीकृत?

2025 के विधानसभा चुनाव में 3,92,07,804 पुरुष मतदाता वोट डालने के लिए पात्र हैं। 2020 में यह आंकड़ा 3,87,89,388 था। पिछले चुनाव के मुकाबले पुरुष मतदाताओं की संख्या में 4,18,416 का इजाफा हुआ है। महिला मातदाताओं की बात करें तो इस बार के चुनाव में कुल 3,49,82,828 महिला मतदाता वोट डालने के लिए पंजीकृत हैं। 2020 में इनकी संख्या 3,48,55,815 थी। पांच साल में महिला मतदाताओं की संख्या में 1,27,013 का इजाफा हुआ है। इसके अलावा इस चुनाव में 1,725 अन्य मतदाता भी वोट डालने के लिए पंजीकृत हैं। 2020 में इनकी संख्या 2,457 थी।

युवा मतदाताओं की संख्या कितनी है?

चुनाव आयोग के आंकड़ों के अनुसार, बिहार में 18-19 आयु वर्ग के 14,01,150 युवा मतदाता हैं। 20-29 आयु वर्ग के 1.63 करोड़ मतदाता हैं। वहीं, दिव्यांग मतदाताओं की संख्या 7,20,709 है।

एसआईआर में किस तरह के मतदाताओं के नाम हटाए गए?

एसआईआर से पहले बिहार में कुल मतदाताओं की संख्या 7,89,69,844 थी। एसआईआर के बाद 47,77,487 मतदाताओं को हटाया गया। आयोग ने बताया कि 22,34,136 मतदाताओं का मौत हो चुकी है। 6,85,000 मतदाता एक से ज्यादा बार दर्ज थे। 36,44,939 मतदाता स्थाई रूप से बिहार से बाहर चले गए। एसआईआर में दावे आपत्ति के बाद 3,66,742 मतदाता घटे हैं।चुनाव के लिए कुल 90,712 मतदान केंद्र होंगे। इनमें से शहरी क्षेत्र में 13,911 और ग्रामीण क्षेत्र में 76,801 मतदान केंद्र तैयार किए गए हैं।

उत्तराखंड में ठंड की दस्तक

एजेंसी | रुद्रप्रयाग/ चमोली

उत्तराखंड के ऊंचाई वाले इलाकों में मौसम ने करवट ले ली है। सोमवार को बदरीनाथ, केदारनाथ धाम और हेमकुंड साहिब में इस सीजन की पहली बर्फबारी शुरू हो गई, जिससे पहाड़ों में सर्दी ने दस्तक दे दी है। दोपहर करीब 1:30 बजे से केदारनाथ की पहाड़ियों पर बर्फ गिरनी शुरू हुई, जिसके बाद आसपास का नजारा सफेद चादर में लिपट गया।

कल भारी बारिश और बर्फबारी का अलर्ट

मौसम विभाग ने पहले ही चेतावनी जारी की थी कि 7 अक्टूबर को उत्तराखंड के ऊंचे इलाकों में बर्फबारी और कई जिलों में बारिश हो सकती है। केदारनाथ में बर्फबारी के बाद जिला आपदा प्रबंधन विभाग ने श्रद्धालुओं से अपील की है कि वे ऊनी कपड़े, रेनकोट और जरूरी सामान साथ लेकर ही यात्रा करें, ताकि किसी तरह की असुविधा से बचा जा सके।

हेमकुंड में बर्फबारी

इधर, हेमकुंड साहिब में भी मौसम ने अचानक करवट ली और दोपहर बाद हल्की बर्फबारी शुरू हो गई। इससे पूरे क्षेत्र में ठंड बढ़ गई है और वातावरण में एक अलग रौनक दिखाई दी। यह इस सीजन की पहली बर्फबारी है, जिससे हेमकुंड की घाटी ने भी बर्फ की पतली परत ओढ़ ली है। गौरतलब है कि सिखों के प्रमुख तीर्थ हेमकुंड साहिब के कपाट आगामी 10 अक्टूबर को बंद होने जा रहे हैं।

कंबोडिया में बैठकर भारतीयों की मदद से करते थे ठगी

एजेंसी | नई दिल्ली

दक्षिण-पश्चिमी जिला साइबर थाना पुलिस ने एक बड़े बहुराज्यीय अभियान में उस साइबर ठग गिरोह का पर्दाफाश किया है, जो शेयर बाजार और आईपीओ में निवेश पर दोगुना फायदा देने का झांसा देकर करोड़ों रुपए की ठगी कर रहा था। पुलिस ने हरियाणा, पंजाब, हिमाचल प्रदेश और राजस्थान में छापेमारी कर पांच आरोपियों मंगू सिंह, हरि किशन सिंह, अक्षय, मुकुल और विक्रम को गिरफ्तार किया है।

कंबोडिया से मिलते थे ठगी के निर्देश

पूछताछ में खुलासा हुआ कि मंगू सिंह अपने सहयोगी कुलदीप के माध्यम से कंबोडिया स्थित ठगों से टेलीग्राम पर 'एटीपे' ग्रुप के जरिए जुड़ा था। इस ग्रुप में बैंक खातों की जानकारी साझा की जाती थी। विक्रम, मुकुल और अक्षय विभिन्न राज्यों में लोगों से कमीशन लेकर फर्जी बैंक खाते खुलवाते थे, जिनकी डिटेल मंगू सिंह तक पहुंचाई जाती थी।

कंबोडिया से जुड़ा था गिरोह का नेटवर्क

जांच में सामने आया कि यह गिरोह कंबोडिया में सक्रिय साइबर नेटवर्क से जुड़ा हुआ था। पुलिस उपायुक्त अमित गोयल ने बताया कि गिरोह निवेशकों को ऑनलाइन ग्रुप के जरिए झांसे में लेता था और विदेश से मिले निर्देशों पर काम करता था। शिकायतकर्ता आर. चौधरी ने बताया कि उन्हें एक वाट्सएप ग्रुप में जोड़ा गया, जहां ऊंचे मुनाफे का लालच देकर निवेश के लिए उकसाया गया। शुरुआत में आरोपियों ने छोटी रकम पर लाभ देकर भरोसा जीता और बाद में 10.7 लाख रुपए निवेश करवा लिए। जब चौधरी ने पैसे निकालने की कोशिश की तो भुगतान रोक दिया गया। इंस्पेक्टर प्रवेश कौशिक के नेतृत्व में एसआई चेतन राणा, हेड कांस्टेबल मनेंद्र और विजयपाल की टीम ने डिजिटल फुटप्रिंट, मनी ट्रेल और फर्जी खातों की जांच के आधार पर कार्रवाई की। सबसे पहले हरियाणा के नरवाना से विक्रम को पकड़ा गया, फिर उसकी निशानदेही पर पंजाब के जीरकपुर से मुकुल, हिमाचल प्रदेश के ऊना से अक्षय और अमृतसर से हरि किशन को गिरफ्तार किया गया।

पूर्व केंद्रीय मंत्री अजय मिश्र टेनी और बेटे आशीष समेत तीन पर केस

खीरी कांड के गवाह को दी थी धमकी

एजेंसी | लखीमपुर खीरी

लखीमपुर खीरी जिले में दो साल पुराने तिकुनिया कांड के गवाह को धमकाने के मामले में बड़ा कदम उठाया गया है। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद पुलिस ने पूर्व केंद्रीय गृह राज्यमंत्री अजय मिश्र टेनी, उनके बेटे आशीष मिश्र और निघासन ब्लॉक प्रमुख पति अमनदीप सिंह के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है।

कई बार थाने में दी गई थी शिकायत, नहीं हुई कार्रवाई

गवाह ने आरोप लगाया कि उसने कई बार स्थानीय थाने में जाकर टेनी, उनके बेटे और अमनदीप सिंह के खिलाफ शिकायत दी, लेकिन पुलिस ने मुकदमा दर्ज नहीं किया। बार-बार की अनदेखी से निराश होकर गवाह ने सुप्रीम कोर्ट की शरण ली। अदालत ने सोमवार को यूपी पुलिस को तत्काल एफआईआर दर्ज करने का आदेश दिया।

बार कौंसिल चुनाव के नामांकन शुल्क में 5 गुना बढ़ोतरी

एजेंसी | रांची

झारखंड बार कौंसल चुनाव की तैयारी कर रहे वकील बार कौंसिल ऑफ इंडिया (बीसीआई) के ताजा आदेश से नाराज हैं। बीसीआई ने चुनाव नामांकन शुल्क में पांच गुना बढ़ोतरी करते हुए इसे 25 हजार रुपए से बढ़ाकर 1.25 लाख रुपए कर दिया है। यह राशि वापस भी नहीं की जाएगी। आदेश जारी होते ही राज्यभर के वकीलों में नाराजगी और विरोध के स्वर तेज हो गए हैं। आगामी शनिवार को झारखंड बार कौंसिल की जनरल बॉडी मीटिंग प्रस्तावित है, जिसमें इस मामले में विरोध किया जाएगा।

व्यापार जगत

धनतेरस-दिवाली और शादियों के सीजन से पहले 'सोने में आग'

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

विदेशी बाजारों में सुरक्षित निवेश के लिए खरीदारी और रुपए में गिरावट के कारण सोमवार को दिल्ली में सोने की कीमत 9,700 रुपए की तेजी के साथ 1,30,300 रुपए प्रति 10 ग्राम के नए शिखर पर पहुंच गई। अखिल भारतीय सर्राफा संघ के अनुसार, 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाली पीली धातु शुक्रवार को 1,20,600 रुपए प्रति 10 ग्राम पर बंद हुई थी। इस वर्ष अब तक सोने की कीमतों में 51,350 रुपए या 65.04 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, जो 31 दिसंबर 2024 को 78,950 रुपए प्रति 10 ग्राम से अधिक है। स्थानीय सर्राफा बाजार में सोमवार को 99.5 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना 2,700 रुपए की तेजी के साथ 1,22,700 रुपए प्रति 10 ग्राम (सभी करों सहित) के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया।

वैश्विक बाजारों में बढ़े सोने-चांदी के दाम

अंतरराष्ट्रीय बाजारों में सोना करीब 2 प्रतिशत बढ़कर 3,949.58 डॉलर प्रति औंस के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया, जबकि चांदी 1 प्रतिशत बढ़कर 48.75 डॉलर प्रति औंस के उच्च स्तर पर पहुंच गई। व्यापारियों ने कहा कि डॉलर के मुकाबले रुपए में गिरावट से कीमती धातु की कीमतों में तेजी आई। एचडीएफसी सिक्योरिटीज के वरिष्ठ विश्लेषक (कमोडिटीज) सौमिल गांधी ने कहा कि सोना सोमवार को नए रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया क्योंकि रिकॉर्ड ऊंचे दाम के बावजूद निवेशक अभी भी बुलियन को पसंद कर रहे हैं।

अमेरिकी शटडाउन ने सोने की मांग बढ़ाई

कोटक सिक्योरिटीज की एवीपी कमोडिटी रिसर्च कायनात चैनवाला ने कहा कि शुक्रवार को सीनेट द्वारा वित्त पोषण विधेयक पारित करने में विफलता के बाद अमेरिकी सरकार का शटडाउन छठे दिन में प्रवेश कर गया है, जिससे हाजिर सोने में बढ़त जारी रही और यह पहली बार 3,940 डॉलर प्रति औंस से ऊपर पहुंच गया।

9 अक्टूबर को खुलेगा केनरा रोबेको एएमसी का आईपीओ

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

भारत की जानी-मानी एसेट मैनेजमेंट कंपनी कैनरा रोबेको एएमसी अपना इनिशियल पब्लिक ऑफरिंग ला रही है। यह इश्यू पूरी तरह से ऑफर फॉर सेल के रूप में होगा, जिसमें कंपनी के प्रमोटर्स करीब 1,326.13 करोड़ जुटाएंगे। इसके तहत कुल 4.99 करोड़ शेयर ऑफर किए जाएंगे।

कंपनी का काम क्या है?

कैनरा रोबेको एएमसी की स्थापना 1993 में हुई थी। यह कंपनी कैनरा बैंक और का ज्वाइंट वेंचर है। कंपनी का हेडक्वार्टर मुंबई में स्थित है। कंपनी वर्तमान में 25 स्कीमें मैनेज करती है, जिनमें से 14 इक्विटी/हाइब्रिड और 11 डेट/हाइब्रिड शामिल हैं। इसके पास 23 शाखाओं का नेटवर्क है, जो देश के 14 राज्यों और 2 केंद्र शासित प्रदेशों में फैला हुआ है।

आईपीओ की टाइमलाइन

यह आईपीओ निवेशकों के लिए 9 अक्टूबर 2025 से 13 अक्टूबर 2025 तक खुला रहेगा। इसके बाद 14 अक्टूबर 2025 को अलॉटमेंट की प्रक्रिया पूरी होगी और कंपनी का शेयर 16 अक्टूबर 2025 को बीएसई और एनएसई पर लिस्ट होगा। कंपनी ने अपने आईपीओ का प्राइस बैंड 253 से 266 प्रति शेयर तय किया है। रिटेल निवेशक न्यूनतम 56 शेयर (14,896) से आवेदन कर सकते हैं। कंपनी ने पिछले कुछ वर्षों में अच्छा वित्तीय प्रदर्शन दिखाया है। 31 दिसंबर 2024 तक कंपनी की कुल आय 303.05 करोड़ और मुनाफा 148.98 करोड़ रहा।

आरबीआई के नीतिगत फैसले से एनबीएफसी को मिली मजबूती

मॉर्गन स्टेनली की रिपोर्ट में दावा

एजेंसी | नई दिल्ली

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के अक्तूबर के नीतिगत उपाय भारत की गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसी) के लिए बड़ी राहत है। मॉर्गन स्टेनली की रिपोर्ट में यह बात कही गई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि आरबीआई का फैसला एनबीएफसी और इंफ्रास्ट्रक्चर फाइनेंसिंग सेक्टर के प्रति आरबीआई के सहायक रुख को दर्शाते हैं। रिपोर्ट में बताया गया है कि आरबीआई ने फाइनल रेगुलेशंस में बैंक और उसकी समूह इकाइयों द्वारा किए जाने वाले व्यवसायों में ओवरलैप पर प्रस्तावित प्रतिबंध को हटा दिया है। ये रेगुलेशंस जल्द ही जारी होने की उम्मीद है। इसमें कहा गया है कि हम मानते हैं कि यह हमारे कवरेज में आने वाले बैंक प्रमोटेड एनबीएफसी के लिए सकारात्मक संकेत है। मॉर्गन स्टेनली की रिपोर्ट के अनुसार,

आरबीआई ने ऑपरेशनल और उच्च गुणवत्ता वाले इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स के लिए एनबीएफसी ऋण पर जोखिम भार कम करने का प्रस्ताव रखा है। यह कदम इंफ्रास्ट्रक्चर फाइनेंसिंग की लागत घटाने और पावर फाइनेंस कॉरपोरेशन जैसी इंफ्रास्ट्रक्चर-फोकस्ड NBFCs को लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से लिया गया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि PFC और REC अच्छी तरह से पूंजीकृत और आत्मनिर्भर व्यवसाय हैं, इसलिए इस कदम से संरचनात्मक रूप से सकारात्मक असर होगा, लेकिन तत्काल वित्तीय लाभ सीमित रह सकता है।

निर्यात को मजबूत कर रहा देश का रक्षा उत्पादन

एजेंसी | नई दिल्ली

गोल्डमैन सैक्स की रिपोर्ट के अनुसार, भारत के घरेलू रक्षा क्षेत्र में विकास का प्रमुख चालक अब निर्यात बन गया है। सरकार आने वाले वर्षों में देश की वैश्विक मौजूदगी को काफी बढ़ाने के लिए महत्वाकांक्षी लक्ष्य तय कर रही है।

रक्षा निर्यात वित्त वर्ष 2025 में बढ़कर 236 अरब रुपए तक पहुंचा

रिपोर्ट के अनुसार, भारत का रक्षा निर्यात वित्तीय वर्ष 2014 में 6.8 अरब रुपए से बढ़कर FY25 में 236 अरब रुपए तक पहुंच गया है। रक्षा मंत्रालय का लक्ष्य इसे FY27 तक 350 अरब रुपए और FY29 तक 500 अरब रुपए तक ले जाना है। विशेषज्ञों का कहना है कि यह वृद्धि न केवल घरेलू उद्योग को मजबूती देती है, बल्कि भारत की वैश्विक रक्षा बाजार में हिस्सेदारी को भी बढ़ा रही है।रिपोर्ट में कहा गया है कि 100 से ज्यादा देश पहले से ही छोटे हथियारों और युद्ध सामग्री से लेकर उन्नत उप-प्रणालियों तक, भारत में निर्मित प्रणालियों और कलपुर्जों का आयात कर रहे हैं।

ओला इलेक्ट्रिक ने बनाई बिना रेयर अर्थ मेटल वाली मोटर

एजेंसी | बेंगलुरु

इलेक्ट्रिक व्हीकल (EV) बनाने वाली कंपनी ओला इलेक्ट्रिक ने देश की पहली बिना रेयर अर्थ मेटल वाली टू-व्हीलर फेराइट मोटर बनाई है। इस मोटर को सरकार की ओर से भी मंजूरी दे दी गई है। अभी भारत इलेक्ट्रिक व्हीकल मोटर बनाने के लिए चीन पर निर्भर है। चीन जब भी रेयर अर्थ मेटल के एक्सपोर्ट पर रोक लगाता है तो भारत में इलेक्ट्रिक मोटर का प्रोडक्शन प्रभावित होता है। ऐसे में बिना रेयर अर्थ मेटल वाली

तकनीक से भारत की चीन पर निर्भरता कम होगी। ओला इलेक्ट्रिक ने बताया कि उनकी बैटरी को सर्टिफिकेट तमिलनाडु के ग्लोबल ऑटोमोटिव रिसर्च सेंटर (GARC) से मिला है। GARC ने सड़क परिवहन मंत्रालय के तय किए गए AIS 041 नियमों के हिसाब से ओला की इस मोटर को टेस्ट किया है। ओला इलेक्ट्रिक ने इसी साल अगस्त में अपने 'संकल्प 2025' प्रोग्राम में पहली बार इस फेराइट मोटर की तकनीक दिखाई थी। नई फेराइट मोटर 7kW और 11kW दोनों तरह के मॉडलों में, उन मोटरों जितना ही अच्छा काम करती है जिनमें रेयर अर्थ मेटल का इस्तेमाल होता है। ओला इलेक्ट्रिक का कहना है कि फेराइट मोटर उसी क्षमता, प्रदर्शन और मजबूती के साथ चलती है, लेकिन इसकी लागत बहुत कम है।

बढ़त के साथ बंद हुआ शेयर बाजार

नई दिल्ली। शेयर बाजारों में सोमवार को लगातार तीसरे दिन तेजी रही। बेंचमार्क सेंसेक्स और निफ्टी में करीब एक प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गई। 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 582.95 अंक या 0.72 प्रतिशत उछलकर 81,790.12 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह 639.25 अंक या 0.78 प्रतिशत की बढ़त के साथ 81,846.42 अंक पर पहुंच गया। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 183.40 अंक या 0.74 प्रतिशत की बढ़त के साथ 25,077.65 पर आ गया।

आर्कटिक ओपन सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट

पहले दौर में भारतीय खिलाड़ियों के सामने कड़ी चुनौती

- भारतीय खिलाड़ियों को मिला मुश्किल ड्रॉ
- शेट्टी की पहले ही दौर में नंबर एक से होगी भिड़ंत

एजेंसी । वंता

भारतीय खिलाड़ी मंगलवार से यहां शुरू हो रहे आर्कटिक ओपन सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट में खिताब का दावा पेश करने उतरेंगे। इसमें सभी की नजरें लक्ष्य सेन और किदांबी श्रीकांत पर होंगी जिन्हें मौजूदा सत्र में अपने पहले खिताब का इंतजार है।

नाराओका से भिड़ेंगे सेन

मौजूदा सत्र में हांगकांग ओपन के उपविजेता लक्ष्य को पहले दौर में जापान के पांचवीं वरीयता प्राप्त कोडाई नाराओका की कड़ी चुनौती का सामना करना होगा। विश्व चैंपियनशिप 2021 के कांस्य विजेता लक्ष्य को नाराओका के खिलाफ आक्रामकता और संयम में संतुलन बनाना होगा क्योंकि विरोधी का डिफेंस मजबूत है और वह कमजोर खेल का फायदा उठाने की कोशिश करेंगे। मलेशिया मास्टर्स 2025 के फाइनल में जगह बनाने वाले श्रीकांत अपने अभियान की शुरुआत रासमुस गेम्के के खिलाफ करेंगे। पूरे सत्र में निरंतरता की कमी से जूझ रहे इस अनुभवी भारतीय को डेनमार्क के खिलाड़ी को पछाड़ने के लिए तकनीकी विविधता और नेट पर खेल के नियंत्रण पर निर्भर रहना होगा।

तान्या, खरब की राह भी मुश्किल

महिला एकल में तान्या हेमंत पहले दौर में चीनी ताइपे की हुआंग चिंग पिंग के खिलाफ उतरेंगी जबकि अनमोल खरब का सामना चीनी ताइपे की ही छठी वरीयता प्राप्त लिन शियांग से होगा। महिला युगल में कविप्रिया सेल्वम और सिमरन सिंघी की भिड़ंत येउंग एनगा टिंग और येउंग पुई लैम की हांगकांग की पांचवीं वरीयता जोड़ी से होगी जबकि ध्रुव कपिला और तनीषा क्रास्टो मिश्रित युगल में फ्रांस के लुकास रेनॉयर और कैमिली पोग्नांटे के खिलाफ उतरेंगे। मोहित जगलान और लक्षिता जगलान की युवा जोड़ी का सामना ब्रायन वासिंक और देबोरा जिली की नीदरलैंड की जोड़ी से होगा।

आयुष के सामने शीर्ष वरीय

युवा खिलाड़ियों में इस साल यूएस ओपन सुपर 300 के साथ पहला बीडब्ल्यूएफ खिताब जीतने वाले आयुष शेट्टी पहले दौर में शीर्ष वरीयता प्राप्त थाईलैंड के कुनलावुत वितिदसार्न की कड़ी चुनौती का सामना करेंगे। मकाऊ ओपन सुपर 300 के सेमीफाइनल में जगह बनाने वाले थारुण मन्नेपल्ली का सामना सातवें वरीयता प्राप्त फ्रांस के टोमा जूनियर पोपोव से होगा। इंडिया ओपन के क्वार्टर में पहुंच सत्र का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले किरण जॉर्ज पहले दौर में जापान के कोकी वातानबे से भिड़ेंगे। एस शंकर मुथुसामी सुब्रमण्यम को पहले दौर में फ्रांस के तीसरे वरीयता प्राप्त क्रिस्टो पोपोव की कड़ी चुनौती मिलेगी।

बोपन्ना, डार्डेरी और मौटेट पेश करेंगे चुनौती

एजेंसी । नई दिल्ली

अनुभवी भारतीय टेनिस खिलाड़ी रोहन बोपन्ना और विश्व के 29वें नंबर के लुसियानो डार्डेरी सहित शीर्ष-50 रैंकिंग में शामिल कम से कम तीन एकल खिलाड़ी टेनिस प्रीमियर लीग (टीपीएल) के सातवें सत्र में शिरकत करेंगे। 9 दिसंबर से अहमदाबाद में शुरू हो रही लीग के लिए नीलामी 9 अक्तूबर को मुंबई में होगी। विश्व के 38वें नंबर के फ्रांस के कोरेंटिन मौटेट और उनके हमवतन 39वें नंबर के एलेक्जेंडर मुलर दावा पेश करेंगे। पिछले साल टीपीएल में पदार्पण कर चुके दो बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन बोपन्ना एसजी पाइपर्स बेंगलुरु का प्रतिनिधित्व करेंगे। इटली के डार्डेरी राजस्थान रेंजर्स का जबकि मौटेट गुड़गांव ग्रैंड स्लैमर्स के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगे। मुलर और आर्थर रिंडरकनेच (विश्व के 54वें नंबर के खिलाड़ी) क्रमशः गुजरात पैंथर्स और हैदराबाद स्ट्राइकर्स की टीम को मजबूत करेंगे।

बांग्लादेश के खिलाफ प्रबल दावेदार के रूप में उतरेगा इंग्लैंड

- 01 वनडे अंतरराष्ट्रीय मैच बांग्लादेश और इंग्लैंड के बीच हुआ, 100 रन से इंग्लैंड जीता

एजेंसी । गुवाहाटी

अनुभवी खिलाड़ियों से सजी चार बार की चैंपियन इंग्लैंड की टीम मंगलवार को विश्व कप के लीग मैच में बांग्लादेश के खिलाफ जीत की प्रबल दावेदार के रूप में उतरेगी। इंग्लैंड ने पिछली बार 2017 में यह टूर्नामेंट जीता था।

शानदार शुरुआत की

दोनों टीमों ने अपने-अपने शुरुआती मैच जीतकर टूर्नामेंट की शानदार शुरुआत की है। बांग्लादेश ने पाकिस्तान को सात विकेट से हराया जबकि इंग्लैंड ने दक्षिण अफ्रीका को 69 रन पर ढेर करने के बाद 10 विकेट से जीत दर्ज की। हालांकि अगर स्तर और उपलब्ध विकल्पों पर गौर करें तो इंग्लैंड अपने एशियाई प्रतिद्वंद्वियों से काफी आगे है। टैमी ब्यूमोंट, एमी जोन्स, हीथर नाइट, नैट शिवर-ब्रंट, सोफी एक्लेस्टोन, लॉरेन बेल और सोफिया डंकले जैसी खिलाड़ियों के साथ इंग्लैंड की टीम काफी मजबूत है। दूसरी ओर कप्तान और विकेटकीपर दोनों की भूमिका निभाने वाली निगार सुल्ताना, रुबिया हैदर, निशिता अख्तर निशी और सुमैया अख्तर जैसी खिलाड़ी इस टूर्नामेंट में बांग्लादेश की उम्मीदों का भार संभाल रही हैं।

बल्लेबाजी की पिच

बारसापारा क्रिकेट स्टेडियम की पिच को बल्लेबाजों के अनुकूल माना जाता है और यहां अक्सर बड़े स्कोर वाले मुकाबले देखने को मिलते हैं। चार दिन पहले इसी मैदान पर दक्षिण अफ्रीका को हराने के बाद इंग्लैंड यहां की परिस्थितियों से परिचित हो गया है। हालांकि उस मैच में इंग्लैंड की गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन से 150 से कम रन बने थे। वैसे मैच बढ़ने के साथ पिच धीमी होती जा रही है जिससे स्पिनरों और धीमी गति के गेंदबाजों के अनुकूल हालात हो जाते हैं। अगर गेंदबाज अनुशासित लाइन और लेंथ बनाए रखें और विविधता का इस्तेमाल करें तो उन्हें यहां सफलता मिलने की संभावना है। इंग्लैंड की गेंदबाजों का अनुभव काम आएगा क्योंकि लिंसे स्मिथ, सोफी एक्लेस्टोन और चार्ली डीन की स्पिन तिकड़ी दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अपने सफल प्रदर्शन के बाद एक बार फिर विरोधी टीम के लिए मुश्किलें खड़ी कर सकती हैं। जहां तक बल्लेबाजों और ऑलराउंडर का सवाल है तो इंग्लैंड का पलड़ा भारी है और बांग्लादेश के लिए यह एक बड़ी चुनौती होगी।

भारत की शानदार शुरुआत

श्रीलंका ने यूएई को हराया

विश्व जूनियर बैडमिंटन

गुवाहाटी। मेजबान भारत ने सोमवार को विश्व जूनियर चैंपियनशिप के पहले दिन सुहांदिनाता कप में अपने मिश्रित टीम अभियान की शुरुआत नेपाल पर शानदार जीत के साथ की। एक अन्य मुकाबले में श्रीलंका ने यूएई को हराकर चौंका दिया। दूसरी वरीयता प्राप्त भारत ने अपनी टीम में प्रयोग किया, फिर भी ग्रुप एच के अपने पहले मैच में 45-18, 45-17 से जीत हासिल की जबकि श्रीलंका ने यूएई पर 30-45, 45-34, 45-44 से जीत हासिल की। 14 बार के चैंपियन चीन, पूर्व चैंपियन इंडोनेशिया और दक्षिण कोरिया सहित अन्य सभी शीर्ष देशों को अपने-अपने प्रतिद्वंद्वियों को सीधे सेटों में हराकर अपना अभियान शुरू करने में कोई परेशानी नहीं हुई। चीन ने घाना को 45-14, 45-10 से, कोरिया ने हंगरी को 45-22, 45-29 से, चीनी ताइपे ने ब्राजील को 45-24, 45-19 से तथा इंडोनेशिया ने फिलिपींस को 45-27, 45-40 से हराया।

प्रमोद भगत ने अपना स्वर्णिम अभियान जारी रखा

- अबिया पैरा बैडमिंटन इंटरनेशनल में जीते तीन गोल्ड

नई दिल्ली । भारत के स्टार पैरा बैडमिंटन खिलाड़ी प्रमोद भगत ने एक बार फिर अपने शानदार खेल से देश का नाम रोशन किया है। उन्होंने नाइजीरिया के अबिया में 30 सितंबर से 5 अक्टूबर तक हुए पहले अबिया पैरा बैडमिंटन इंटरनेशनल टूर्नामेंट में तीन स्वर्ण पदक जीतकर अपना विजयी अभियान जारी रखा।37 वर्षीय टोक्यो पैरालंपिक स्वर्ण विजेता प्रमोद, जो तीन बार लोकेशन रिपोर्टिंग में चूक के चलते पेरिस पैरालंपिक से बाहर हो गए थे, ने एक बार फिर कोर्ट पर अपनी बादशाहत साबित की।

पुरुष एकल में कड़ा मुकाबला

पुरुष एकल (एसएल3) फाइनल में प्रमोद ने हमवतन मंटू कुमार को 21-7, 9-21, 21-9 से हराया। दूसरा गेम हारने के बावजूद उन्होंने शानदार वापसी की और मुकाबला अपने नाम किया। प्रमोद ने सुकांत कदम के साथ मिलकर पुरुष युगल का स्वर्ण पदक जीता। दोनों ने पेरू के गेर्सन जेयर वर्गास लोस्टानौल और डायना रोजास गोलाक की जोड़ी को 21-13, 21-17 से मात दी।

मिश्रित युगल में तीसरा स्वर्ण

तीसरा स्वर्ण पदक प्रमोद ने आरती पाटिल के साथ मिश्रित युगल (एसएल3-एसयू5) वर्ग में जीता। उन्होंने फाइनल में रोमांचक मुकाबले के बाद जीत दर्ज की। प्रमोद ने कहा, "हर जीत मुझे अपनी सीमाओं को और आगे बढ़ाने की प्रेरणा देती है।

बॉ ली वु ड

रजत बेदी का फूटा गुस्सा

बॉलीवुड को बताया संवेदनहीन और स्वार्थी

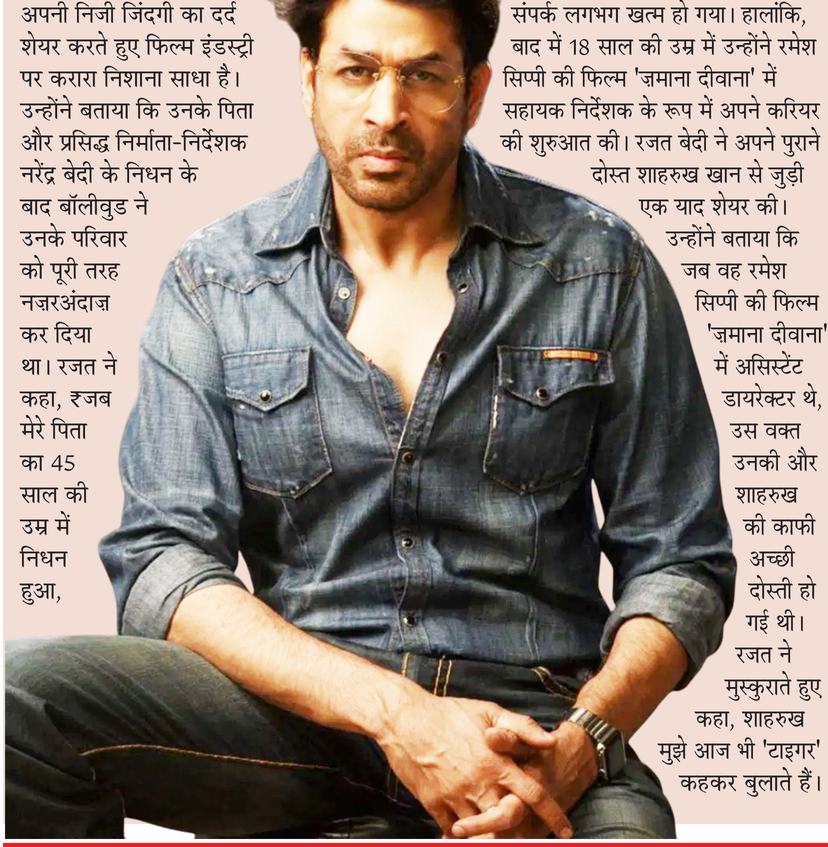

फिलहाल बॉलीवुड अभिनेता रजत बेदी अपनी बेबाक राय को लेकर सुर्खियों में हैं। हाल ही में उन्होंने फिल्म इंडस्ट्री को "निर्दयी इंडस्ट्री" बताते हुए कई चौंकाने वाले खुलासे किए हैं। एक इंटरव्यू के दौरान रजत ने खुलासा किया कि उनके पिता, जो खुद एक निर्माता-निर्देशक थे, उनके निधन के बाद फिल्म इंडस्ट्री से किसी ने भी उनके परिवार की कोई मदद नहीं की। रजत का कहना है कि इसी वजह से उन्होंने बॉलीवुड की आलोचना की और इसे संवेदनहीन और स्वार्थी बताया। अभिनेता रजत बेदी ने हाल ही में एक इंटरव्यू में अपनी निजी जिंदगी का दर्द शेयर करते हुए फिल्म इंडस्ट्री पर करारा निशाना साधा है। उन्होंने बताया कि उनके पिता और प्रसिद्ध निर्माता-निर्देशक नरेंद्र बेदी के निधन के बाद बॉलीवुड ने उनके परिवार को पूरी तरह नज़रअंदाज़ कर दिया था। रजत ने कहा, ‟जब मेरे पिता का 45 साल की उम्र में निधन हुआ, तब मैं सिर्फ नौ साल का था। मुझे आज भी याद है कि निर्देशक प्रकाश मेहरा और उनका परिवार ही ऐसे लोग थे जिन्होंने हमारी मदद की थी। करीब छह महीने से एक साल तक प्रकाश जी हमारे घर पैसे भेजते रहे। उन्होंने मेरी मां से कहा था, भाभी, चिंता मत करो। उन्होंने आगे बताया, मेरी मां पूरी जिंदगी एक गृहिणी रहीं और उन्होंने तीनों बच्चों की परवरिश अकेले की। प्रकाश जी के अलावा किसी ने हमारी देखभाल नहीं की। यह इंडस्ट्री वाकई बहुत निर्दयी है। रजत ने यह भी बताया कि पिता के निधन के दो साल बाद उनके दादा का भी देहांत हो गया, जिससे उनका फिल्म इंडस्ट्री से संपर्क लगभग खत्म हो गया। हालांकि, बाद में 18 साल की उम्र में उन्होंने रमेश सिप्पी की फिल्म 'ज़माना दीवाना' में सहायक निर्देशक के रूप में अपने करियर की शुरुआत की। रजत बेदी ने अपने पुराने दोस्त शाहरुख खान से जुड़ी एक याद शेयर की। उन्होंने बताया कि जब वह रमेश सिप्पी की फिल्म 'ज़माना दीवाना' में असिस्टेंट डायरेक्टर थे, उस वक्त उनकी और शाहरुख की काफी अच्छी दोस्ती हो गई थी। रजत ने मुस्कुराते हुए कहा, शाहरुख मुझे आज भी 'टाइगर' कहकर बुलाते हैं।

'120 बहादुर' के कलाकारों को मिला इंटरनेशनल ट्रेनिंग एक्सपीरियंस

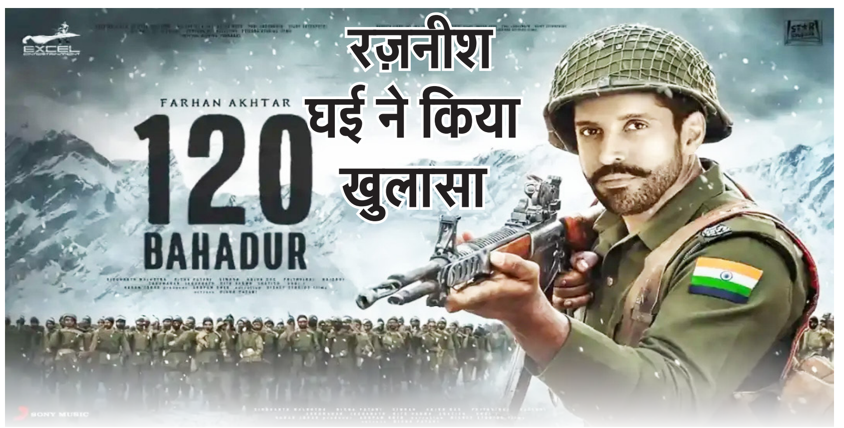

रज़नीश घई ने किया खुलासा

एक्सेल एंटरटेनमेंट और ट्रिगर हैप्पी स्टूडियोज़ की वॉर ड्रामा '120 बहादुर' का दूसरा टीज़र 20 सितंबर को लता मंगेशकर जयंती पर रिलीज हुआ था, जिसे दर्शकों से जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली। अब फिल्म के डायरेक्टर रजनीश 'रैज़ी' घई ने मेकिंग से जुड़ी दिलचस्प जानकारी शेयर की है। डायरेक्टर रजनीश 'रैज़ी' घई ने बताया, ‟फिल्म में चार्ली कंपनी के सैनिकों की भूमिका निभाने वाले ज्यादातर कलाकार नए हैं। हमने उनके लिए वही अंतरराष्ट्रीय एक्शन टीम लाई, जिसने ऑस्कर विजेता फिल्म 'ऑल क्वाइट ऑन द वेस्टर्न फ्रंट' पर काम किया था। टीम ने भारत आकर कलाकारों को हथियार, बॉडी लैंग्वेज और 303 राइफल चलाने की गहन ट्रेनिंग दी। उन्होंने कहा, "एक आर्मी बॉय होने के नाते मैं सेना के अनुशासन और तौर-तरीकों को समझता हूं, और हमने उसे पर्दे पर पूरी तरह उतारने की कोशिश की है।" फिल्म '120 बहादुर' 1962 की रेजांग ला की लड़ाई पर आधारित है, जिसमें 13 कुमाऊं रेजिमेंट के 120 भारतीय जवानों ने बहादुरी से चीन का सामना किया था। फिल्म में फरहान अख्तर मेजर शैतान सिंह भाटी, पीवीसी की भूमिका निभा रहे हैं। रितेश सिधवानी, फरहान अख्तर और अमित चंद्रा के प्रोडक्शन में बनी यह फिल्म 21 नवंबर 2025 को रिलीज होगी।

'एनिमल' फिल्म में अपने किरदार को लेकर बोले बॉबी

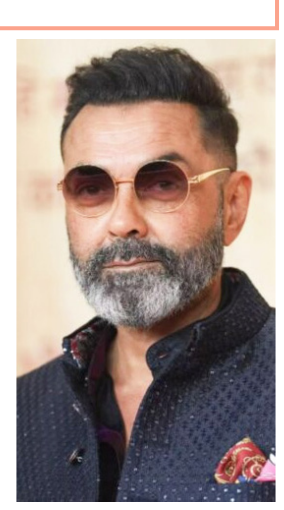

अभिनेता बॉबी देओल ने आज सोमवार को सिनेमाई दुनिया में 30 साल पूरे कर लिए हैं। इतने लंबे करियर के दौरान उन्होंने कई फिल्मों में शानदार अभिनय किया। हाल ही में अभिनेता ने फिल्म 'एनिमल' में निभाए गए अपने निगेटिव किरदार अबरार को लेकर बात की, जिसके लिए उनकी दर्शकों ने खूब तारीफ की थी। साथ ही उन्होंने फिल्म में रणबीर कपूर की भूमिका पर भी प्रकाश डाला। चलिए जानते हैं पूरी खबर। हाल ही में बॉबी देओल फिल्मीज्ञान के साथ एक इंटरव्यू में शामिल हुए। यहां अभिनेता से उनकी फिल्म 'एनिमल' को लेकर सवाल किया गया। बॉबी से पूछा गया कि क्या वो फिल्म में रणबीर कपूर के किरदार पर हावी थे? इसके जवाब में उन्होंने कहा, ऐसा कुछ नहीं है।

लंच डेट पर साथ दिखे ईशा देओल और भरत तख्तानी

साल 2024 ईशा देओल के लिए काफी कठिन साबित हुआ था। इस साल उन्होंने अपने जीवन का एक बड़ा फैसला लिया। दोनों का रिश्ता एक दशक से ज्यादा चला था, लेकिन बढ़ते मतभेदों और आपसी असहमति के कारण आखिरकार उन्होंने अलग होने का निर्णय लिया। तलाक के बाद ईशा भावनात्मक रूप से काफी टूट गई थीं, हालांकि कुछ समय बाद उन्होंने खुद को संभाल लिया और फिर से अपनी जिंदगी को नई दिशा देने लगीं। लेकिन अब जो तस्वीर सामने आई है, उसने सभी को हैरान कर दिया है। इंटरनेट पर ईशा देओल और उनके एक्स हसबैंड भरत तख्तानी की एक फोटो तेजी से वायरल हो रही है। इस तस्वीर ने फैंस के बीच चर्चा का माहौल बना दिया है। दरअसल, हाल ही में ईशा और भरत को मुंबई में अपने परिवार के साथ क्वालिटी टाइम स्पेंड करते हुए देखा गया। भरत तख्तानी ने अपने इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक प्यारी सी तस्वीर शेयर की, जिसमें उन्होंने कैप्शन दिया, ‟फैमिली संडे‟। इस फोटो में ईशा देओल, भरत तख्तानी, ईशा की बहन अहाना देओल और एक करीबी दोस्त नजर आ रहे हैं। सभी मुस्कुराते हुए बेहद खुश दिखे। ईशा और भरत के इस साथ आने पर फैंस के बीच अटकलों का दौर शुरू हो गया है। कई लोग मान रहे हैं कि दोनों फिर से एक-दूसरे के करीब आ रहे हैं, जबकि कुछ का कहना है कि यह सिर्फ एक पारिवारिक मुलाकात थी।

दिग्गज अभिनेता धर्मेंद्र और हेमा मालिनी की बड़ी बेटी ईशा देओल ने 29 जून 2012 को बिजनेसमैन भरत तख्तानी के साथ शादी की थी। इस शाही शादी में बॉलीवुड और बिजनेस जगत की कई मशहूर हस्तियां शामिल हुई थीं। दोनों की लव स्टोरी किसी फिल्मी कहानी से कम नहीं थी, स्कूल के दिनों में शुरू हुई दोस्ती, प्यार में बदली और फिर शादी तक पहुंची। मगर वक्त के साथ रिश्ता बदल गया और आखिरकार दोनों ने अलग होने का फैसला किया।

ईशा देओल के फिल्मी करियर की बात करें तो उन्होंने 2002 में फिल्म 'कोई मेरे दिल से पूछे' से बॉलीवुड में डेब्यू किया था। इस फिल्म के लिए उन्हें खूब सराहना मिली। बाद में उन्होंने 'धूम' जैसी सुपरहिट फिल्म में काम किया, जिसने बॉक्स ऑफिस पर तहलका मचा दिया और ईशा को घर-घर में पहचान दिलाई। आज, तलाक के महीनों बाद भी जब ईशा और भरत एक साथ मुस्कुराते हुए नजर आए, तो फैंस के दिलों में एक ही सवाल गूंज उठा, क्या दोनों फिर से करीब आ रहे हैं?

भारतीय नौसेना में शामिल हुआ आईएनएस 'एंड्रोथ'

▶▶ दुश्मनों की पनडुब्बियों को पानी में तबाह कर देगा आईएनएस एंड्रोथ

▶▶ तटीय क्षेत्रों में शत्रुओं का मुकाबला करने में आसानी होगी

एजेंसी | नई दिल्ली

विशाखापत्तनम। भारतीय नौसेना ने सोमवार को विशाखापत्तनम स्थित नौसेना डॉकयार्ड में दूसरे पनडुब्बी रोधी युद्धक उथले जल पोत (एएसडब्ल्यू-एसडब्ल्यूसी) आईएनएस एंड्रोथ को अपने समुद्री बेड़े में शामिल कर लिया। यह पोत अत्याधुनिक हथियारों, सेंसरों और संचार प्रणालियों से लैस है, जिससे यह सतह के नीचे के खतरों का सटीकता से पता लगा सकता है। इस वजह से नौसेना की समुद्री जल क्षमता बढ़ेगी और तटीय क्षेत्रों में शत्रुओं का मुकाबला करने में आसानी होगी।

समुद्री आत्मनिर्भरता का एक चमकदार प्रतीक

नौसेना ने आईएनएस एंड्रोथ को 80 फीसदी से अधिक स्वदेशी सामग्री के साथ भारत की समुद्री आत्मनिर्भरता का एक चमकदार प्रतीक बताया है। आईएनएस एंड्रोथ को 77 मीटर लंबाई और लगभग 1500 टन विस्थापन क्षमता के साथ तटीय और उथले पानी में पनडुब्बी रोधी अभियानों के लिए डिजाइन किया गया है।

अत्याधुनिक हथियारों, सेंसरों और संचार प्रणालियों से लैस

यह पोत अत्याधुनिक हथियारों, सेंसरों और संचार प्रणालियों से लैस है, जिससे यह सतह के नीचे के खतरों का सटीकता से पता लगाकर उन्हें बेअसर कर सकता है। तकनीकी रूप से उन्नत मशीनरी और नियंत्रण प्रणालियों से सुसज्जित यह पोत उथले पानी में लंबे समय तक संचालन कर सकता है। कोलकाता के गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स (जीआरएसई) में निर्मित यह पोत समुद्री डीजल इंजनों से संचालित होगा। इसकी क्षमताएं समुद्री निगरानी, खोज और बचाव, तटीय रक्षा मिशन और निम्न तीव्रता वाले समुद्री अभियानों तक विस्तृत हैं।

नंबर गेम

80 फीसदी सामान आईएनएस एंड्रोथ में स्वदेशी लगा है

100 से ज्यादा सक्रिय युद्धपोत भारत के पास शामिल होने का दावा किया जा रहा है

इसकी खासियतें

- 77 से 77.6 मीटर तक इसकी लंबाई बताई जा रही है
- 10.5 मीटर इसकी चौड़ाई है
- 46.3 किलोमीटर प्रति घंटा (25 नॉट्स) की स्पीड से चलता है
- 30 मिमी गन और दो 12.7 मिमी रिमोट कंट्रोल मशीन गन लगी हैं

खास उपकरण लगाए गए

- ये समुद्र में छिपी हुई दुश्मन की पनडुब्बियों को ढूंढता है और जरूरत पड़ने पर नष्ट भी करता है
- इसके लिए इसमें खास उपकरण लगाए गए हैं
- इसमें सोनर सिस्टम (पानी के नीचे सुनने वाला उपकरण), डेप्थ चार्ज (पानी में फटने वाले बम), टोरपेडोस (पनडुब्बी मारक मिसाइलें) को लगाया गया है
- इसमें आधुनिक हथियार और सेंसर लगे हैं

देश की समुद्री ताकत में इजाफा

युद्धपोत आईएनएस एंड्रोथ के भारतीय नौसेना में शामिल होने देश की समुद्री ताकत में इजाफा हो गया। एंड्रोथ समुद्र में ही दुश्मनों की पनडुब्बियों को बर्बाद करने की क्षमता रखता है। इसमें 80 फीसदी सामान स्वदेशी है और यह दूसरा एंटी-सबमरीन वॉरफेयर शैलो वाटर क्राफ्ट है। यह एक छोटा युद्धपोत है जिसे उथले समुद्री इलाकों में पनडुब्बियों को खोजने और नष्ट करने के लिए बनाया गया है। उथले समुद्री इलाके वो होते हैं जहां कम गहरा पानी होता है और इसमें पारंपरिक बड़े युद्धपोत पनडुब्बियों पर नजर रखने में कम प्रभावी होते हैं। ऐसे में एंड्रोथ को काफी उपयोगी माना जा रहा है।

कटक हिंसा

13 थाना क्षेत्रों में कर्फ्यू जारी, आठ लोग गिरफ्तार

■ पुलिस और विहिप कार्यकर्ताओं की बीच झड़प में तीन मामले दर्ज

एजेंसी | कटक

ओडिशा के कटक में प्रतिमा विसर्जन के दौरान हुई हिंसा और उसके बाद विश्व हिंदू परिषद (विहिप) के कार्यकर्ताओं व पुलिस के बीच हुई झड़प में अब तक आठ लोगों को गिरफ्तार किया गया. जबकि तीन मामले दर्ज किए गए हैं। कटक के 13 थाना क्षेत्रों में मंगलवार सुबह 10 बजे तक के लिए कर्फ्यू रहेगा। इंटरनेट भी बंद रहेगा। सरकारी कार्यालय और जरूरी सेवाएं सुचारू रहेंगी। पुलिस आयुक्त एस. देव दत्त सिंह ने कहा कि अब स्थिति नियंत्रण में है। कटक में राज्य पुलिस के 1,800 जवानों के साथ केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सीएपीएफ) और ओडिशा स्विफ्ट एक्शन फोर्स के करीब 800 जवान तैनात किए गए हैं। सीसीटीवी फुटेज में हिंसा में शामिल कुछ लोगों की पहचान होने के बाद कटक के विभिन्न स्थानों पर पुलिस की छापेमारी जारी है। लोगों से अफवाहों पर ध्यान न देने की अपील की। उन्होंने कि अशांति फैलाने वाले उपद्रवियों की पहचान कर उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई कर रही हैं।

क्या था मामला?

कटक के दरगाहबाजार इलाके में हाथी पोखरी के पास शुक्रवार और शनिवार की रात मां दुर्गा की प्रतिमा विसर्जन के दौरान तेज संगीत बजाने पर आपत्ति को लेकर झड़प हो गई थी। इसके विरोध में रविवार को विश्व हिंदू परिषद के कार्यकर्ताओं द्वारा निकाली गई मोटरसाइकिल रैली को पुलिस ने उपद्रवग्रस्त इलाके में पहुंचने पर रोका तो फिर से हिंसा भड़क उठी। इसमें आठ पुलिसकर्मियों सहित 25 लोग घायल हो गए।

बाहरी लोगों के प्रवेश पर पाबंदी

कटक में बाहरी लोगों के प्रवेश पर पाबंदी लगाई गई है। केवल यहां काम करने वालों और एससीबी मेडिकल कॉलेज व अस्पताल आने-जाने वाले मरीजों को ही अनुमति है। यात्री बसों को प्रवेश द्वारों पर ही रोका जा रहा है। बाहर से आने वालों असामाजिक तत्वों की आवाजाही पर नजर रखने के लिए शहर के सभी प्रवेश द्वारों को बंद कर दिया गया है। मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने घटना पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए लोगों से शांति और सद्भाव बनाए रखने की अपील की है। उन्होंने आश्वासन दिया कि इस घटना के लिए जिम्मेदार सभी लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। वहीं नवीन पटनायक ने कटक में तनाव को लेकर जारी कर्फ्यू एवं कानून-व्यवस्था की स्थिति पर चिंता व्यक्त करते हुए लोगों से शांति बनाए रखने की अपील की है।

न्यूज़ ब्रीफ

केंद्रीकृत पोर्टल संबंधी याचिका पर केंद्र से जवाब मांगा

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को आरबीआई, केंद्र और सेबी आदि से एक याचिका पर जवाब मांगा है। याचिका में निवेशकों और जमाकर्ताओं के 3.5 लाख करोड़ रुपये की वित्तीय परिसंपत्तियों (बैंक जमा, म्युचुअल फंड, बीमा राशि आदि) की राशि सही निवेशकों तक पहुंचाने के लिए एक केंद्रीकृत पोर्टल स्थापित करने का निर्देश देने की मांग की गई है। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ ने याचिका पर सुनवाई के लिए सहमति जताई और मामले की सुनवाई के लिए चार हफ्ते बाद की तारीख तय की।

माउंट एवरेस्ट पर 200 से अधिक पर्वतारोही फंसे

माउंट एवरेस्ट। माउंट एवरेस्ट की तिब्बती ढलानों पर बर्फीले तूफान के बाद रविवार देर शाम 500 से ज्यादा पर्वतारोही फंस गए। सोमवार तक बचाव कर्मियों ने स्थानीय ग्रामीणों की मदद से 350 अन्य को सुरक्षित निकाल लिया। 200 से अधिक अब भी वहां फंसे हुए हैं। शिविर स्थलों पर फंसे पर्वतारोहियों की स्थिति हिमपात होने के कारण और भी खराब हो गई। सैकड़ों स्थानीय ग्रामीण और बचावकर्मी जरूरी सामान लेकर घटनास्थल की ओर पहुंचे, जहां शुक्रवार से लगातार हिमपात हो रहा है। पहले जानकारी सामने आई थी कि चीन की ओर स्थित कर्मा घाटी में विश्व की सबसे ऊंची चोटी माउंट की ढलानों पर 1,000 से अधिक पर्यटक पर्वतारोही फंसे हुए हैं।

तीन उग्रवादी गिरफ्तार, आईईडी बरामद

इंफाल। मणिपुर में अलग-अलग अभियानों में तीन उग्रवादियों को गिरफ्तार किया गया है। इसके साथ ही जिरीबाम जिले में दो शक्तिशाली इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) बरामद किए गए हैं। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि प्रतिबंधित संगठन पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) के एक कैडर को बिष्णुपुर जिले के केरेनफाबी मानिंग लेइकाई इलाके से गिरफ्तार किया गया। 40 वर्षीय खुमुकचाम बीरेन मैतेई पर दुकानदारों, स्कूलों और कॉलेजों से वसूली करने का आरोप है। प्रतिबंधित संगठन का एक और स्वयंभू लेफ्टिनेंट खानगेमबाम शनिवार को बिष्णुपुर जिले के निंगथौखोंग इलाके से गिरफ्तार किया।

आप ने गोवा के सीएम को एक लाख शिकायती पत्र भेजे

पणजी। आम आदमी पार्टी (आप) ने सोमवार को गोवा के मुख्यमंत्री को लोगों द्वारा हस्ताक्षरित एक लाख पत्र भेजे हैं, जिनमें सड़कों की खराब स्थिति की शिकायत की गई है। आप के संयोजक अरविंद केजरीवाल ने अपने गोवा दौरे के अंतिम दिन पार्टी कार्यालय के सामने पत्रों से लदे एक टेंपो को हरी झंडी दिखाई, जिसे गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत के आवास तक पहुंचाया जाना है।

वांगचुक अरेस्ट केस

14 अक्टूबर तक सुनवाई टली

▶▶ पत्नी ने हिरासत में लेने की वजह पूछी, सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र को नोटिस भेजा

एजेंसी | नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट में सोमवार को जोधपुर जेल में बंद सोशल एक्टिविस्ट सोनम वांगचुक से जुड़ी हेबियस कॉर्पस (बंदी प्रत्यक्षीकरण) याचिका पर सुनवाई हुई। जस्टिस अरविंद कुमार और जस्टिस एनवी अंजारिया की बेंच ने केंद्र सरकार को नोटिस जारी कर सोनम वांगचुक की पत्नी गीतांजलि अंगमो की याचिका पर जवाब मांगा है। उन्होंने वांगचुक की एनएसए (राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम) के तहत हुई गिरफ्तारी को चुनौती दी है और उनकी तत्काल रिहाई की मांग की है। अब इस मामले की अगली सुनवाई 14 अक्टूबर को होगी।

कपिल सिब्बल ने उठाया सवाल

सुनवाई के दौरान वांगचुक की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने कहा कि सोनम वांगचुक को हिरासत में लेने के कारणों की जानकारी उनके परिवार को नहीं दी गई है। यह प्रक्रिया के उल्लंघन के समान है। वहीं, केंद्र सरकार की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने दलील दी कि हिरासत के कारण वांगचुक को पहले ही बताए जा चुके हैं और उनकी पत्नी को कॉपी देने पर विचार किया जाएगा।

लेह हिंसा के बाद एनएसए के तहत हिरासत

गौरतलब है कि 24 सितंबर को लेह में हुई हिंसा को भड़काने के आरोप में 26 सितंबर को पुलिस ने सोनम वांगचुक को राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम (NSA) के तहत हिरासत में लिया था। तब से वे जोधपुर जेल में बंद हैं। इसके बाद 2 अक्टूबर को उनकी पत्नी गीतांजलि अंगमो ने सुप्रीम कोर्ट में हेबियस कॉर्पस याचिका दायर करते हुए अनुच्छेद 32 के तहत कहा कि उनके पति की गिरफ्तारी अवैध और असंवैधानिक है।

केंद्रीय सरकारी स्वास्थ्य योजना की दरों में संशोधन

▶▶ 10 साल बाद लिया गया फैसला

एजेंसी | नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने 10 साल बाद केंद्रीय सरकारी स्वास्थ्य योजना (CGHS) की दरों में बड़ा संशोधन किया है, जो 13 अक्टूबर से लागू होगा। इससे करीब 46 लाख कर्मचारी और पेंशनर्स को राहत मिलेगी। नई दरें अब अस्पताल कैटेगरी, शहर कैटेगरी और वार्ड टाइप के आधार पर तय होंगी। इससे निजी अस्पतालों को भी लाभ होगा।

कर्मचारी यूनियनों की मांग का असर

इस साल अगस्त में नेशनल फेडरेशन ऑफ सेंट्रल गवर्नमेंट एम्प्लॉइज यूनियन्स ने सरकार को ज्ञापन सौंपा था। उन्होंने कहा था कि कैशलेस सुविधा न मिलने से कर्मचारियों और पेंशनर्स को आर्थिक कठिनाई हो रही है। इसके बाद सरकार ने यह अहम फैसला लिया।

क्यों जरूरी था बदलाव?

पिछले कई सालों से सरकारी कर्मचारी और पेंशनर्स शिकायत कर रहे थे कि CGHS से जुड़े अस्पताल कैशलेस इलाज देने से इनकार करते हैं। मरीजों को पहले इलाज के पैसे खुद देने पड़ते थे और फिर महीनों बाद रिफंड मिलता था। दूसरी ओर, निजी अस्पतालों का कहना था कि पुरानी दरें बहुत कम थीं और मौजूदा मेडिकल खर्चों के अनुसार नहीं थीं। बता दें कि आखिरी बार CGHS की दरों में बड़ा बदलाव 2014 में किया गया था। तब से अब तक सिर्फ छोटे सुधार हुए थे, कोई व्यापक संशोधन नहीं हुआ था।

सीएमआरल मामले की याचिका खारिज

कोच्चि। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को कांग्रेस विधायक मैथ्यू कुझालनादन की याचिका खारिज कर दी। याचिका में उन्होंने कोचीन मिनरल्स एंड रूटाइल लिमिटेड (सीएमआरएल) से जुड़े कथित वित्तीय लेन-देन के संबंध में केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन और उनकी बेटी वीना विजयन के खिलाफ जांच का निर्देश देने का अनुरोध किया था। मुख्य न्यायाधीश बी. आर. गवई और न्यायमूर्ति के. विनोद चंद्रन की पीठ ने कांग्रेस विधायक की याचिका स्वीकार करने से इनकार कर दिया। पीठ ने कहा कि हम लगातार कह रहे हैं कि आप अपनी राजनीतिक लड़ाई मतदाताओं के बीच लड़ें, अदालत में नहीं। वरिष्ठ वकील ने दलील दी कि हाईकोर्ट ने याचिका को राजनीति से प्रेरित नहीं पाया है और एक समय तो उन्होंने यह भी कहा कि इसमें कुछ ऐसा है जिस पर गौर किया जाना चाहिए।

एसएमएस अस्पताल में लगी आग

लापरवाही की भेंट चढ़ चुकी हैं आठ जिंदगियां

▶▶ 17 घंटे में पहुंचे स्वास्थ्य मंत्री, कहा- होगी कार्रवाई

▶▶ अधीक्षक और ट्रॉमा सेंटर के इंचार्ज को हटाया गया, एक्सईएन निलंबित

▶▶ फायर सेफ्टी कंपनी पर होगी एफआईआर

एजेंसी | जयपुर

राजस्थान की राजधानी जयपुर के प्रतिष्ठित सवाई मानसिंह अस्पताल के ट्रॉमा सेंटर में रविवार देर रात लगी आग ने पूरे राज्य को स्तब्ध कर दिया। इस भीषण अग्निकांड में 8 मरीजों की दर्दनाक मौत हो गई, जो स्वास्थ्य व्यवस्था की कमियों को उजागर करता है। शॉर्ट सर्किट से शुरू हुई यह आग ट्रॉमा सेंटर की दूसरी मंजिल पर स्थित आईसीयू के स्टोर में भड़की, जहां पेपर, चिकित्सा सामग्री और ब्लड सैंपल ट्यूबें रखी हुई थीं। धुएं के घने गुबार ने आईसीयू में भर्ती गंभीर मरीजों की सांसें रोक लीं, जिससे दम घुटने की वजह से कई जिंदगियां खो गईं। अस्पताल परिसर में अफरातफरी का माहौल फैल गया।

चिंगारी उठी लेकिन कोई एक्शन नहीं लिया

अस्पताल में भर्ती मरीजों के परिजनों का कहना है कि ट्रॉमा सेंटर की पहली मंजिल पर बने आईसीयू के पास बने स्टोर में शॉर्च सर्किट हुआ। जब चिंगारियां उठी तक कुछ मरीजों ने अस्पताल के कर्मचारियों को चिंगारी उठने के बारे में बताया लेकिन कर्मचारियों ने इसे गंभीरता से नहीं लिया। चिंगारी उठने के तुरंत बाद एक्शन नहीं लिया गया। ऐसे में आग तेजी से फैल गई।

आग लगने पर भाग छूटा स्टाफ

स्टोर रूम में काफी रिकॉर्ड रखा था। शॉर्ट सर्किट के बाद कागजों में आ लगी और फिर आगे फैलने लगी। धुएं का गुबार फैलने लगा तो स्टाफ भाग छूटा। मरीजों का कहना है कि आग लगते ही बिजली गुल हो गई। अंधेरे में स्टाफ खुद की जान बचाने के लिए मरीजों को छोड़कर भाग छूटे।

लोगों को अंदर नहीं जाने दिया

जब ऊपरी की मंजिल में आग लगी तो बाहर से लपटें साफ दिखाई देने लगी। बाहर के लोग मदद के लिए दौड़कर अंदर जाने लगे लेकिन सुरक्षा गार्डों ने किसी भी बाहरी व्यक्ति को अंदर नहीं जाने दिया। लोग चिल्लाते रहे लेकिन हेल्प करने के लिए बाहरी लोग अंदर नहीं जा सके।

DBD इंफो: बीते पांच सालों में अस्पतालों में आग के 100 से अधिक मामले

अस्पतालों में लापरवाही और सुरक्षा मानकों की अनदेखी से लगी आग अबतक सैकड़ों निर्दोष जिंदगियों को निगल चुका है। जयपुर सिर्फ उदाहरण नहीं, बल्कि लंबे सिलसिले का हिस्सा है। एक अध्ययन के मुताबिक बीते पांच सालों में अस्पतालों में आग की 105 से अधिक घटनाएं हो चुकी हैं, जिनमें 107 से ज्यादा मौतें हुईं। मरनेवालों में ज्यादातर नवजात और गंभीर मरीज थे। शॉर्ट सर्किट, अपर्याप्त फायर सेफ्टी उपकरण और कर्मचारियों की लापरवाही से अस्पताल में इलाज कराने आए लोग असमय मौत के मुंह में जा रहे हैं।

बंगाल के जलपाईगुड़ी में भाजपा सांसद पर हमला, सिर फूटा

एजेंसी | जलपाईगुड़ी

पश्चिम बंगाल के जलपाईगुड़ी में सोमवार को भाजपा सांसद खगेन मुर्मू पर सैकड़ों लोगों की भीड़ ने हमला कर दिया। लोगों ने सांसद पर पत्थरबाजी की, जिससे वे गंभीर रूप से घायल हो गए। उनका सिर फूट गया। खगेन, मालदा से सांसद हैं। मामला जलपाईगुड़ी जिले के दुआर्स क्षेत्र के नागरकाटा का है। भीड़ ने सांसद के साथ गए भाजपा विधायक शंकर घोष और अन्य नेताओं पर भी हमला किया। सभी बाढ़ प्रभावित इलाके में लोगों को राहत सामग्री बांटने गए थे। हमले से पहले 500 से ज्यादा लोगों ने 'वापस जाओ' के नारे लगाए और सड़कें जाम कर दीं। हमले के बाद सामने आई तस्वीरों में भाजपा सांसद खून से लथपथ एक गाड़ी में बैठे हुए दिखाई दिए। उनके चेहरे से लगातार खून बहता हुआ दिखा। उनका सफेद कुर्ता और गमछा भी खून से लाल हो गया। वे रूमाल से बार-बार अपने चेहरे को पोंछते हुए दिखाई दिए।

एमयूडीए घोटाला

ईडी ने ₹40 करोड़ की 34 संपत्तियां जब्त की

▶▶ पूर्व कमिश्नर दिनेश कुमार पर मनी लॉन्ड्रिंग के आरोप

एजेंसी | बंगलूरू

ईडी ने एमयूडीए (मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण) घोटाले के सिलसिले में 34 अचल संपत्तियों को जब्त किया है। इनमें एमयूडीए के विभिन्न साइट्स भी शामिल हैं। इन संपत्तियों का बाजार मूल्य लगभग 40.08 करोड़ रुपये आंका गया है। बंगलूरू जोनल ऑफिस ने यह कार्रवाई 4 अक्तूबर को भारतीय दंड संहिता की प्रवर्तन एजेंसी के तहत लागू मनी लॉन्ड्रिंग (PMLA) 2002 के प्रावधानों के तहत की।

गैरकानूनी आवंटन और घोटाले का मामला सामने आया

ईडी ने यह जांच लोकायुक्त पुलिस, मैसूर द्वारा दर्ज प्राथमिकी के आधार पर शुरू की थी। प्राथमिकी में एमयूडीए द्वारा साइट्स के बड़े पैमाने पर गैरकानूनी आवंटन और घोटाले का मामला सामने आया था। जांच में यह भी सामने आया कि पूर्व एमयूडीए कमिश्नर जीटी दिनेश कुमार ने अवैध रूप से प्राप्त लाभ को विभिन्न माध्यमों से रूट और लेयर किया। दिनेश कुमार को पिछले महीने मनी लॉन्ड्रिंग और साइटों के गैरकानूनी आवंटन के आरोप में गिरफ्तार किया गया था।